RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 96
नई दिल्ली, शुक्रवार, 11 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

ऋषभ पंत ने जीता टेस्ट बैटिंग अवार्ड
स्पोर्ट्स-12

भाजपा शासन में मुस्लिम महिलाओं को मिला बड़ा लाभः प्रधानमंत्री

● हिजाब विवाद के बीच प्रधानमंत्री ने सहारनपुर में गिनाईं उपलब्धियां

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की चुनावी रैली में कहा कि सहारनपुर और पश्चिमी यूपी सहित पूरे उत्तर प्रदेश की जनता को भाजपा पर भरोसा कर रहा है। भाजपा सरकार का यह इतिहास और परंपरा है कि वह जो संकल्प लेती है उसे पूरा करके दिखाती है। ये हमारी ही सरकार है, जिसने गन्ना किसानों को पहले के मुकाबले कई ज्यादा का भुगतान किया है। प्रधानमंत्री ने मुस्लिम महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने के लिए कानून बनाया, जिसके बाद मुस्लिम बहन बेटियां खुलकर भाजपा का समर्थन करने लगीं तो वोटों के कुछ ठेकेदारों की नींद हराम हो गई।

उन्हें लगा कि इन बेटियों को रोकना होगा क्योंकि अगर यह मोदी की तरफ चली जाएंगी तो घर में ही उनका राज आ जाएगा, इसलिए उन मुस्लिम बहन बेटियों का हक और उनकी विकास की आकांक्षाओं को रोकने के लिए नए-नए तरीके खोजे जा रहे हैं। मोदी ने कहा, हमारी सरकार हर पीड़ित और मजलूम मुस्लिम महिला के साथ खड़ी है।

कोई मुस्लिम महिलाओं पर जुल्म न कर सके इसके लिए योगी जी की सरकार बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के घर मिलते रहें, गरीबों को अच्छे अस्पतालों में पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, छोटे किसानों के बैंक खाते में प्रधानमंत्री किसान योजना का पैसा सीधे पहुंचता रहे, गरीबों को इस महामारी के समय मुफ्त राशन मिलता रहे इसके लिए उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार जरूरी है। मोदी ने विपक्षी दलों खासकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि यह घोर परिवारवादी लोग सरकार में होते तो शायद कोरोना की वैक्सीन रास्ते में ही कहीं बिक गई होती और आप कोरोना के भय से आतंकित होकर जीवन मृत्यु की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर (शेष पेज 9)

अपने पदाधिकारी के बयान से आरएसएस की मुस्लिम शाखा ने बनाई दूरी

नई दिल्ली। कर्नाटक में हिजाब विवाद के केंद्र में रही छात्रा का उत्तर प्रदेश में अपने एक स्थानीय पदाधिकारी द्वारा समर्थन किए जाने के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुस्लिम शाखा ने बृहस्पतिवार को स्थानीय पदाधिकारी के बयान से दूरी बना ली। साथ ही, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने कहा कि कुछ कट्टर व्यक्ति देश का माहौल बिगाड़ने के लिए छात्रा का दुरूपयोग कर रहे हैं। मंच ने एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि वह इस तरह के कट्टरपंथ और धार्मिक उन्माद का समर्थन नहीं करता है और कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं के लिए ड्रेस कोड लागू करने के कदम का समर्थन करता (शेष पेज 9)

हिजाब मुद्दा सुलझने तक धार्मिक वस्त्र पहनने से परहेज करें छात्र

● बेंगलुरु हाई कोर्ट ने कहा- मामले में सोमवार को होगी सुनवाई, स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई शुरू हो

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

हिजाब मामले की सुनवाई कर रहे कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को छात्रों से कहा कि जब तक मामला सुलझ नहीं जाता तब तक वे शैक्षणिक संस्थानों के परिसर में ऐसा कोई वस्त्र पहनने पर जोर नहीं दें, जिससे लोगों को उकसाया जा सके। अदालत ने मामले की सुनवाई सोमवार के लिए निर्धारित करते हुए यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के लिए कक्षाएं फिर से शुरू कर सकते हैं।

हिजाब मामले की सुनवाई के लिए बुधवार को गठित मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति जे एम काजी और न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित की तीन सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा कि विवाद को जल्द से जल्द सुलझाया जाए और सभी को शांति एवं सद्भावना बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, याचिकाकर्ताओं के वकील देवदत्त कामत ने अदालत से उनकी आपत्ति पर विचार करने का अनुरोध किया कि ऐसा आदेश अनुच्छेद 25 के तहत उनके मुवक्किल के संवैधानिक अधिकारों को निलंबित करने के बराबर होगा।

कामत ने कहा कि यह उनके अधिकारों का पूर्ण हनन होगा। इस पर मुख्य न्यायाधीश अवस्थी ने कहा कि यह व्यवस्था केवल कुछ दिन के लिए है जब तक कि मामला हल नहीं हो (शेष पेज 9)

उप्र में पहले चरण में 60% वोट पड़े

● राज्य की 58 सीटों पर शांतिपूर्ण रहा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गाजियाबाद में एक केंद्र पर मतदान के लिए लगी लोगों की कतार

विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को 11 जिलों की 58 विधानसभा सीटों पर 60.17 प्रतिशत मतदान हुआ। कई मंत्रियों समेत 623 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। कोविड प्रोटोकॉल के कारण एक घंटे के विस्तार के बाद शाम छह बजे मतदान बंद हुआ। कुछ स्थानों पर ईवीएम में मामूली तकनीकी खराबी के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने ट्वीट कर कहा, उप्र विधानसभा 2022 का प्रथम चरण आज शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। लोकतंत्र के महोत्सव में अपने अमूल्य मत का प्रयोग कर सहभागिता करने वाले सभी सम्मानित मतदाताओं का हार्दिक धन्यवाद।

आपका मतदान नए उत्तर प्रदेश की नींव को मजबूती प्रदान करेगा। भारत माता की जय। अपर मुख्य चुनाव अधिकारी (एसीईओ) बीडी राम तिवारी ने बताया कि कुछ जगहों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी की खबरें आई हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद उन ईवीएम को बदला जा रहा था। समाजवादी पार्टी के इस आरोप पर कि कैराना विधानसभा क्षेत्र के दुंदुखेड़ा गांव में मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया, तिवारी ने कहा कि संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को मामले को देखने के लिए कहा गया था। निर्वाचन आयोग कार्यालय के मुताबिक मतदान कार्य कोविड प्रोटोकॉल के तहत सुबह सात बजे शुरू हुआ जो शाम छह बजे तक चलेगा।

आयोग के मुताबिक आगरा में 60.33 फीसदी, अलीगढ़ में 60.49 फीसदी, बागपत में 61.35 फीसदी, बुलंदशहर में 60.52 फीसदी, गौतमबुद्ध नगर में 56.73 फीसदी, गाजियाबाद में 54.77 फीसदी, हापुड़ में 60.50 फीसदी, मथुरा में 63.28 फीसदी, मेरठ में 60.91 फीसदी, मुजफ्फरनगर में 65.34 प्रतिशत और शामली 69.42 प्रतिशत में मतदान हुआ। गाजियाबाद से मिली एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा नेता वीके सिंह और कांग्रेस नेता राजन कांत के समर्थकों के बीच एक मामूली झड़प हुई। बाद में सुरक्षा कर्मियों ने हस्तक्षेप कर मामले को सुलझाा लिया। बुलंदशहर में सदर विधानसभा क्षेत्र के चार खंबा मतदान केंद्र पर एक दूल्हा अपनी बारात में शामिल होने से पहले वोट डालने पहुंचा। दूल्हा बलराम घुड़चड़ी की रस्म पूरी करने के बाद मोटरसाइकिल पर वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पहुंचा।

मथुरा से मिली खबर के अनुसार, सुबह घने कोहरे के कारण मतदान धीमा रहा लेकिन बाद में दिन में इसमें सुधार हुआ। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी चुनाव प्रचार के कारण समय पर मतदान करने के लिए मतदान केंद्र नहीं पहुंच सके, लेकिन उनकी पत्नी चारु चौधरी ने मथुरा में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मथुरा के जिला चुनाव अधिकारी नवनीत सिंह चहल ने बताया कि चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, और कोविड -19 मानदंडों का सख्ती से पालन किया (शेष पेज 9)

लखीमपुर खीरी कांड में आशीष मिश्र को जमानत मिली

विधि संवाददाता। लखनऊ

लखीमपुर-खीरी के तिकुनिया कांड मामले में निरुद्ध मुल्जिम आशीष मिश्र उर्फ मोनू की जमानत याचिका हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मंजूर कर ली है। आशीष मिश्र केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र उर्फ टेनी का पुत्र है। पीठ ने इसे दो जमानत पत्र व निजी हलफनामा दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश आशीष मिश्र की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर दिया है। बीते 18 जनवरी को एकल पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। गुरुवार को पीठ ने अपना आदेश जारी किया। एकल पीठ ने अपने 17 पन्ने के आदेश में कहा है कि मुल्जिम आशीष पर गाड़ी की बाईं सीट पर बैठकर गोली चलाने का आरोप है कि उसकी गोली से गुरविंदर सिंह नामक एक शख्स की मौत हो गई जबकि मृतक अथवा घटनास्थल पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को गोली की चोट नहीं आई (शेष पेज 9)

देश में कांग्रेस के समय था अंधकालः निर्मला

● यूपीए की तुलना में मोदी सरकार ने वित्तीय संकट को बेहतर तरीके से हल किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में अगले वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेसनीत यूपीए सरकार (2008 के वित्तीय संकट) की की तुलना में मोदी सरकार ने मौजूदा वित्तीय संकट को बेहतर तरीके से हल किया।

देश में इस विपक्षी पार्टी के कारण ही अंधकाल था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में लोगों के वित्तीय समावेश और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अमृतकाल की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर बहस का जवाब देते हुए कहा कि 2008 के वित्तीय संकट में भारतीय जीडीपी ने कम लाभ के मामले में 2.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाया, जबकि हाल के संकट में भारतीय जीडीपी को 9.57 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद 2020-21 में मुद्रास्फीति 6.2 प्रतिशत थी, जबकि 2008-09 में यह 9.1 प्रतिशत पहुंच गई थी।

वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि सकल घरेलू उत्पाद में संकुचन और सकल घरेलू उत्पाद को बहुत अधिक नुकसान के बावजूद हम मुद्रास्फीति को कम रखने में कामयाब रहे। सीतारमण ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और यह पिछले वित्त वर्ष में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेजी से बढ़ी है। अगले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जबकि अमेरिका के 4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। बजट पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर (शेष पेज 9)

डिजिटल मुद्रा लाने की जल्दबाजी नहींः दास

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल मुद्रा लाने की बजट घोषणा के चंद दिनों बाद ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय बैंक इस दिशा में जल्दबाजी नहीं करना चाहता है और सभी पहलुओं पर गौर कर रहा है। दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की कोई समयसीमा नहीं तय की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को बजट पेश करते हुए कहा था कि रिजर्व बैंक अगले वित्त वर्ष में एक डिजिटल मुद्रा लेकर आएगा। इस बारे में गवर्नर ने कहा कि हम डिजिटल मुद्रा लाने में जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं। हम पूरी सावधानी और सजगता से इससे जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं, क्योंकि इसमें कई तरह के जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम साइबर सुरक्षा और जालसाजी का है। उन्होंने कहा कि सीबीडीसी के एक नए मौद्रिक उत्पाद होने से (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	58,926	↑ 460	
निफ्टी	17,605	↑ 142	
सोना	48,403		/10g
चांदी	62,417		/kg

क्विक न्यूज

अब कार में सभी सीटों के लिए थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट देना अनिवार्य हुआ

नई दिल्ली। सरकार ने वाहन विनिर्माता कंपनियों को कार में बैठने वाले सभी यात्रियों के लिए थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट मुहैया कराना अनिवार्य कर दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। यह व्यवस्था कार की पिछली सीट में बीच में बैठने वाले यात्री के लिए भी लागू होगी। कार कंपनियों को बीच वाले यात्री के लिए भी थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट मुहैया करानी होगी। गडकरी ने कहा, मैंने इस प्रावधान वाली फाइल पर कल ही हस्ताक्षर किए है। इसके तहत कार विनिर्माताओं को वाहन में बैठने वाले सभी यात्रियों के लिए थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट देना अनिवार्य कर दिया गया है।

विदेश से आने वालों को क्वॉरंटीन से छूट

● सात दिन घर में क्वॉरंटीन खत्म, आरटी पीसीआर जांच भी नहीं करानी पड़ेगी

● कुल 82 देशों के लिए केंद्र के नए दिशा-निर्देश 14 फरवरी से होंगे लागू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए बृहस्पतिवार को संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके जरिए उनके लिए अनिवार्य रूप से सात-दिन घर पर क्वॉरंटीन में रहने और आठवें दिन आरटी-पीसीआर जांच कराने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। संशोधित दिशानिर्देश 14 फरवरी से लागू होंगे। अंतरराष्ट्रीय यात्रा कर हवाई अड्डे पहुंचने वाले सभी यात्रियों में कुल यात्रियों के दो प्रतिशत की कोविड जांच की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्विटर पर इस कदम की घोषणा करते हुए कहा कि लोगों के नमूने लिए जाएंगे और फिर हवाई (शेष पेज 9)

केरल, मिजोरम को छोड़ देश की स्थिति में सुधार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोविड-19 की स्थिति कुल मिलाकर आशावादी है और यह बेहतर हो रही है। हालांकि, केरल और मिजोरम सहित कुछ राज्यों में अब भी संक्रमण दर अधिक है, जो चिंता का विषय है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल ने लोगों से सावधानी बरतना नहीं छोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि हालांकि सभी राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों और दैनिक संक्रमण दर में निरंतर गिरावट हुई है, लेकिन लगभग 40 जिलों में साप्ताहिक मामले (शेष पेज 9)

कोविड से मारे गए 123 पत्रकारों के परिवारों को 6.15 करोड़ दिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 123 पत्रकारों के परिवारों को 6.15 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरूगन ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिवारों को वित्तीय सहायता देने के लिए विशेष (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 11 फरवरी 2022

बुजुर्ग मतदाता के बूथ पर पहुंचने से पहले ही पड़ चुका था वोट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद के एक पोलिंग बूथ पर गडबड़झाला सामने आया है। बुजुर्ग के बूथ पर पहुंचने से पहले ही उनका वोट पड़ चुका था। गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट स्थित सेठ मुकंद लाल पोलिंग बूथ पर वोट डालने पहुंची 71 वर्षीय नसीम का पहले ही पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डाला जा चुका था। जिसको लेकर मतदाता ने शिकायत दर्ज कराई है, उनके द्वारा पोस्टल बैलट की मांग ही नहीं की गई थी। उनके द्वारा शिकायत दर्ज कराई है कि उनके नाम से फर्जी तरीके से किसने पोस्टल बैलट दायर की है, इसकी जांच कराई जाए।

नसीम के भाई ने बताया कि उनके परिवार से एक भी सदस्य ने पोस्टल बैलेट से मतदान नहीं किया। ऐसे में बड़ा सवाल है कि उनका वोट कैसे डाल दिया गया। सपा के प्रवक्ता आईपी सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि गाजियाबाद में एक बुजुर्ग महिला जब बूथ पर पहुंची तो पोस्टल बैलेट से उनका वोट पड़ चुका है। ये धांधली बीजेपी के इशारे पर हो रही है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005
निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, निरूपमा मिश्रा, एच नंबर 82, भू तल, नीलम विहार सोसायटी, सेक्टर–14, कौशाम्बी, गाजियाबाद, खाता नंबर :– LBDEL00000610384	एफ. नंबर 82, नीलम विहार सहकारी आवास समिति लि., सेक्टर–14, कौशाम्बी, गाजियाबाद	08–09–2021 रू. 3,91,084/–	03–05–2021
2.	विम्मी चंडोक, संदीप सिंह चंडोक, अमरजीत सिंह, डी–17, द्वितीय तल, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00000807235	फ्लैट नंबर सी–120, लाजपत नगर–1, नई दिल्ली	08–09–2021 रू. 3,59,850.88/–	08–04–2021
3.	सुरेश सूरी, राकेश सूरी, कृष्णा सूरी, शिवाजी विहार जनता कालोनी (बसई दारापुर), फ्लैट नंबर ए–7, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00001220716	फ्लैट नंबर ए–7, शिवाजी विहार जनता कालोनी (बसई दारापुर), दिल्ली,	08–09–2021 रू. 9,30,213.76/–	11–06–2021
4.	असीम कुमार सिन्हा, अपर्णा असीम सिन्हा, 312–सी, रामा अपार्टमेंट, सेक्टर–11, प्लॉट नंबर 2, द्वारका, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00001892389	यूनिट नंबर केआरएच 23–1601, क्रीसेंट होम्स जेपी ग्रीन्स, नोएडा	08–09–2021 रू. 12,81,407.3/–	11–05–2021
5.	नरेन्द्र राठौर, अनीता राठौर, बी.एम. प्लास्टिक एंटरप्राइजेज, एम एन पॉलिमर, 2/48, तृतीय तल, ब्लॉक 2, रमेश नगर, नई दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00001909708	यूनिट नंबर जीडीआई–0062404, गार्डन आइजल्स, विश टाउन, सेक्टर–133, जेपी ग्रीन्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश	18–09–2021 रू. 27,51,570.7/–	30–04–2021
6.	प्रभात पंकज, राम सेवक साह, एच. नंबर 1169 ए, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, सेक्टर–52, गुरूग्राम, हरियाणा, खाता नंबर :– LBDEL00002048425	फ्लैट नंबर 115, प्रथम तल, ब्लॉक–ए, मनहर गार्डन, हरीश नगर, सिकन्दरा रोड, सिकन्दरा, खसरा नंबर 839, 831, 832, 383, 838, 833, मौजा सिकन्दरा, बहिश्ताबाद, आगरा, उत्तर प्रदेश	08–09–2021 रू. 14,92,900/–	11–05–2021
7.	मुरारी कुमार सिंह, साक्षी सिंह, सी 158, गली नंबर 4, दीपावली एन्क्लेव, इस्माइलपुर, फरीदाबाद, हरियाणा, खाता नंबर :– LBDEL00002069824	फ्लैट नंबर 420, चतुर्थ तल, मनहर गार्डन, निकट हरीश नगर, सिकन्दरा बोडला रोड, आगरा, के उत्तर प्रदेश	18–09–2021 रू. 29,07,645/–	11–05–2021
8.	योगिता भयाना, प्रेम कुमारी, 1521, द्वितीय तल, आउटराम लाइन्स, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002160296	फ्लैट नंबर 30, एसएफ रियर आरएचएस, विक्रम एन्क्लेव, साहिबाबाद, गाजियाबाद	25–08–2021 रू. 5,52,819.26/–	30–11–2020
9.	संदीप कुमार डोगरा, सपना डोगरा, एम–70 ए, शास्त्री नगर, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002198762	फ्लैट नंबर 340, तृतीय तल, मनहर गार्डन, निकट हरीश नगर, सिकन्दरा बोडला रोड, आगरा, उत्तर प्रदेश	18–09–2021 रू. 32,27,052/–	06–05–2021
10	प्रेम प्रकाश त्यागी, प्रतिभा त्यागी, 1/6792, ईस्ट रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002325223	फ्लैट नंबर जी–203, द्वितीय तल, वीवीआईपी एड्रेसेज, टावर जी, राज नगर एक्स., गाजियाबाद	08–09–2021 रू. 21,58,974/–	06–05–2021
11	राम चंदर, संजीव कुमार, बी–1/172, बी–1, नंद नगरी, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00002398449	फ्लैट नंबर 316, तृतीय तल, ब्लॉक एम, सेक्टर–4, रोहिणी, दिल्ली,	08–09–2021 रू. 5,84,408/–	07–06–2021
12	वैशाली शर्मा, अमित शर्मा, मकान नंबर 111, सेक्टर–6, चिरंजीव विहार, सेक्टर–6, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBDEL00002847115	फ्लैट नंबर 806, 8वां तल, प्रतीक ग्रैंड सिटी, टावर–सी 16, प्लॉट नंबर 4/बी.एस–01 तथा 4/बी.एस–05, सिद्धार्थ विहार, एनएच–24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	18–09–2021 रू. 32,35,633/–	07–06–2021
13	रमा शर्मा, स्वदेश मोहन, मकान नंबर ए 32, विकास कुंज, लोनी देहात, उत्तर प्रदेश, बाराणसी, खाता नंबर :– LBDEL00002946567	फ्लैट नंबर 41/101, प्रथम तल, टावर सी, क्लासिक रेजीडेंसी, नूर नगर, राज नगर एक्सटेंशन, परगना लोनी, गाजियाबाद	08–09–2021 रू. 21,07,757/–	24–06–2021
14	सीमा सक्सेना, आशीष मोहन, 33 ए ब्लॉक बी, द्वितीय तल, सेक्टर–27, जी बी नगर, नोएडा, खाता नंबर :– LBDEL00002975843	फ्लैट नंबर 1906, 19वां तल, टावर एम, ग्रैंड अजनारा हेरिटेज, जीएच–01/बी, सेक्टर–74, गौतमबुद्ध नगर	18–09–2021 रू. 51,54,568/–	30–04–2021
15	रेहान शकील, रेशमा, पत्नी रेहान शकील, एच 19 टी/एफ, एच ब्लॉक जगतपुरी, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00003295177	फ्लैट नंबर 905, 9वां तल, टावर बी 5, रूद्रा प्लेसेज हाइट्स, प्लॉट नंबर जीएच–02 बी, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, नोएडा	08–09–2021 रू. 17,06,144/–	07–06–2021
16	अक्षय कुमार, वंदना कुमारी, डी–5/11, ब्लॉक डी–5, कुंवर सिंह नगर, रनहोला, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00004445125	फ्लैट नंबर 1904, टावर डी, 19वां तल, ऐश्वर्यम, जीसी 3 जी/जीएच–03, सेक्टर–16 सी, गौड सिटी 2, ग्रेटर नोएडा	18–09–2021 रू. 35,70,024/–	06–04–2021
17	सुनील, लेखराज, निशा, धनसिया, गौतमबुद्ध नगर, बांकापुर यूपी, गौतमबुद्ध नगर खाता नंबर :– LBDEL00004932223	फ्लैट नंबर 1603, प्लॉट नंबर एक्आरए–12/ए, ओएसिस विनीशिया हाइट्स, टावर सी, 16वां तल, सेक्टर सूरजपुर, एसटीई–सी–एक्सटीयूपीएसआईडीसी नोएडा	08–09–2021 रू. 23,77,971/–	06–05–2021
18	प्रियंका श्रीवास्तव, अपराजिता श्रीवास्तव, 509, कपूर स्ट्रीट, सिविल लाइन, लुधियाना खाता नंबर :– LBDEL00005114560	फ्लैट नंबर 120606, छठा तल, ब्लॉक सन 1 एमआईजी सन रूफ सिकरोड, परगना जलालाबाद, तहसील गाजियाबाद	25–08–2021 रू. 18,46,111.01/–	06–03–2021
19	सुमन गोयल, मनोज कुमार, पत्नी मनोज गोयल, गली नंबर 5, निकट गव. हाई स्कूल, 240–ए, विजय नगर कालोनी, ग्राम बवाना, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00005122683	फ्लैट नंबर सी 1/802, 8वां तल, श्री वर्धमान गार्डेनिया टावर सी 1, सेक्टर–10, सोनीपत	18–09–2021 रू. 45,93,104.28/–	06–05–2021
20	नरेश कुमार समरवाल, मैसर्स शिवम एस्टेट्स, सी–36, गुलमोहर पार्क, दिल्ली खाता नंबर :– LBFDB00001441722	दुकान नंबर 15, सेक्टर–39, ब्लॉक सी–102, नोएडा	08–09–2021 रू. 6,08,501.82/–	12–04–2021
21	जगजीत सिंह, सुरजीत कौर, एच नंबर 1 ए/121, एनआईटी, फरीदाबाद, निकट मेन मार्किट, फरीदाबाद खाता नंबर :– LBFDB00001481472	मकान नंबर 1 ए/122, एनआईटी, फरीदाबाद,	08–09–2021 रू. 5,58,477/–	31–05–2021
22	मौशुमी रॉय, ध्रुबज्योति रॉय, मकान नंबर 162 ए, भू तल, फ्रंट साइड, ग्रीन फील्ड कालोनी, फरीदाबाद, हरियाणा खाता नंबर :– LBFDB00002869583	फ्लैट नंबर बी–608, छठा तल, ग्रुप हाउसिंग स्कीम, फ्लोरिडा, टावर बी, सेक्टर 82, फरीदाबाद, हरियाणा	08–09–2021 रू. 17,40,453/–	07–06–2021
23	इंदरजीत सिंह, निधि अरोड़ा, फ्लैट नंबर 902, टावर डी 5, प्राणायाम अपार्टमेंट्स, सेक्टर 82–85, फरीदाबाद, हरियाणा खाता नंबर :– LBFDB00004897720	एच नंबर 840, सेक्टर–15 ए, फरीदाबाद	08–09–2021 रू. 17,89,782.06/–	03–04–2021
24	अजय तारिका, पायल तारिका, आर 3/13, प्रथम तल, राज नगर, गाजियाबाद खाता नंबर :– LBGHZ00001312088	फ्लैट नंबर एफ–3, प्रथम तल, रियर लेफ्ट हैंड साइड, प्लॉट आर 3/13, राज नगर, गाजियाबाद	08–09–2021 रू. 9,37,943.57/–	12–04–2021
25	अवधेश कुमार मौर्य, कविता मौर्य, ईएसएईएफ–9, सिद्धिविनायक अपार्टमेंट, अभय खंड–3, इंदिरापुरम, गाजियाबाद खाता नंबर :– LBGHZ00002017887	फ्लैट नंबर 1 ए–083, 8वां तल, ग्रीन व्यू–II, सहकारी आवास समिति लिमिटेड, प्लॉट नंबर 04, क्रोसिया एस्टेट, सेक्टर–पाई, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, नोएडा	18–09–2021 रू. 26,87,972/–	11–05–2021
26	किरण कुमार आर्य, सपना पवार, के 603, आदित्य मेगा सिटी, निकट नाथू स्वीट, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGHZ00002037630	फ्लैट नंबर ए 2–1204–ए, 12वां तल, टावर ए, गार्डेनिया गेटवे, प्लॉट नंबर जीएच–10, सेक्टर–75, नोएडा, उत्तर प्रदेश,	08–09–2021 रू. 25,72,721/–	22–05–2021
27	विनय कुमार, ज्योति, 7069, टावर–5, ब्लॉक–ई–4, क्रॉसिंग्स रिपब्लिक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGHZ00002206043	फ्लैट नंबर 2648, 25वां तल, 16वां पार्क व्यू, टावर एफ, गौड यमुना सिटी, पाकेट–3, मिर्जापुर साइट, सेक्टर–19, यीडा ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, नोएडा	08–09–2021 रू. 19,20,654/–	06–05–2021
28	महेश चंद, भारती शर्मा, एच नंबर एचस 137, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली खाता नंबर :– LBGHZ00002369328	फ्लैट नंबर 1703, 17वां तल, टावर ए, गायत्री ऑरा, प्लॉट नंबर जीएच 11, सेक्टर–1, नोएडा एक्सटेंशन	18–09–2021 रू. 27,33,409/–	07–06–2021
29	सुभाष चंद, दीपा, मकान नंर 529, ब्लॉक ए, गली नंबर 8, अमर कालोनी, ईस्ट गोकलपुर, दिल्ली खाता नंबर :– LBGHZ00002516282	फ्लैट नंबर ए/यूएच–707, 7वां तल, टावर ए, आदित्य अर्बन होम्स, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, एनएच 24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश,	08–09–2021 रू. 16,38,771/–	06–05–2021
30	रमा शर्मा, स्वदेश मोहन, मकान नंबर ए 32, विकास कुंज, लोनी देहात, उत्तर प्रदेश, बाराणसी, खाता नंबर :– LBGHZ00002942007	फ्लैट नंबर एच 1/101, प्रथम तल, टावर सी, क्लासिक रेजीडेंसी, नूर नगर, राज नगर एक्सटेंशन, परगना लोनी, गाजियाबाद	08–09–2021 रू. 14,36,094/–	24–06–2021
31	रमा शर्मा, स्वदेश मोहन, मकान नंबर ए 32, विकास कुंज, लोनी देहात, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद खाता नंबर :– LBGHZ00003042630	फ्लैट नंबर 704, 7वां तल, फॉर्च्यून रेजीडेंसी, टीडब्ल्यूआर–एफ, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	08–09–2021 रू. 11,16,614/–	24–06–2021
32	कमल कुमार, सोनिया कर्दम, एच नंबर 3 कालका गढ़ी, अम्बेडकर रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGHZ00003133028	फ्लैट नंबर 1408, टावर ए, 14वां तल, अंतरिक्ष गोल्फ लिंक्स, प्लॉट नंबर जीएच 15 ए, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन, उत्तर प्रदेश, नोएडा	18–09–2021 रू. 29,08,494/–	07–6–2021
33	नवीन माथुर, रश्मि माथुर, एसपी–1 11/155, श्यामा अपा. सेक्टर–3, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGHZ00003897606	फ्लैट नंबर ई–1503, 15वां तल, टावर ई, नूर नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	08–09–2021 रू. 22,37,483/–	06–05–2021
34	नीलम मिश्रा, नीरज मिश्रा, एस इंजीनियर्स ब्यूरा, नंबर 5 ए/24, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली खाता नंबर :– LBGHZ00004371182	मकान नंर 361, सेक्टर–15, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	01–09–2021 रू. 28,81,583/–	31–05–2020
35	पंकज राणा, धन सिंह राणा, फ्लैट नंबर एस–149 ए, इंद्र प्रस्थ, आशियाना योजना, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGHZ00004943275	फ्लैट नंबर यूजी–3, रियर (बैक) साइड एलएचएस/नॉर्थ वेस्ट फ्लैट, यूजीएफ प्लॉट नंबर डी–990, इंद्र प्रस्थ, आवासीय योजना, गाजियाबाद,	08–09–2021 रू. 8,39,975/–	06–05–2021
36	अमित सिंह डागा, विनीता डागा, डीबीएम मार्केटिंग (इंडिया) प्रा. लि., 33/5, गार्डेनिया स्ट्रीट वाटिका सिटी, सेक्टर–49, सोहना रोड, गुरूग्राम, हरियाणा खाता नंबर :– LBGUR00001967060	प्लॉट नंबर 33/5, गार्डेनिया स्ट्रीट वाटिका सिटी, सेक्टर–49, गुरूग्राम, हरियाणा	25–08–2021 रू. 37,16,666/–	31–01–2021
37	ध्रुव कुमार ताम्राकर, पन्ना लाल ताम्राकर, एन–31, सेक्टर–11, नोएडा खाता नंबर :– LBGUR00002146617	फ्लैट नंबर 223, द्वितीय तल, मनहर गार्डन, निकट हरीश नगर, सिकन्दरा बोडला रोड, आगरा	18–09–2021 रू. 30,04,194/–	06–05–2021
38	बोस्की निर्वाण, दिनेश राणा, ई 5, भू तल, राधा कुंज, बृज विहार, गाजियाबाद खाता नंबर :– LBGUR00002316391	यूनिट नंबर बी 504, 5वां तल, कासा ग्रैंड, प्लॉट नंबर 07 ए, सेक्टर चाई–5, नोएडा	18–09–2021 रू. 30,26,725/–	06–05–2021
39	दीपक कुमार, पिंकी केशरी, एच 426, डीजीएफ पालम विहार, कार्टरपुरी उर्फ दौलतपुर नसीराबाद, 63, गुरूग्राम, हरियाणा खाता नंबर :– LBGUR00003251531	फ्लैट नंबर 603, छठा तल, टावर 9, पिरामिड अर्बन होम्स, सेक्टर–70 ए, गुरूग्राम	08–09–2021 रू. 14,89,169/–	11–05–2021
40	उज्जवल कुमार पांडे, मुन्नी देवी, कमरा नंबर 01, बिल्डिंग नंबर 03, डी एस पी पैलेस, राम जी लाल मार्किट, सरिता विहार, नई दिल्ली–110076, चुल्काना रोड, समालखा, पानीपत खाता नंबर :– LBGUR00004731822	फ्लैट नंबर 902, स्पीड सॉलिटेरियन सिटी जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी, टावर एस 2, 9वां तल, एसडीजैड जिला	18–09–2021 रू. 43,85,317/–	06–04–2021
41	राजिन्दर खन्ना, उत्कर्ष खन्ना, 938 ए, सेक्टर–29, फरीदाबाद, हरियाणा खाता नंबर :– LBGUR00005048377	प्लॉट नंबर ए–28, अमाया ग्रीन्स – प्लॉट्स, सेक्टर–3, ग्राम फरूखनगर, लाइसेन्स नंबर 37/2017, गुरूग्राम, हरियाणा	08–09–2021 रू. 23,65,410/–	06–05–2021
42	करूणाकर वर्मा, शालिनी रंजन, देवराज सिंह, एच–181, सेक्टर–41, द्वितीय तल, निकट प्रयाग हॉस्पिटल, नोएडा खाता नंबर :– LBNOD00001858084	फ्लैट नंबर एन–19–1406, जेपी ग्रीन्स, अमन सेक्टर–151, नोएडा	08–09–2021 रू. 7,67,152/–	10–06–2021
43	नीरज सिंह, अन्नू कुमारी, आरजैड–41 ए, तृतीय तल, गली नंबर 3, सिंडिकेट एन्क्लेव, निकट डाबरी मोड, दिल्ली खाता नंबर :– LBNOD00002062818	फ्लैट नंबर 414, चतुर्थ तल, टावर ए, मनहर गार्डन, खसरा नंबर 839, 831, 832, 383, 838, 833, मौजा सिकन्दरा बोडला रोड, तहसील और जिला आगरा, उत्तर प्रदेश	08–09–2021 रू. 19,48,620/–	11–05–2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 11 फरवरी, 2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ मतदान

गौतमबुद्धनगर में 56.48, गाजियाबाद में 58.50% पड़े वोट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद/नोएडा

जनपद में बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ। मतदान के दौरान जिले भर में कहीं से भी हिसा या गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं मिली। मतदान को लेकर मतदान केंद्र व बूथों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। साथ ही पुलिस–प्रशासन ने वाहनों को मतदान केंद्र तक ले जाने की छूट दी थी, जिससे मतदाताओं को आसानी हुई और उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

गाजियाबाद जिले में कुल 58.50 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि अभी विधानसभावार आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं। इससे पहले जिले में शाम पांच बजे तक 55.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 63.53 प्रतिशत मतदान हुआ।

दूसरी ओर, गौतमबुद्ध नगर की तीन सीटों पर मतदान के लिए सुबह से ही लोग घर से निकले। अधिकतर लोगों ने यहीं नारा दुहराया पहले मतदान फिर जलपान। मतदान को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी थी। शाम पांच बजे तक मतदान प्रतिशत की बात करें तो नोएडा में 50.6 प्रतिशत, दादरी में 61 प्रतिशत और जेवर में 64.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां पर कुल प्रतिशत की बात की जाए तो तीनों विधानसभा का कुल प्रतिशत 56.48 प्रतिशत रहा। हालांकि, छह बजे तक के लिए मतदान का समय बढ़ाया गया था जिसमें कोरोना के मरीजों का आखिरी में मतदान के लिए व्यवस्था की गई थी।

आयोग के मानकों के अनुसार पुलिस–प्रशासन ने निर्देश जारी किए थे कि मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी पर मतदाताओं के वाहन खड़े होंगे और 200 मीटर की दूरी पर प्रत्याशियों के बस्ते लगेंगे, लेकिन मतदान के दौरान पुलिस–प्रशासन ने मतदाताओं के वाहनों को मतदान केंद्र तक जाने की छूट दे दी। इसका नतीजा यह रहा कि वोटर अपने वाहनों से मतदान केंद्र तक पहुंचे और उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। इसके चलते मतदाताओं में उल्लास नजर आया। जिले में बृहस्पतिवार सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया था। मोदीनगर, मुरादनगर, गाजियाबाद शहर, साहिबाबाद, लोनी, धौलाना और नोएडा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्र व बूथों पर बुधवार रात को ही अर्धसैनिक बलों के हवाले कर दिया गया था। जिले में सभी मतदान केंद्रों पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। मतदान समाप्त होने तक जिले में कहीं भी किसी प्रकार की कोई घटना की सूचना नहीं मिली।

सुबह से ही पुलिस–प्रशासन के आलाधिकारी संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा शुरू कर दिया था। गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, एसएसपी पवन कुमार, एडीएम प्रशासन रितु सुहास, एडीएम सिटी विपिन कुमार, एसपी ग्रामीण डा. ईरज राजा, एसपी सिटी प्रथम निपुण अग्रवाल ने संवेदनशील केंद्र व बूथों का निरीक्षण किया और वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। चुनावी सुरक्षा व्यवस्था में 25 हजार से अधिक सुरक्षाबलों को लगाया गया था। इसमें 81 कंपनियां अर्धसैनिक बलों की व जिले के साथ बाहरी पुलिस और होमगार्ड भी शामिल थे।

आक्सीजन सपोर्ट के साथ वोट देने पहुंची महिला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद, हापुड़ और नोएडा की सभी विधानसभा सीटों पर मतदान के लिए लोगों का उत्साह देखते ही बना। मरीज से लेकर बुजुर्ग और दिव्यांग तक वोट डालने के लिए उत्साहित दिखाई दिए। ऐसी ही एक तस्वीर गाजियाबाद जिले के वसुंधरा में देखने को मिली।

वसुंधरा की मीनू हेतमपुरिया, फेफड़े कमजोर होने के कारण आक्सीजन पर हैं। इसके बाद भी वह इस विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए पीछे नहीं रहीं। उनका उत्साह देख उनके पति लोकपाल हेतमपुरिया व बेटे हर्ष कार में उन्हें आक्सीजन सिलेंडर के साथ मतदान करवाने ले गए। जब मीनू वसुंधरा के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल से मतदान कर बाहर निकलीं तो लोकतंत्र के प्रति उनके इस जब्जे और जुनून को देख लोगों ने उन्हें सेल्यूट किया। गाजियाबाद के राजनगर में बुजुर्ग मतदाता भी बड़े ही उत्साह के साथ मतदान में भाग लिए।

इंग्राहम इंस्टिट्यूट में स्थित पोलिंग बूथ पर आशा जैन अपने बेटे रवि जैन को लेकर व्हील चेयर पर वोट डालने पहुंची। गाजियाबाद के एक्सप्रेस ग्रीन सोसाइटी सेक्टर–1 वैशाली में निवासियों ने आगे बढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मीनाक्षी सरकार ने पैर में चोट लगने के बावजूद सबसे पहले जाकर मतदान किया और सोसाईटी की हीरो रहीं।

वसुंधरा के एक पोलिंग बूथ पर ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ वोट डालने पहुंची मीनू हेतमपुरिया।

मतदाता सूची में नाम नहीं होने से लोग रहे परेशान

गाजियाबाद। जनपद की पांचों विधानसभा सीटों पर बड़ी तादाद में लोगों को मतदान से वंचित होना पड़ा। मतदाता सूची में गड़बड़ी होने से लोगों का नाम नहीं मिला जिससे कई लोगों को मतदान से वंचित होना पड़ा। चुनाव के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम में सुबह सात बजने से ही फोन बजने शुरू हो गए थे।

ज्यादातर शिकायत मतदाता सूची में नाम न होने और मतदाता पहचान पत्र न होने से संबंधित थी, 50 से अधिक शिकायतें इस तरह की प्राप्त हुई हैं। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के वोटर मोनिका सिंह, विपिन सोम, आरपी सिंह, आंचल आदि ने बताया कि उनका वोटर लिस्ट से नाम गायब कर दिया गया है।

बसपा प्रत्याशी पर हमले में तीन लोगों पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

रबूपुरा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान बहुजन समाज पार्टी के जेवर विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र भाटी पर हमले और अभद्रता के मामले में दो सगे भाइयों समेत तीन पर केस दर्ज किया गया है। तीनों की पहचान महमदपुर जादों निवासी विशाल, विकास और अर्जुन के रूप में हुई है। इनमें विकास और विशाल सगे भाई हैं। दर्ज रिपोर्ट में बसपा प्रत्याशी नरेंद्र भाटी ने भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र सिंह के समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को बसपा प्रत्याशी रबूपुरा क्षेत्र के महमदपुर जादों गांव में साथियों के साथ प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान विशाल, विकास और अर्जुन अपने 15.20 साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। आरोपियों ने प्रत्याशी के कपड़े और झंडे फाड़ दिए। आरोप है कि अभद्रता करने वालों ने कहा था कि यहां पर भाजपा प्रत्याशी के अलावा कोई दूसरा चुनाव प्रचार नहीं कर सकता। सोमवार देर शाम अभद्रता करने वालों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए नरेंद्र भाटी मौके पर ही धरने पर बैठ गए। देर रात तक रबुपूरा थाने में मामले की शिकायत भी दी गई थी।

एक करोड़ के गांजे के साथ 4 तस्करों को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● घरेलू सामान में छिपाकर रखा था

गौतमबुद्धनगर की तीनों विधानसभा सीटों पर चुनाव होने से कुछ घंटे पहले पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान चार अंतराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने इन शातिर गांजा तस्करों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को 40 हजार रुपए के पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। नोएडा के एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात को एसीपी रजनीश वर्मा और सेक्टर.24 थाना पुलिस सड़कों पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस ने वहां से एक कंटेनर को जाते हुए देखा।

पुलिस ने तुरंत कंटेनर को रोककर जांच की तो उसके अंदर चार व्यक्ति मिले। उस गाड़ी में कुछ घरेलू सामान भी रखा हुआ था। घरेलू सामान के नीचे भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

इंटक ने की कोयला उत्पादक राज्यों के उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर कोयला आपूर्ति की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा छत्तीसगढ़ से बाहर कोयला भेजने के संबंध में इंटक के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ इंटक के अध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह ने मांग की है कि सरकार को कोयला उत्पादन वाले राज्यों में सक्रिय उद्योगों को कोयला उपलब्ध कराने की प्राथमिकता देनी चाहिए। कोयला उत्पादक राज्यों के उद्योगों की जरूरतें पूरी करने के बाद गैर-उत्पादक राज्यों को कोयला आपूर्ति की जानी चाहिए।

श्री सिंह ने इस संबंध में एक पत्र प्रधानमंत्री को लिखा है। पत्र में मांग की गई है कि पहले कोयला उत्पादक राज्यों में सक्रिय उद्योगों की जरूरतें पूरी की जाएं और फिर अन्य राज्यों को कोयला भेजा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने पर लोग विरोध पर उतारू हो सकते हैं। अगर सीपीपी आधारित उद्योगों को कोयले की आपूर्ति शीघ्र नहीं की गई तो वे बंद होने के कगार पर आ जाएंगे। लाखों मजदूरों की रोजी-रोटी संकट में पड़ जाएगी। इन सब बातों को देखते हुए विभिन्न राज्यों में कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है।

श्री सिंह बताते हैं कि एसईसीएल द्वारा उत्पादित कोयले का प्रयोग छत्तीसगढ़ स्थित उद्योगों और राज्य के बाहर के उद्योगों में किया जाता है पिछले एक वर्ष के दौरान एसईसीएल प्रबंधन ने सीपीपी आधारित उद्योगों के कोयले में लगातार कटौती की है। छत्तीसगढ़ का कोयला प्राथमिकता के आधार पर राज्य के बाहर स्थित पावर सेक्टर को उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे सीपीपी आधारित उद्योगों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है।

देश के कुल कोयला भण्डार का 18 प्रतिशत हिस्सा यानी 56 बिलियन टन कोयला छत्तीसगढ़ में है। राज्य के 250 से अधिक कैप्टिव विद्युत संयंत्रों पर आधारित उद्योगों को सुचारू रूप से चलाने के लिए 32 मिलियन टन कोयले की जरूरत है जो एसईसीएल के उत्पादन का मात्र 19 प्रतिशत है। एसईसीएल का सालाना उत्पादन 165 मिलियन टन है। वर्तमान में सीआईएल द्वारा कोयले का पर्याप्त उत्पादन होने के बावजूद भी छत्तीसगढ़, ओड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना, झारखंड आदि राज्यों के सीपीपी आधारित उद्योगों को कोयला नहीं मिल पा रहा है।

श्री सिंह ने इंटक की ओर से मांग की है कि छत्तीसगढ़ एवं देश के अन्य राज्यों के उद्योगों की रक्षा के लिए विभिन्न संयंत्रों के लिए रोड सेल एवं रेल सेल के जरिये कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए एवं प्राथमिकता के आधार पर सीआईएल प्रबंधन नॉन-पावर सेक्टर के विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से की जाए।

इसके साथ ही श्री सिंह ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने नेपाल और भूटान जैसे पड़ोसी देशों को कोयला आपूर्ति करने पर कहा कि घरेलू उद्योगों की जरूरतें ही पूरी नहीं हो पा रही हैं। ऐसा नहीं है कि कोयला उत्पादन कम हो रहा है। दरअसल, सरकार की नीति ही गलत है। अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो आने वाले दिनों में लोगों की नौकरियां जा सकती हैं जिससे हर राज्य में अशांति पैदा होगी। श्री सिंह ने सरकार एवं कोल इंडिया लिमिटेड को यह चेतावनी दी है कि मांगे पूरी नहीं होने की स्थिति में इंटक साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न प्रदेशों की कोल कंपनियों के मुख्यालयों का घेराव करेगी और अन्य राज्यों को भेजे जा रहे वाहनों का आवागमन भी बाधित किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी सीआईएल प्रबंधन की होगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए इलेक्ट्रिक-वाहन होंगे अनिवार्य

● सरकार ने एग्रीगेटर नीति को लोगों की रायशुमारी के लिए किया सार्वजनिक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एग्रीगेटर नीति को सार्वजनिक कर दिया है। बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए नीति का मसौदा तैयार किया गया है। 14 जनवरी 2022 को अधिसूचित मसौदा नीति को अब http://it-delhigovt-nic-in/pis/noc/egazettes-asp के माध्यम से 60 दिनों के लिए आम लोगों के सुझावों और आपत्तियों को आमंत्रित करते हुए सार्वजनिक किया है। इसके बाद मिलने वाली राय को नीति में शामिल कर नीति का ऐलान घोषित किया जाएगा। यह नीति राइड एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवाओं के लिए नए वाहनों की खरीद में इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य करेगी। इस तरह की नीति को लागू करने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य बन गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महत्वाकांक्षी एग्रीगेटर नीति को सार्वजनिक कर दिया है। बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए नीति का मसौदा तैयार किया गया हुए।

यह नीति राइड एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवाओं को नए वाहनों की खरीद के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद अनिवार्य करेगी।

केजरीवाल सरकार प्रदूषण रोकथाम मापदंडों की दिशा में नए मानक स्थापित कर रही है। इस तरह की नीति के तहत ईवी वाहनों को अनिवार्य करने वाला यह देश में पहला राज्य है। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में ऐसी दूरदर्शी नीतियों को लागू करने में नागरिकों को शामिल करना जारी रखेगी। मसौदा नीति को राजपत्र अधिसूचना की आधिकारिक प्रकाशन तिथि 25 जनवरी 2022 से 60 दिनों की अवधि के भीतर आम जनता के सुझावों और आपत्तियों को आमंत्रित करते हुए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। जिसके बाद इसे कार्यान्वयन के लिए अधिसूचित किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री की सलाहकार रीना गुप्ता ने कहा कि यह नीति दिल्ली सरकार के वर्ष 2024 तक वायु प्रदूषण को 30 फीसदी तक कम करने के लक्ष्यों में पत्थर है।

वायु गुणवत्ता आयोग को अन्य राज्यों को भी एनसीआर क्षेत्र के समान एग्रीगेटर नियमों को अपनाने का निर्देश देना चाहिए।

एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवाओं को अगले 3 महीनों में सभी नए दोपहिया वाहनों में से 10 फीसदी और सभी नए चार पहिया वाहनों में से 5 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन सुनिश्चित करने की आवश्यकता होगी। एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवाओं को मार्च 2023 तक सभी नए दोपहिया वाहनों का 50 फीसदी और सभी नए चार पहिया वाहनों में से 25 फीसदी इलेक्ट्रिक सुनिश्चित करना होगा।

मुगल गार्डन में महकी खूशबू

मुगल गार्डन में खिलखिलाते टूलिप के फूल। यहां करीब 135 प्रकार की गुलाब की किस्में देखने को मिलेंगी। कई रंगों जैसे लाल, गुलाबी, नीला, काला, सफेद, पीला, जामुनी रंग का गुलाब तो हैं ही, इसके अलावा अधिक खूशबू व सुंदर वैरायटी जैसे क्वींन एलिजाबेथ, मदर टेरेसा, एंजलिक, ब्लू मून, ग्रीन रोज, ब्लैक रोज भी बेहद आकर्षित करती हैं। यही वजह है कि मुगल गार्डन का रोज गार्डन दुनिया के बेस्ट रोज गार्डन में शुमार है।

फोटोः रंजन डिमरी

आम जनता के लिए 12 से 16 मार्च तक खुलेगा मुगल गार्डन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने बृहस्पतिवार को बताया कि आम जनता के लिए इस साल मुगल गार्डन शनिवार से 16 मार्च तक खुलेगा। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, दर्शकों को पहले से बुकिंग कराने पर ही गार्डन में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। गार्डन देखने के लिए बुकिंग राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से कराई जा सकेगी।

पिछले साल की तरह इस साल भी एहतियाती कदमों के कारण दर्शक बिना बुकिंग के गार्डन में नहीं जा सकेंगे। इस साल आकर्षण का मुख्य केन्द्र उद्यानोत्सव होगा। इसमें फरवरी के अंत तक 11 प्रजाति के ट्यूलिप खिलेंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में वार्षिक उद्यानोत्सव का शुभारंभ किया। मुगल गार्डन 12 फरवरी से 16 मार्च तक सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

चोरी के 12 वाहन बरामद, 17 चोर गिरफ्तार

ऑपरेशन खोजबीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने उत्तरी जिले में विशेष अभियान चलाकर पिछले साल नवंबर से लेकर अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी के 12 वाहन बरामद किए हैं।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में चोरी के वाहनों का पता लगाने के लिए एक नवंबर 2021 को 'ऑपरेशन खोजबीन' शुरू किया गया था। पुलिस ने कहा कि कई लुटेरों, छिनैती करने वालों और वाहन चोरों ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अपराध के लिए चोरी के वाहनों का इस्तेमाल किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह भी देखा गया कि आपराधिक वारदात को अंजाम देने के बाद, आरोपी ने चोरी के या इस्तेमाल किये हुए वाहनों को विभिन्न पार्किंग स्थल या सुनसान जगहों पर रखा।

अधिकारी ने कहा कि शुरुआती तौर पर, उत्तरी जिले में सभी पार्किंग स्थलों के रिकॉर्ड मंगाए गए। इसमें पता चला कि जिले में 31 पार्किंग स्थल हैं- तीन नगर निगम के, पांच दिल्ली मेट्रो के, एक बस की पार्किंग और 22 अन्य पार्किंग स्थल।

अधिकारी ने कहा कि पैदल गश्त करने वाले कर्मियों को अपने अधिकार क्षेत्र में नियमित रूप से तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि कुछ अपराधियों ने यह भी खुलासा किया कि अपराध में वे जिन वाहनों का इस्तेमाल करना चाहते थे उन्हें चुराने से पहले उन्होंने अन्य वाहनों के नंबर प्लेट चुराए। इसलिए उनके पास फर्जी नंबर प्लेट वाली, चोरी की मोटरसाइकिल हैं जिससे जांच के दौरान पुलिस को उन पर शक नहीं होता।

मैनेजिंग डायरेक्टर पद के लिए डीएमआरसी ने मांगे आवेदन

● वर्तमान एमडी मंगू सिंह का कार्यकाल 31 मार्च को हो रहा समाप्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक (एमडी) के पद के लिए आवेदन मांगे हैं। वर्तमान एमडी मंगू

सिंह का कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। एमडी पद के लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि चार मार्च है। डीएमआरसी के एमडी के रूप में मंगू सिंह का कार्यकाल सितंबर, 2021 में समाप्त होने के बाद सरकार ने 31 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया था। डीएमआरसी के एमडी को दिल्ली सरकार मनोनीत करती है। डीएमआरसी में उसके अध्यक्ष सहित कुल 17 निदेशक हैं।

इनमें से केंद्र और दिल्ली सरकार द्वारा पांच-पांच (कुल 10) निदेशक मनोनीत किए जाते हैं, क्योंकि डीएमआरसी में दोनों की बराबर की भागीदारी है। वहीं प्रबंध निदेशक की नियुक्ति दिल्ली सरकार करती है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग द्वारा जारी विज्ञापन के अनुसार, एमडी पद के लिए आवेदकों की न्यूनतम आयु 45 साल होनी चाहिए। विज्ञापन के अनुसार, सामान्य आवेदकों की अधिकतम आयु 58 साल और विभाग में पहले से कार्यरत आवेदक की अधिकतम आयु 60 साल हो सकती है। विज्ञापन में कहा गया है कि एमडी की सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल होगी।

एमडी 65 साल की आयु प्राप्त करने या पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ई-श्रीधरन के 31 दिसंबर, 2011 को सेवानिवृत्त होने के बाद सिंह ने एक जनवरी, 2012 को कार्यभार संभाला था।

डीयू के छात्रावास में कमरों के लिए करना होगा लंबा इंतजार

● विवि खुलने पर छात्र-छात्राओं के सामने खड़ी होगी बड़ी समस्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने सामान्य रूप से कक्षाओं के संचालन की घोषणा कर दी है लेकिन छात्रावास में कमरे पाने के इच्छुक छात्र/छात्राओं को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि कॉलेजों को आवंटन प्रक्रिया पूरी करने में कुछ वक्त लगेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में सामान्य कक्षाएं शुरू करने की मांग को लेकर छात्रों द्वारा लगातार किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच विश्वविद्यालय ने 17 फरवरी से स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों के लिए सामान्य कक्षाएं शुरू करने की घोषणा बुधवार को की। घोषणा के बाद विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों ने छात्रों के आगमन की तैयारियां शुरू कर दी हैं और छात्रावासों की साफ-सफाई भी शुरू हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि छात्रावास में कमरे पाने के लिए दिए गए आवेदनों पर कार्रवाई होने में कुछ वक्त लगेगा। महाराजा अग्रसेन कॉलेज के सूत्रों के अनुसार, छात्रावास के कमरे 17 फरवरी तक तैयार नहीं हो सकेंगे क्योंकि वे करीब दो साल से बंद पड़े हैं। वहीं, कॉलेज के प्राचार्य संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि छात्रावास के कमरे तैयार करने के लिए वे लोग युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छात्रावास में 56 छात्रों के रहने की सुविधा है। हमने दीवारों पर पेंट कराने सहित अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। कमरों के आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। किरोड़ीमल कॉलेज की प्राचार्य विभा चौहान ने बताया कि हमें कमरों का आकार देखना होगा, अगर कमरा छोटा है तो उसमें एक छात्र को जगह दी जाएगी। छात्रावास की सूची 17 फरवरी को नहीं आ सकती है, उसमें कुछ दिन लग सकते हैं। ऐसा लगभग हर साल होता है।

सुबह की ठंडक बरकरार दिन में धूप में आई तेजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में बृहस्पतिवार की सुबह तेज हवा चली और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सफदरजंग वेधशाला के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह हल्का कोहरा भी छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसरा दिन के समय तेज हवाएं चली। हालांकि दोपहर के समय धूप में तेजी देखी गई। दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 249 रहा।

पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर क्रमशः 249 और 146 रहा। पीएम 10 'संतोषजनक' श्रेणी में जबकि पीएम 2.5 'मध्यम' श्रेणी में रहा। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

युवक की हत्या के मामले में पति व पत्नी गिरफ्तार

नई दिल्ली। जाफरपुर कलां इलाके में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को एक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली। युवक की पहचान सोनू (26) के तौर पर की। पुलिस के जांच के बाद दौलत को पकड़ा। आरोपी ने बताया कि सोनू के उसकी पत्नी के साथ संबंध थे। वह उसकी पत्नी को अपने साथ रहने के लिए जिद कर रहा था। घटना वाली रात दौलत ने सोनू के हाथ से पिस्टल छीनने का प्रयास किया। अचानक से गोली चल गई जो सोनू को जा लगी। इसके बाद दंपति ने शव को बोरी से पैक कर रिक्शा की मदद से एक नाले में फेंक दिया।

शराब नीति के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की शराब नीति के खिलाफ प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने गुरूवार को जोरदार प्रदर्शन कर नई शराब की दुकानों को बंद करने की मांग की है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि केजरीवाल की शराब नीति से महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि राघव चड्ढा ने अपने चाचा अशोक चड्ढा को दिल्ली में सैकड़ों शराब के ठेके दिलाने का काम किया है। केजरीवाल के हर वायदों की तरह यह वायदा भी झूठा साबित हुआ है। यमुना सफाई, डीटीसी बसों में वार्डन बैठाने से लेकर हर वायदा झूठा साबित हुआ है। मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कहा था कि कोई भी ठेके खोले जाते हैं।

एम एस टी सी लिमिटेड
MSTC LIMITED
ई-नीलामी कार्यक्रम
www.mstcecommerce.com
www.mstcindia.co.in

दिल्ली के गांवों तक की जानकारी नहीं केजरीवाल को : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री आवास के बाहर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा ने केजरीवाल सरकार पर सवाल उठाए हैं। किसानों के धरने को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि किसान और केजरीवाल दोनों ही विपरीत शब्द हैं। शीला दीक्षित हो या फिर अरविंद केजरीवाल, इन्हें यह भी नहीं पता है कि दिल्ली के अंदर कौन-कौन से गांव हैं। प्रवेश ने कहा कि जो किसान यहां के मूल निवासी हैं लेकिन जब भी कोई विकास की बात हो तो इनका नम्बर सबसे आखिरी में आता है।

जलबोर्ड कर्मचारियों को पक्का करना चुनावी प्रॉपेगेंडाः कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ अनिल कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी मुखिया अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड के 700 कर्मचारियों को कांग्रेस की पॉलिसी के तहत नियमित करके इवेंट बनाकर लोगों के सामने पेश किया।

केजरीवाल ने अनुकम्पा के तहत नियमित होने वाले कर्मचारियों को 2 साल बाद नियुक्ति पत्र स्वयं देकर अनुबंधित कर्मचारियां की मोहर लगाकर चुनावी राज्यों में ढ़ोल पीट रहे है, जबकि पॉलिसी के तहत इन कर्मचारियों को 2019 में पक्का होना चाहिए था। जल बोर्ड में अभी 2000 अस्थाई कर्मचारी अभी नियमित होने बाकी है।

101 साल का हुआ अपना इंडिया गेट

● भव्य इमारत में 13,516 शहीदों के नाम अंकित हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

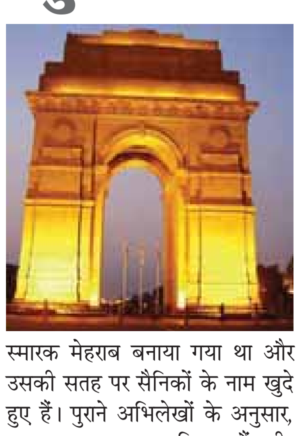

पुरानी किताबों और अभिलेखोंके अनुसार दिल्ली में जिस जगह युद्ध स्मारक के मेहराब की नींव ठीक 101 साल पहले रखी गई थी, जिसे आज इंडिया गेटके नाम से जाना जाता है, वहां एक गुंबदनुमा ढांचे वाले स्मारक में कटोरे की आकृति जैसे पात्र में लौ जगमगाती रहती है।

इस अवसर पर समारोह स्थल पर स्मारक मेहराब की एक प्रतिकृतिका भी अनावरण किया गया था। ऐतिहासिक घटना की तस्वीरें इस बात की गवाही देती हैं। प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) और तीसरेएंग्लो-अफगान युद्ध (1919) में मारे गए सैनिकों के सम्म मान में लाल बलुआ पत्थर से निर्मित 42 मीटर ऊंचा युद्ध स्मारक मेहराब बनाया गया था और उसकी सतह पर सैनिकों के नाम खुदे हुए हैं। पुराने अभिलेखों के अनुसार, वास्तुकार सर एडविन लैंडसीर लुटियंसद्वारा डिजाइन किए गए स्मारक की आधारशिला 10 फरवरी 1921 को ब्रिटिश शाही ड्यूक ऑफ कनॉट ने अपनी भारतयात्रा के दौरान रखी थी। प्रिंस आर्थर, ड्यूक ऑफ कनॉट एंड स्ट्रैथर्न, ब्रिटिशसाम्राज्य के तत्कालीन शासक किंग जॉर्ज पंचम के चाचा थे जिन्होंने 1911 में दिल्ली में एक भव्य दरबार आयोजित किया था, जहां उन्होंने शाही राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की भी घोषणा की थी। यह प्रतिष्ठित स्मारक आज दिल्ली तथा भारत का एक वास्तविक प्रतीक है।

नई शाही राजधानी नई दिल्ली के निर्माण के दौरान इसे बनाया गया था और फरवरी 1931 में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने इसका अनावरण किया था। नई शाही राजधानी के निर्माण के दौरान प्रथम विश्व युद्ध छिड़ गया और ब्रिटिश भारतीय सेना से बड़ी सं या में सैनिकों को युद्ध क्षेत्रों में भेजा गया।

इंडिया गेट आज एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण स्थल है जो भारत के उन शहीद सैनिकों के लिए स्मारक है। उन अभियानों में 80,000 से अधिक भारतीयों ने अपनी जान दी और इंडिया गेट पर 13,516 शहीदों के नाम अंकित हैं। एक सैनिक के हेलमेट के साथ उल्टी बंदूक, शाश्वत प्रज्वलित लौ वाली अमर जवान ज्योति 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की जीत के उपलक्ष्य में बनाई गई थी और इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था।

31 दिसम्बर 2021 को समाप्त तिमाही और नौमाही के लिए वित्तीय परिणामों का उद्धरण (₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	एकल					समेकित				
		समाप्त तिमाही		समाप्त नौमाही		समाप्त वर्ष	समाप्त तिमाही		समाप्त नौमाही		समाप्त वर्ष
		31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2021 (लेखापरीक्षित)	31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2021 (लेखापरीक्षित)
1	प्रचालन से कुल आय	10,636.56	10,311.35	31,393.94	29,821.62	40,527.11	10,723.61	10,359.48	31,629.96	30,007.20	40,823.53
2	अपवादिक मदों और कर पूर्व निवल लाभ (विनियामक स्थगन खाते में शेष में संचलन सहित (निवल कर))	4,211.85	4,331.02	12,374.00	11,961.44	16,103.56	4,178.22	4,446.57	12,524.53	12,320.84	16,579.35
3	कर पूर्व निवल लाभ (अपवादिक मदों के बाद) (विनियामक स्थगन खाते में शेष में संचलन सहित (निवल कर))	4,211.85	4,331.02	15,543.58	10,882.80	15,024.92	4,178.22	4,446.57	15,538.50	11,242.20	15,500.71
4	अवधि हेतु कर पश्चात् निवल लाभ	3,349.44	3,323.85	12,773.12	8,420.17	11,935.78	3,292.97	3,367.71	12,667.63	8,510.23	12,036.46
5	कर के बाद निवल लाभ और अन्य व्यापक आय को मिलाकर कुल व्यापक आय	3,335.58	3,333.07	13,071.48	8,431.86	11,961.14	3,278.81	3,376.99	12,965.70	8,521.99	12,061.95
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयर का अंकित मूल्यः ₹ 10/- प्रत्येक)	6,975.45	5,231.59	6,975.45	5,231.59	5,231.59	6,975.45	5,231.59	6,975.45	5,231.59	5,231.59
7	आरक्षित (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित को छोड़कर) तुलनपत्र में दर्शाए गए रूप में	68,699.41	62,910.61	68,699.41	62,910.61	64,347.25	68,995.34	63,256.40	68,995.34	63,256.40	64,704.48
8	प्रतिभूति प्रीमियम खाता	7,834.43	9,578.29	7,834.43	9,578.29	9,578.29	7,834.43	9,578.29	7,834.43	9,578.29	9,578.29
9	निवल मूल्य	75,674.86	68,142.20	75,674.86	68,142.20	69,578.84	75,970.79	68,487.99	75,970.79	68,487.99	69,936.07
10	प्रदत्त ऋण पूंजी	1,30,356.45	1,41,820.66	1,30,356.45	1,41,820.66	1,41,251.48	1,30,356.45	1,41,820.66	1,30,356.45	1,41,820.66	1,41,410.33
11	ऋण इक्विटी अनुपात	63:37	68:32	63:37	68:32	67:33	63:37	67:33	63:37	67:33	67:33
12	प्रति इक्विटी शेयर अर्जन विनियामक की स्थगन खाता शेष में संचलन सहित (प्रति शेयर मूल्यः ₹ 10/-): मूल और तनुकृत (₹)	4.80	4.76	18.31	12.07	17.11	4.72	4.83	18.16	12.20	17.26
13	प्रति इक्विटी शेयर अर्जन विनियामक की स्थगन खाता शेष में संचलन छोड़कर (प्रति शेयर मूल्यः ₹ 10/-): मूल और तनुकृत (₹)	4.90	4.22	18.15	10.97	16.54	4.82	4.28	18.01	11.10	16.74
14	बॉन्ड शोधन आरक्षित	5,881.58	7,599.20	5,881.58	7,599.20	7,387.97	5,881.58	7,599.20	5,881.58	7,599.20	7,387.97
15	ऋण सेवा व्याप्ति अनुपात	1.45	1.79	1.63	1.69	1.80	1.45	1.83	1.62	1.70	1.81
16	ब्याज सेवा व्याप्ति अनुपात	4.83	4.41	5.10	4.01	4.16	4.78	4.50	5.11	4.10	4.26

टिप्पणियां:
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 और 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में जमा किए गए तिमाही और नौमाही समेकित एवं एकल वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का उद्धरण है। तिमाही और नौमाही समेकित एवं एकल वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप हमारी वेबसाइट https://www.powergrid.in के निवेशक संबंध खण्ड में तथा बीएसई लिमिटेड एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट https://www.bseindia.com और https://www.nseindia.com के कॉर्पोरेट खण्ड में उपलब्ध है।
2. जहां आवश्यक है, वहां पूर्ववर्ती अवधि के आंकड़ों को पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

कृते और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ओर से
हस्ता./-
(एम. ताज मुकर्रम)
निदेशक (वित्त)

स्थानः गुरुग्राम
तिथिः 9 फरवरी, 2022

पावरग्रिड POWERGRID
एक महारत्न पीएसयू

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
केन्द्रीय कार्यालयः "सौदामिनी", प्लॉट सं.-2, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
सीआईएनः L40101DL1989GOI038121

हमें फॉलो करें:
www.powergrid.in

मेरे लिए गुरुग्राम नया नहीं : नवागत डीसी निशांत

साधारण व्यक्ति के तौर पर देखीं समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे

निशांत कुमार यादव गुरुग्राम में वर्ष 2010-11 में एमएनसी में दे चुके हैं सेवा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पत्रकारों से बात करते नवनियुक्त डीसी निशांत कुमार यादव।

2013 बैच के आईएएस अधिकारी गुरुग्राम जिले के नवनियुक्त उपायुक्त निशांत कुमार यादव गुरुग्राम में एक निजी कंपनी में भी काम कर चुके हैं। वे यहां एक एमएनसी (मल्टी नेशनल कंपनी) में कार्यरत थे। अपना पदभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए गुरुग्राम नया नहीं है। कंपनी में काम करने के दौरान साधारण व्यक्ति के तौर पर जो उनका अनुभव रहा। जो समस्याएं देखीं, अब उनमें से कुछ समस्याएं हल हो चुकी हैं और जो रहती हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे। नवनियुक्त उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि वे बेहतर जन सुविधाएं व सेवाएं देने और लोगों की समस्याओं का निवारण जल्द करने के लिए व्यवस्था बनाई जाएगी। प्रशासन तक आम जनता की पहुंच आसान हो, इस दिशा में काम किया जाएगा। इसके साथ ही गुरूग्राम जिला में सभी सरकारी कार्यालयों में पब्लिक डिलिंग को सरल व सुगम बनाने पर फोकस रहेगा। निशांत कुमार यादव ने कहा कि गुरुग्राम हरियाणा का ही नहीं, देशभर का महत्वपूर्ण शहर है। यहां पर नियुक्ति होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर किया जाएगा। कनेक्टिविटी में सुधार करना उनकी प्राथमिकता रहेगी, ताकि आम आदमी को एक जगह से दूसरी जगह जाने में कठिनाई ना हो। इसके अलावा लोगों की समस्याएं समझकर उनकी ग्रीवेंस रिड्रेसल करना और पब्लिक सर्विस डिलिवरी में सुधार करने पर बल दिया जाएगा। सरकारी कार्यालयों में आम लोगों के कामों को सरल व सुगम बनाया जाएगा। गुरुग्राम शहर के अलग-अलग हिस्सों में खेल सुविधाएं सृजित की जाएंगी। जलभराव के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में नवनियुक्त उपायुक्त ने कहा कि बरसात के दिनों में गुरुग्राम में मुख्य मार्गों पर पानी भरने से समस्या खड़ी हो जाती है। यहां पर नगर निगम, जीएमडीए, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में आदि विभिन्न एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल रहे, इस दिशा में काम किया जाएगा। पिछले वर्षों में जिन स्थानों पर जलभराव रहा है, उन जगहों पर यह समस्या इस बार ना हो, इसके लिए अभी से समय रहते काम किया जाएगा।

निजी स्कूलों में दाखिलों पर भी रहेगी नजर

कोरोना काल में बिना एनओसी के रजिस्ट्री होने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में निशांत कुमार यादव ने कहा कि शहर का विकास योजनाबद्ध तरीके से हो और कहीं भी अनाधिकृत कॉलोनियां विकसित ना हों, इसीलिए सेक्शन-7 लागू किया गया है। यह नियम लागू होने के बाद नगर एवं ग्राम योजनाकार विभाग से एनओसी लेकर ही जमीन अथवा प्लॉट की रजिस्ट्री होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस नियम को लेकर गुरुग्राम और करनाल, दो मण्डलों की रिपोर्ट सरकार को मिल चुकी है। उसमें नियम की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। उन्हें कुछ परिवार ज्ञापन देकर गए हैं कि गुरुग्राम के कुछ स्कूल उनके बच्चों को दाखिला नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि तत्कालीन उपायुक्त डा. यश गर्ग ने इसके लिए एक कमेटी बनाई थी। उस कमेटी की रिपोर्ट देखने के बाद यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी स्कूल नियम का उल्लंघन ना करें।

जेल में बंदी से मिला नशीला पदार्थ, सुरक्षा पर उठे सवाल

सोहना। भोंडसी जिला जेल उपचार के लिए लेकर जाने वाली पुलिस गार्द पर फिर लगे सवालिया निशान। पुलिस की सुरक्षा में जेल से उपचार कराने गुरुग्राम अस्पताल में गया बंदी की वापस आने पर ली गई तलाशी के दौरान नशीला पदार्थ मिला। जेल के अधिकारी की शिकायत पर भोंडसी थाना पुलिस ने दो बंदियों समेत चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू हो गई।

मंगलवार को भोंडसी जिला जेल से हत्या, लूट और पोक्सो एक्ट में शामिल बंदी मलिक मूल निवासी पश्चिम बंगाल तथा हाल निवासी सेक्टर-43 गुरुग्राम को नागरिक अस्पताल गुरुग्राम में उपचार के लिए गया। जिसके खिलाफसुशांत लोक थाना में 2017 में हत्या, लूट व पोक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। जिसे जिला जेल से पुलिस गार्द में सरकारी वाहन से ले गए थे।

पुलिस गार्द पर लगे सवालिया निशान

जिला जेल से विचाराधीन बंदी मलिक को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल गुरुग्राम सरकारी वाहन में लेकर जाने वाली पुलिस गार्द की मौजूदगी में नशीला पदार्थ मिलने सवालियां निशान लग रहे है, क्योंकि पुलिस सुरक्षा में रहने के बावजूद बंदी मलिक के पास नशीला पदार्थ कैसे पहुंचा।

नागरिक अस्पताल में ओपीडी में डॉक्टर पास लगी भीड़ की लाइन में खड़ा था। उस समय बंदी के आस पास 15 से 20 लोग मौजूद थे। पुलिस को शक है कि बंदी के पास भीड़ में खड़े नागरिकों में से किसी एक ने नशीला पदार्थ दिया है। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

राजेन्द्र कुमार
(एसएचओ, भोंडसी)

डिजिटल इंडिया के नाम पर अभी पिछड़ा ही है देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

देश के 25 हजार से अधिक गांवों में मोबाइल सेवा तक नहीं पहुंची

अकेले ओडिशा में 60 हजार गांव हैं, जहां के लोग अभी तक मोबाइल से हैं दूर

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि केवल कहने मात्र से भारत देश डिजिटल इंडिया नहीं हो जाता। इसके लिए अंतिम व्यक्ति तक सुविधा पहुंचानी पड़ती है। हमारे देश क सच्चाई यह है कि यहां 25 हजार से अधिक गांवों में अभी मोबाइल सेवा नहीं है। ऐसे में कैसे हम डिजिटल इंडिया हो सकते हैं। यह जानकारी लोकसभा में संचार मंत्रालय ने अपना डाटा प्रस्तुत करते दी है।

अशोक बुवानीवाला ने कहा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों के आंकड़ों के आधार पर संचार मंत्रालय ने सदन में जानकारी दी है कि देश के 5,97,618 गांवों में से 25,067 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी और इंटरनेट की कमी है। यूएसएफओ में शामिल लगभग 43 फीसदी यानी 11 हजार गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी के हैं। श्रीबुवानीवाला ने कहा कि यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ) योजना 2002 में शुरू की गई थी, ताकि अछूते गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके।

यूएसओएफ में शामिल करीब 43 फीसदी या 11,000 गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है। इसके अलावा देश में स्थापित सभी सरकारी वाईफाई हॉटस्पॉट में से केवल 51 प्रतिशत ही सेवा प्रदान करते हैं।

अशोक बुवानीवाला।

1,04,259 पंचायतों में से केवल 53,913 वाईफाई कर रहे काम : भारतनेट परियोजना के तहत जनवरी 2022 तक लगभग 1,04,259 ग्राम पंचायतों में वाईफाई हॉटस्पॉट स्थापित हैं, जिनमें से केवल 53,913 पंचायतों में वाईफाई हॉटस्पॉट सेवाएं प्रदान करने वाले कार्य कर रहे हैं। नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (एनओएफएन) को अक्टूबर 2011 में लॉन्च किया गया था, जिसका नाम बदलकर 2015 में भारत नेट प्रोजेक्ट कर दिया गया था, और यूएसओएफ द्वारा देश के सभी ग्राम पंचायतों में वाईफाई हॉटस्पॉट स्थापित करने के लक्ष्य के साथ वित्त पोषित किया गया है।

सबसे अधिक वंचित गांव ओडिशा में

ओडिशा में 6,099 गांव हैं, जो मोबाइल कनेक्टिविटी के बिना देश में सबसे ज्यादा हैं। अरुणाचल प्रदेश में 2,223 गांव हैं, मध्य प्रदेश में 2,612 गांव हैं और महाराष्ट्र में 2,328 गांव हैं। आंध्र प्रदेश में बिना इंटरनेट के 1,787 गांव हैं और झारखंड में ऐसे 1,144 गांव हैं। झारखंड और महाराष्ट्र में 70 प्रतिशत से अधिक गैर-कामकाजी सरकारी स्थापित हॉटस्पॉट हैं। मणिपुर में स्थापित 161 वाईफाई में से केवल सात में ही कनेक्टिविटी है।

स्वतंत्रता सेनानियों के नाम के पार्कों और चौराहों की हुई साफ-सफाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत गुरुवार को शहर में स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर शहीदों के नाम से स्थापित पार्कों व चौराहों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके तहत निगम पार्षदों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर निगम की स्वच्छता शाखा द्वारा सफाई की गई।

स्वच्छता शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेक्टर-14 स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क, रेजांगला चौक पालम विहार, कैप्टन उमंग भारद्वाज चौक कादीपुर, राव तुलाराम पार्क एवं शहीदे-आजम भगत सिंह पार्क सेक्टर-46 में सफाई की गई। इस विशेष अभियान में निगम पार्षदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी भागीदारी की। अभियान के दौरान सभी ने पार्कों एवं चौराहों की स्वच्छता रखने की जिम्मेदारी लेते हुए शपथ ली। सभी से गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतरीन शहर बनाने में योगदान देने का आह्वान किया गया। इस मौके पर निगम पार्षद अनूप सिंह, सेक्टर-46 आरडब्ल्यूए प्रधान आरके यादव, आरडब्ल्यूए प्रधान ब्रह्मप्रकाश, सफाई अधिकारी विजेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक ऋषि मलिक एवं सुधीर कुमार, सफाई निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, ब्रांड एम्बेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी एवं अतुल बजाज सहित स्वच्छता शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में सफाई करते कर्मचारी।

मां दुर्गा की पूजा कर किया गुप्त नवरात्रों का समापन

गुरुग्राम। पिछले 9 दिनों से श्रद्धालु गुप्त नवरात्र के चलते मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने में जुटे थे। गुरुवार को गुप्त नवरात्र के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर मनोकामना पूरी करने के लिए प्रार्थना भी की। नवरात्र के दौरान हवन-पूजन का दौर भी चलता रहा।

गुप्त नवरात्र में वैसे तो सभी नौ दिन महत्वपूर्ण हैं, पर धर्म शास्त्रों के अनुसार नवमी की पूजा का विशेष महत्व है। जिंदगी की आपाधापी में विधि-विधान से पूजा करने से विशेष पुण्य लाभ मिलता है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि कि माघ शुक्ल पक्ष में गुप्त नवरात्रों का बहुत महत्व है। इन गुप्त नवरात्रों का वीरवार को रोहिणी नक्षत्र और रवि योग के साथ वृषभ के चन्द्रमा में हुआ। गुप्त नवरात्रि के 9 दिनों में 10 महाविद्याओं की देवियों की पूजा-उपासना की जाती हैं।

परिवार पहचान पत्र में दर्ज आय में सुधार का मौका

सरकार ने जनता की परेशानी को देखते हुए आय में सुधार का ऑप्शन दिया

गुरुग्राम। परिवार पहचान पत्र में दर्ज कराई गई आय में अब सुधार किया जा सकेगा। इसमें सुधार की मांग प्रदेशवासी पिछले काफी समय से करते आ रहे थे। अब प्रदेश सरकार ने उनकी इस मांग को मान लिया है। परिवार पहचान पत्र में दर्ज आय में सुधार का ऑप्शन भी सरकार ने दे दिया है।

किसी कारणवश लोगों ने गलत आय की जानकारी परिवार पहचान पत्र बनाते समय दे दी थी। बाद में जब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ तो वे आय में सुधार करने के लिए कार्यालयों के चक्कर काट रहे थे, लेकिन आय में सुधार का ऑप्शन न होने के कारण दर्ज आय में सुधार नहीं हो पा रहा था। अब सरकार ने ऑप्शन दिया है कि इस प्रकार के लोग सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। परिवार पहचान पत्र की वेबसाइट पर जाकर रिपोर्ट ग्रीवेंस पर क्लिक करने के बाद आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपनी आय का विवरण देना होगा। इसके समर्थन में आवेदक संबंधित दस्तावेज भी लगा सकते हैं। यदि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी सही पाई जाती है तो आय में सुधार कर दिया जाएगा।

आवेदकों से यह आग्रह भी किया गया है कि वे सत्यापित जानकारी ही परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर अपलोड करें। गौरतलब है कि प्रदेश में एक लाख 80 हजार रुपये से अधिक आय वाले वृद्धजनों (पति-पत्नी) की आय मानकर पेंशन काटी जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंप कर्मी की अज्ञात वाहन के कुचलने से मौत

सोहना। शहर की चुंगी नंबर एक के समीप एलीवेटेड मार्ग पर अज्ञात वाहन ने पेट्रोल पंप के 46 वर्षीय कर्मचारी को कुचल दिया। पंप कर्मचारी ने हादसे में लगी चोटों के कारण मौके पर ही दमतोड़ दिया। पुलिस ने शव को घटना स्थल से उठाते हुए नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की रात करीब 10 बजे शहर के चुंगी नंबर एक के समीप बनी पेट्रोल पंप पर कर्मचारी बलबीर एलीवेटेड मार्ग पर पैदल चलकर ढाबा पर खाना लेने जा रहा था। पीछे से तेज गति में आए अज्ञात वाहन ने बलबीर को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। चालक अपने वाहन को रात का फायदा उठाते हुए भाग गया। आस-पास से दौड़कर जब तक लोग सड़क पर पड़ा बलबीर के निकट पहुंचते। उससे पहले हादसे में लगी चोटों के कारण बलबीर की मौत हो चुकी थी। मृतक मूल निवासी उत्तर प्रदेश तथा हाल निवास गुरुग्राम में रह रहा था। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में भेज दिया। पुलिस पंप कर्मचारी को कुचलने वाले वाहन की खोज में आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। मामले की जांच कर रहे एसआई रामकुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम की पालना सभी के लिए जरूरी

गुरुग्राम। ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना सभी के लिए अनिवार्य है। नियमों की अवहेलना करने वालों के नियमानुसार चालान करने का प्रावधान है। नगर निगम गुरुग्राम की सैनीटेशन स्क्वायड लगातार निगरानी कर रही है। अवहेलना करने वालों के चालान किए जा रहे हैं। निगम आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा के मुताबिक फरवरी माह में जोन-3 व जोन-4 क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अब तक ठोस कचरा प्रबंधन नियमों की अवहेलना करने वाले 120 लोगों के चालान किए गए हैं। इनमें बल्क वेस्ट जनरेटर, कचरा अलग नहीं करने, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने, कचरा फैलाने व खुले में शौच करने संबंधी अवहेलनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जोन-3 क्षेत्र में सभी सैनीटेशन स्क्वायड विशेष अभियान चला रही हैं। इसके तहत जोन में स्थित सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों के यहां दौरा करके नियमों की पालना सुनिश्चित करवाई जा रही है। अगर कोई अवहेलना पाई जाती है, तो नियमानुसार उनका चालान किया जा रहा है। जोन-3 क्षेत्र में स्थित एक्सक्लूसिव फ्लोर्स सोसायटी का चालान किया गया है, क्योंकि वहां पर नियमानुसार कंपोस्ट प्लांट स्थापित नहीं किया गया है। ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की अवहेलना करने वाले जिन 120 व्यक्तियों के चालान किए गए हैं, उनमें कचरा अलग नहीं करने के मामले में 7 व्यक्तियों, प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने के मामले में 65 व्यक्तियों, कचरा फैलाने के मामले में 38 व्यक्तियों तथा खुले में शौच करने के मामले में 9 व्यक्तियों के चालान शामिल हैं। इसके अलावा एक्सक्लूसिव फ्लोर्स सोसायटी का बल्क वेस्ट जनरेटर श्रेणी में चालान किया गया है। इन उल्लंघनकर्ताओं पर लगभग एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नप के आम चुनाव का अंतिम प्रकाशन 16 मार्च को

सोहना। नगर परिषद के होने वाल आम चुनाव की तैयारी को लेकर मतदाता सूची का प्रकाशन 10 से 17 फरवरी तक किया जा रहा है। मतदाता अपने आपत्ति आवेदन 18 से 24 फरवरी के बीच में नगर परिषद कार्यालय में जाकर जमा करा सकते हैं। 16 मार्च को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। नगर परिषद ने प्रदेश सरकार से मिलने आदेशानुसार आम चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। आम चुनाव में मतदाता सूची को एक बार फिर से 10 से 17 फरवरी के बीच में परिषद कार्यालय में प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची में किसी प्रकार की अनियमितता को दुरुस्त कराने के लिए 18 से 24 फरवरी के बीच में आवेदन जमा कर सकता है। दर्ज होने वाले आवेदनों पर 4 मार्च को सुनवाई की जाएगी। उसके बाद मतदाता नगर परिषद की सुनवाई से असंतुष्ट होने पर 8 मार्च तक डिप्टी कमिशनर को अपनी शिकायतें जमा करा सकेंगे। जिनकी सुनवाई 11 मार्च को की जाएगी। नगर परिषद के होने वाले आम चुनाव से पहले अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 16 मार्च को किया जाएगा। नगर परिषद के सभी वार्डों में मुनादी कराके मतदाता सूची का प्रकाशन किए जाने की जानकारी दी जाएगी। मतदाता सूची में होने वाले परिवर्तन को आवश्यकता अनुसार आम नागरिक करा सकते हैं।

खुल गए पहली से नौवीं कक्षा तक के स्कूल

गुरुग्राम। गुरुवार से कक्षा पहली से नौवीं तक प्रदेश के राजकीय व निजी स्कूल भी खुल गए। पहले दिन इन कक्षाओं में छात्रों की संख्या बहुत ही कम रही। 10वीं से 12वीं तक के स्कूल खोलने के आदेश शिक्षा निदेशालय ने पहले से ही दिए हुए हैं। शिक्षा निदेशालय ने कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए स्कूल खोलने के आदेश जारी किए हैं। स्कूल प्रबंधन ने भी कोरोना महामारी से बचाव के लिए जारी सभी निर्देशों का पालन करते हुए छात्रों को कक्षाओं में आने की अनुमति दी। प्राईमरी कक्षाओं में छात्रों की संख्या पहले दिन कम ही दिखाई दी। सेक्टर-4 स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमनलता शर्मा के मुताबिक कोरोना का संक्रमण कम हुआ है तो शिक्षा विभाग ने पहली से 9वीं तक की कक्षाएं भी लगाने के आदेश जारी किए हैं। उनका कहना है कि बच्चे भी कोरोना काल में घर से ही ऑनलाईन पढ़ रहे थे। अभिभावकों ने भी स्कूल खुलने से राहत की सांस ली है। उन्होंने बताया कि स्कूल में आने वाले हर एक बच्चे का तापमान भी जांच किया गया। उनके हाथों व बैगों को सेनिटाईज कराया गया और कक्षाओं में भी पूरी दूरी के साथ उन्हें बैठाया गया। प्रधानाचार्या का कहना है कि पहले दिन बच्चों की उपस्थिति कम ही रही। अब स्कूल खुल जाने से बच्चे भी अन्य बच्चों को इसकी जानकारी देंगे तो आने वाले दिनों में छात्रों की संख्या में वृद्धि हो ही जाएगी। उन्होंने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराने के लिए शिक्षकों व स्टाफ की एक कमेटी का गठन भी किया गया है जो दिशा-निर्देशों का पालन कराने में सहयोग करेगी। स्कूल खुल जाने के बारे में अभिभावकों को भी सूचित किया जा रहा है।

लड़की से लड़का बने राज वीर चाहते हैं सबकी खुशियों की हो कद्र

राज वीर ने गुवाहाटी में जीता मिस्टर ट्रांस इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्स अवार्ड

गुरुग्राम के राज वीर की दिल्ली के शाहदरा निवासी हेमलता से हुई शादी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

लड़की से लड़का बनने के बाद हेमलता के परिणय सूत्र में बंधे राज वीर।

राज वीर की लड़की होने के समय की तस्वीर।

भले ही माया लड़की के रूप में पैदा हुई, लेकिन उसका रहन-सहन, ड्रेसिंग सेंस सदा लड़कों वाला ही रहा। लड़कों के साथ ही खेलना-कूदना उसे पसंद रहा। आखिरकार माया ने जेंडर चेंज कराने का निर्णय लिया। वह जेंडर चेंज कराकर माया से राज वीर बन गई। अब राज वीर की शादी भी हो चुकी है। वह सुखमय दाम्पत्य जीवन जी रहा है।

माया से राज वीर बनने की हकीकत बताते हुए राज वीर कहते हैं कि बचपन से ही वह लड़कों जैसा जीवन जी रहा था। बड़े होते-होते उसके शारीरिक हाव-भाव लड़कों के रूप में परिपक्व होते गए। उसे स्वयं भी कभी महिलाओं जैसी फिलिंग नहीं आई। वह खुद को एक पुरुष के रूप में ही सम्पूर्ण मानते थे। इसलिए जेंडर चेंज कराकर अपना जीवन आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। राज वीर के अनुसार करीब 4 साल उसके जेंडर चेंज होने की प्रक्रिया में लगे। वर्ष 2019 में उसकी यह प्रक्रिया पूरी हुई और वह माया से राज वीर बन गए हैं।

लड़की होते हुए लड़कों जैसा लगना होता है जेंडर डिस्फोरिया : लड़की होते हुए लड़कों की तरह महसूस होना जेंडर डिस्फोरिया कहलाता है। आज के राज वीर उस समय की माया के साथ भी ऐसा ही होता था। जेंडर डिस्फोरिया जिसे होता है उसे सदा यह महसूस होता है कि उसका प्राकृतिक लिंग उसकी लैंगिक पहचान से भिन्न है। लैंगिक पहचान वह है, जैसे एक व्यक्ति अपने को पहचानता है या स्वयं को महसूस करता है।

आर्ट टीचर के रूप में कर रहे हैं नौकरी: राज वीर वैसे तो यू-ट्यूबर हैं। यू-ट्यूब पर वे अपने वीडियो अपलोड करते रहते हैं। अपनी जिंदगी के अनुभव के साथ वे प्रेरित करने वाले वीडियो यू-ट्यूब पर अपलोड करते हैं। इसके साथ पेंटिंग का भी उन्हें शौक है। उनकी बनाई पेंटिंग ऑस्ट्रेलिया में भी पसंद की गई हैं। वे गुरुग्राम के एक निजी स्कूल में आर्ट टीचर हैं। उनके पिता का वर्ष 2011 में निधन हो गया था। खुद की पढ़ाई की जिम्मेदारी के साथ उसने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई।

दिल्ली की हेमलता से हुई राज वीर की शादी : जेंडर चेंज कराने के बाद राज वीर अब पूरी तरह से पुरुष बन चुके हैं। ऐसे में जीवन को आगे बढ़ाते हुए 32 साल के राज वीर की शादी भी हो चुकी है। 11 दिसम्बर 2021 को उसकी शादी दिल्ली के शाहदरा की रहने वाली हेमलता से हुई है। दोनों खुशी-खुशी वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

पांच-भाई बहनों में सबसे बड़े राज वीर ने अपने संदेश में कहा है कि वे अपने जीवन को ऐसे दूसरे लोगों के लिए प्रेरणा बनाना चाहते हैं, जो कि समाज में उसके जैसी भावनाएं होने पर भी उन्हें दबाकर जीते हैं। समाज में उनकी भावनाओं की कद्र होनी चाहिए।

मिस्टर ट्रांस इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्स अवार्ड भी जीता

जेंडर चेंज कराकर राज वीर ने जनवरी 2022 में गुवाहाटी में हुए अवार्ड शो में भाग लिया। इस स्पर्धा में वे अपनी पत्नी हेमलता के साथ पहुंचे। अपनी प्रतिभा के बल पर इंडिया इंटरनेशनल स्टार आइकन सीजन-4 में प्रतियोगिता में राज वीर ने मिस्टर ट्रांस इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्स अवार्ड जीता। 23 जनवरी को यह अवार्ड उन्हें दिया गया। इसके साथ ही राज वीर भारत के पहले ऐसे ट्रांस मेन बनें, जिनको इस अवार्ड से नवाजा गया है। इसके अलावा मिस्टर वाइब्रेंट इंडिया इंटरनेशनल अवार्ड और पेजेंट अवार्ड भी राज वीर को मिल चुका है। राज वीर का प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और अगला स्टारडम बनने का सपना है।

राज वीर के बारे में पता चलने पर हैरान हुई थी हेमलता

राज वीर की पत्नी हेमलता कहती हैं कि वह और राज वीर स्कूल में साथ में जॉब करते हैं। राज वीर के अतीत और वर्तमान के बारे में उन्हें पता चला तो वे हैरान हुई थी कि ऐसा भी हो सकता है। कुछ समय बाद उन्होंने शादी करने का निर्णय लिया। परिवार से बात की। परिवार के सदस्य भी हैरान हुए, लेकिन राज वीर के साथ उसकी शादी करने को तैयार हो गए। अब वे दोनों अपने वैवाहिक जीवन से खुश हैं।

ग्राहकों के बीच बाय नाओए, पे लेटर के लिए दिल्ली शीर्ष बाजारों में से एक खास के रूप में उभरी जेस्टमनी: रिपोर्ट

जेस्टमनी ने 2021 में बीएनपीएल लेनदेन में 30ः की वृद्धि देखी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते बाय नाओए पे लेटर; अभी खरीदें बाद में भुगतान करें प्लेटफॉर्म जेस्टमनी ने अपनी वार्षिक बाय नाउए पे लेटर रिपोर्ट को जारी किया है। यह रिपोर्ट शीर्ष उपभोक्ता प्राथमिकताओं, मांग को बढ़ाने वाली श्रेणियों, व्यापारियों द्वारा बीएनपीएल को अपनाने और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव के जिम्मेदार कारकों पर प्रकाश डालती है।

उपभोक्ता प्राथमिकताओं के बारे में बताने और भारतीय राज्यों ने बीएनपीएल को बड़े पैमाने पर कैसे लिया, को बताने के अलावा इंडिया बाय नाउए पे लेटर रिपोर्ट 2021 भारतीय बीएनपीएल पारिस्थितिकी तंत्रए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और भारत में उद्योग के लिए आगे बढ़ने की समग्र दृष्टि प्रदान करता है। यह रिपोर्ट ग्राहकों के व्यवहार के बारे में दिलचस्प अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए 2021 में देश भर के विविध रुझानों पर प्रकाश डालती है। जबकि अधिकांश ग्राहक; औसत 23.26 वर्ष के समूह में थे, लेकिन बीएनपीएल सभी वर्ग के लोगों के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरने में सफल रहाए जिसमें सबसे युवा ग्राहक की उम्र 18 साल और सबसे पुराना 66 वर्ष के ग्राहक रहें। मिलेनियल और जेनरेशन जेड ग्राहक आधार की संख्या में क्रमशः दोगुना और तीन गुना की वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि बीएनपीएल सेगमेंट को वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप भारत में युवा साथियों द्वारा संचालित किया गया है।

2020 की तुलना में 2021 में जेस्टमनी पर कुल बीएनपीएल लेनदेन में लगभग 300 फीसद की वृद्धि हुई। पंजाब में 2020 की तुलना में 2021 में जेस्टमनी पर बीएनपीएल लेनदेन में 5 गुना की वृद्धि हुई। वैश्विक स्तर पर बीएनपीएल के लिए फैशन और लाइफस्टाइल सबसे मजबूत क्षेत्र रहा और यह भारत में भी शीर्ष श्रेणी की सूची में जगह बनाने में सफल रहा है।

रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए जेस्टमनी की सीईओ और सहसंस्थापक लिजी चैपमैन ने कहा, 2021 एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था। महामारी की अस्थिरता के साथ उपभोक्ता पर इसके प्रभाव के साथ-साथ पिछली दो तिमाहियों में चुनौतीपुर्ण स्थिति के ठीक होने और फिर मांग में तेजी से इजाफा हुआ। ग्राहकों ने बाद में भुगतान करना जारी रखा क्योंकि यह विकल्प उन्हें अपनी लागतों का प्रबंधन करने और अपने वित्त की बेहतर योजना बनाने के लिए सही लचीलापन देता है। हमने पिछले 12 महीनों में अपने यूजर आधार को दोगुना कर दिया हैए जिससे हमारे कुल पंजीकृत यूजर्स का आधार बढ़कर 15 मिलियन हो गया है। यह लगभग दोगुने की वृद्धि को दर्शाता है।

निगम का फार्मूला: अपना रोड सूखा, भाड़ में जाए जनता

कविता। फरीदाबाद

शहर में जहां जरा सी बरसात आते ही पानी भरने की समस्या खड़ी होती है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के अधिकारी अपने दफ्तरों के निकट भरने वाले पानी को टैंकरों से साफ करवा देते हैं। लेकिन जनता इस पानी से निकलने को मजबूर हो रही है। ऐसा ही शहर में बृहस्पतिवार को देखने को मिला। जहां नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर के दफ्तर के बाहर भरे मामूली पानी को टैंकर लगाकर सूखा दिया गया। वहीं शहर में जगह-जगह भरे पानी को ऐसे ही छोड़ा हुआ है। पायनियर की तरफ से ली गई दो तस्वीरें नगर निगम के इस नए फार्मूलें 'अपना रोड सूखा, भाड़ में जाए जनता' को साफ बयां कर रही है।

नगर निगम अधिकारी अपने भला तो सोच रहे हैं, लेकिन आम जनता नगर निगम के इस सौतेले रवैये के कारण परेशान हो चुकी है। शहर में आठ से नौ फरवरी को बरसात हुई। जिसमें हर गली में पानी भरा गया। लोगों का पैदल चलना भी दुर्भर हो गया है। पानी भरने के कारण लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो रहे हैं, लेकिन

निगम के एडीशनल कमिश्नर के दफ्तर के बाहर टैंकर से पानी निकालते कर्मचारी।

सेक्टर-24 एसीपी मुजेसर के दफ्तर वाली सड़क का ऐसा है हाल।

नगर निगम अधिकारी टैंकर लगवा कर अपने दफ्तरों के बाहर जमा पानी को टैंकरों से साफ करवा रहे हैं। पायनियर द्वारा ली गई इन दोनों तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि निगम कैसे जनता के संग सौतेला व्यवहार कर रहा है।

पहली तस्वीर: निगम के एडीशनल कमिश्नर के दफ्तर के भीतर ईटों का फर्श और सड़क के बाहर पानी भरा हुआ था। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पानी को टैंकर लगाकर सुखा दिया गया। एडीशनल कमिश्नर जब तक डेढ़ बजे मीटिंग के लिए निकले तब तक उस पानी का नामोंनिशान वहां से गायब कर दिया गया। पानी को इस कद्र साफ किया गया कि एक फीट के गड्ढे से भी पानी को टैंकर से निकला दिया गया।

दूसरी तस्वीर: मुजेसर थाने के एसीपी दफ्तर वाली रोड जोकि पहले से काफी खराब है, इस रोड इतनी खराब है, कि यहां आम दिनों में भी निकलना दुर्भर रहता है। एसीपी का दफ्तर होने के बावजूद भी यहां एक आम नागरिक अपनी परेशानी लेकर उनके पास पैदल नहीं पहुंच सकता। इस सड़क पर पानी इतना भरा हुआ है और सड़क गड्ढों से भरी हुई है कि यहां वाहन तो दूर पैदल चलना भी खतरनाक है।

अवैध पानी और सीवर कनेक्शन काटने के दिए आदेश

निगमायुक्त ने अधिकारियों की बैठक में दिये कई सख्त आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मेट्रो मोड़ से बीके चौक तक भरा बरसात का पानी फाइल फोटो।

नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव एक बार फिर एक्शन मोड में आ गए हैं। बृहस्पतिवार को उन्होंने अपने कार्यालय में विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने शहर में चल रहे सभी पानी और सीवर के कनेक्शनों को तुरंत प्रभाव से काटने के आदेश जारी किये है। सभी जल भराव की समस्या का समाधान करने के आदेश भी दिये।

नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव ने फरीदाबाद ने हाल ही में निगम के संबंधित अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्हें निर्देश दिए कि निगम की मुख्य जल/सीवर लाइनों से जुड़े सभी अवैध पानी और सीवर कनेक्शन काट दिए जाएं ताकि आने वाले गर्मी के मौसम में निगम क्षेत्र के निवासियों को पीने के पानी की आपूर्ति में सुधार किया जा सके। निगमायुक्त ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि इस निगम के क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध पानी और सीवर कनेक्शन निगम की मुख्य जल/सीवर लाइनों से जुड़े हुए हैं जो न केवल इन सेवाओं को बाधित कर रहे हैं बल्कि इससे निगम को भारी आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

निगमायुक्त ने आगे कहा कि ये सभी अवैध गतिविधियां न केवल हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 205 का उल्लंघन हैं, बल्कि भारतीय दंड संहिता 1860 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सरकारी संपत्तियों के साथ छेड़छाड़ और पानी की चोरी के कृत्यों के लिए भी दण्डनीय है। निगमायुक्त ने कहा कि फिर भी एक उदार दृष्टिकोण रखते हुए, नगर निगम, फरीदाबाद द्वारा एक योजना तैयार की गई है, जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र का कोई भी निवासी जिसने अवैध पानी और सीवर कनेक्शन लिया हुआ है, वे निगम के पंजीकृत प्लंबर के माध्यम से अपने गैर कानूनी कनेक्शन को नियमित करने के लिए आवेदन, इस निगम द्वारा निर्धारित आवश्यक शुल्क के भुगतान पर 31 मार्च से पहले पहले कर सकता है। निगमायुक्त ने कहा कि यदि 31 मार्च के बाद, कोई भी पानी/सीवर कनेक्शन अवैध तरीके से पाया गया तो इस उल्लंघना के खिलाफ नगर निगम अधिनियम 1994 तथा भारतीय दण्ड सहिता 1860 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दोषी के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

निगमायुक्त ने आगे कहा कि संबंधित आवेदक को इस उद्देश्य के लिए इस निगम के कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं है, वे इस उद्देश्य के लिए ऑनलाइन https://online.ulb-haryana.gov.in/eforms/onlinewatersewerpayment.asp& पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

नगर निगम आयुक्त ने सभी संबंधितों से अपील की है कि कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए सभी अपने अवैध पानी/सीवर कनेक्शन को निर्धारित तिथि से पहले नियमित करवा लें।

मनाया जा रहा जन्मजात हृदय दोष जागरुकता सप्ताह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डॉ. लोकेश महाजन।

जन्मजात हृदय रोग एक ऐसा रोग है जिसमें मां के गर्भ के अन्दर बच्चे के शरीर की बनावट बनने के दौरान दिल की बनावट में परिवर्तन आ जाता है। यह बात क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. लोकेश महाजन ने कही। उन्होंने कहा कि दरअसल दिल के अन्दर छोटे-छोटे 4 चैम्बर होते हैं तो उनके बीच में दीवार पूरी तरह बन नहीं पाती हैं तो छोटे-छोटे छेद रह जाते हैं या फिर शुद्ध एवं अशुद्ध रक्त को लाने-ले जाने वाली हृदय की मुख्य रक्त धमनियां की बनावट में नुक्स (दोष) आ जाती है तो उनमें भी संचार की समस्या आ जाती है। नसें उल्टी बन जाती हैं।

जन्मजात हृदय रोग के कारण: यह आनुवंशिक रोग (जेनेटिक डिसऑर्डर) होता है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान एवं शराब का इस्तेमाल, मिर्गी रोग, डिप्रेशन व कील-मुहासों की दवाओं का सेवन करने और गर्भावस्था के पहले तीन महीने तक रूबेला का शिकार हो जाने वाली महिलाओं के गर्भ में पल रहे बच्चे में जन्मजात हृदय रोग का जोखिम ज्यादा बढ़ सकता है।

लक्षण: दिल से जुड़ी किसी बीमारी से पीड़ित बच्चा द्वारा बड़ी तेजी से सांस लेना और छोड़न। नवजात शिशु की त्वचा, नाखून और होठों पर नीले रंग के निशान होना। स्तनपान के दौरान बच्चे का थक जाना। अगर बच्चा थोड़ा बड़ा है तो हमेशा सीने में दर्द की शिकायत करेगा, और थोड़ा सा भी खेलने और सीढ़ियां चढ़ने पर उसकी सांस फूलना शुरू हो जाएंगी। दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों का वजन भी जरूरत से ज्यादा कम रहता है और उनके शारीरिक विकास भी रूकावट आ जाती है।

सलाह: इस रोग का पता करने के लिए 18 हफ्ते होने पर गर्भवती महिलाएं सबसे पहले लेवल-2 अल्ट्रासाउंड कराएं ताकि जन्म से पहले ही अगर कोई बीमारी है तो उसका पता चल सके। समय पर स्त्री रोग विशेषज्ञ से भी जांच कराएं।

संक्षिप्त समाचार

69 दिनों बाद फिर से विद्यालयों में लौटी रौनक

कोरोना काल के बाद एनएच पांच के सरकारी स्कूल में पढती छात्राएं।

फरीदाबाद। जिले के स्कूलों में 40 दिनों के बाद बृहस्पतिवार को रौनक लौटी। जिले में पहली से 9वीं कक्षाओं में 102595 विद्यार्थियों मे 50123 लड़के और 52472 लड़कियों को स्कूल पहुंचना था, लेकिन स्कूलों में कम संख्या में बच्चे नजर आए। स्कूलों में पहुंचे बच्चों ने बताया कि उनके सहपाठियों ने कहा है, कि वह सोमवार तक स्कूलों में पहुंचेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि वीरवार को पहली से 9वीं कक्षाओं के छात्रों के लिए स्कूलों के खुलने से 69 दिनों के लंबे समय बाद स्कूलों में विद्यार्थियों की चहल पहल की रौनक देखने को मिली। छात्र छात्राएं स्कूलों में पहुंचे, लेकिन संख्या कुछ कम थी। उनका कहना है सोमवार से स्कूलों में विद्यार्थी अधिक संख्या में आने की संभावनाएं है, क्योंकि शुक्रवार और शनिवार के बाद रविवार का अवकाश होने के कारण कुछ विद्यार्थी नही आए है। उन्होंने जिला के सभी स्कूलों के शिक्षकों को निर्देश दिए हैं, कि वे अपनी वैक्सीन लगवाने की रिपोर्ट अवसर एप पर भरें। जिन विद्यार्थियों और शिक्षकों को अभी वैक्सीन नहीं लगी है उनके लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने सीएचसी/ स्कूल स्तर पर वेक्सीनेशन की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि जिले में पहली कक्षा के 5946 लड़के और 5832 लड़कियां, दूसरी कक्षा के 5902 लड़के और 6099 लड़कियां, तीसरी कक्षा के 6134 लड़के और 6248 लड़कियां, चौथी कक्षा के 6125 लड़के और 6274 लड़कियां, पांचवीं कक्षा के 6039 लड़के और 6367 लड़कियां शामिल है। छटी कक्षा के 5187 लड़के और 5636 लड़कियां, सातवीं कक्षा के 4858 लड़के और 5236 लड़कियां, आठवीं कक्षा के 4945 लड़के और 5319 लड़कियां और नौवीं कक्षा के 4987 लड़के और 5461 लड़कियों की संख्या है।

रविंद्र फागना ने 8 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। क्रगबुजज क्रिकेट टूर्नामेंट का मैच पीके स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी और रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। यह मुकाबला नई दिल्ली दा डोमे क्रिकेट मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया की यह मैच 40-40 ओवर का था और यह मैच रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने पीके स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हराया। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पीके स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी टीम की और बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 39.3 ओवर में 10 विकेट पर 171 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए पार्थ ने 32 रन, आदित्य त्यागी ने 30 रन, आदित्य ने 28 रन, अग्रिम ने 18 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी टीम की और से गेंदबाजी करते हुए करण डेढा ने 3 विकेट, संदीप और सार्थक ने 2-2 विकेट, हितेश और हर्ष फागना व हरीश भड़ाना ने 1-1 विकेट ली। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने 21.1 ओवर में 2 विकेट पर 175 रन बनाकर जीत हासिल की। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए हितेश सौरोत ने 71 रन, करण डेढा ने 41 रन, विनय यादव ने 27 रन, मोहित ने 25 रन बनाए। पीके स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी टीम की और से गेंदबाजी करते हुए भावेश ने 2 विकेट ली। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार करण डेढा को दिया गया।

डालसा ने नीमका जेल में लगाया जागरुकता शिविर

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन वाईएस राठौर के दिशा दिशा निर्देश अनुसार आगामी 18 फरवरी को नीमका जेल में जागरुकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम कम् जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मंगलेश शिवा चौबे मंगलेश कुमार चौबे के मार्गदर्शन में यह जागरूकता कैंप आयोजित किया जाएगा। इस जागरूकता कैंप में जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, केनरा बैंक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जेल विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रोजगार विभाग, एडीसी कार्यालय, समाज कल्याण, जिला बाल सुरक्षा इकाई, जिला रेडक्रास, हेफड, आयुष विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सहित 18 विभाग अलग-अलग स्टालें लगा कर उन विभागों द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं बारे साहित कानूनी पहलुओं बारे लोगों को जागरूक करेंगे। सीजीएम मंगलेश कुमार चौबे ने बताया कि यह में कानूनी जागरूकता कैंप आमजन को जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंगलेश कुमार चौबे ने बताया कि सरकार द्वारा देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी नई दिल्ली के आदेश अनुसार पूरे भारतवर्ष में 2 अक्टूबर 2021 से मनाया जा रहा है। मंगलेश कुमार चौबे ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद का मकसद सभी लोगों को कानूनी तौर पर जागरूक कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का है। उन्होंने कहा कि यह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह जागरूकता कैंप आमजन को विभिन्न सरकारी विभागों से मिलने वाली जन कल्याणकारी योजनाओं के सही क्रियान्वयन बारे कानूनी पहलुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी देने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

फरार परमवीर को अदालत ने दिया हाजिर होने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोतवाली थाने में दर्ज तीन मुकदमों में फरार चल रहे आरोपी परमवीर सिंह पुत्र नफे सिंह निवासी गांव खेदड़ थाना बरवाला जिला हिसार (हरियाणा) को जेएमआईसी फरीदाबाद अनुराधा ने आगामी 23 फरवरी को अदालत में पेश होने के निर्देश जारी किए हैं।

आरोपी परमवीर सिंह पर कोतवाली थाने में मुकदमा नम्बर दर्ज हैं। इसमें 319 नंबर मुकदमे में परमवीर पर फ्रेंचाईजी खोलने के नाम पर 75 लाख और 90 लाख लेकर फरार होने का आरोप है। आरोपी ने पीड़ित को बैक के चेक तो दे दिए, लेकिन बैंक में मौजूद यह एकाउंट खाली निकला। जिस पर कैथल निवासी खुश नसीव की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वहीं 320 नम्बर के मुकदमे में राहुल भाटिया पुत्र चंदर भाटिया ने बताया कि उसे उकसा कर परमवीर और मुनीष अरोड़ा ने फ्रेनचाईजी लेने के नाम पर 50 लाख रुपये ले लिए। मुझे इन्वेंस्ट के बाद 3.5 लाख रुपये महीना देना था, लेकिन उन्होंने नही दिए।

आरोपियों से पैसे लेने के बाद काम शुरू नहीं किया और पैसे वापस नहीं लौटाए। जिस पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया और अदालत में 138 नैगोशियेनल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया। आरोपियों के द्वारा दिए गए चैक बाउंस हो गए और वह कोर्ट में भी पेश नहीं हुए। 324 नम्बर मुकदमे में शिकायतकर्ता फकीरचंद शर्मा से भी आरोपियों ने 10 लाख रुपये लिए और उन्हें भी उनकी दुकान में स्टोर की फ्रेंचाईजी देने का झांसा दिया।

गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

ससुर की हत्या करवाने वाली पुत्र वधू को पहले ही किया जा चुका है गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

20 दिन पहले बल्लभगढ़ न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में गोली मारकर भरत सिंह नामक युवक की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में शामिल आरोपित पुत्रवधू सहित तीनों आरोपियों को गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने इस मामले में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। डीसीपी क्राइम नरेन्द्र कादियान के निर्देश पर एसीपी क्राइम सुरेन्द्र स्योंराण के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए डीएलएफ क्राइम ब्रांच प्रभारी अनिल कुमार ने एक टीम गठित की गई जिसमें अनुसंधान अधिकारी एएसआई विजय टीम ने कार्रवाई करते हुए कि इस मामले में शामिल आरोपित महिला गीता को क्राइम ब्रांच डीएलएफ द्वारा पहले ही 23 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके पश्चात आगामी कार्रवाई करते हुए अनुसंधान अधिकारी एएसआई विजय ने इस मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों पंजाब निवासी दलीप उर्फ सैंडी उर्फ काली को 4 फरवरी को गिरफ्तार करके पुलिस रिमांड पर लिया। जिसमें पुलिस रिमांड के दौरान उसने मामले में शामिल तीसरे आरोपी बिहार निवासी अमित उर्फ चंचल उर्फ भंगारी के बारे में क्राइम ब्रांच को सूचना दी। जिसके आधार पर 8 फरवरी को उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के

हत्या के आरोपी दलीप और अमित।

खिलाफ थाना सिटी बल्लभगढ़ में हत्या की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपित महिला गीता ने अपने प्रेमी दलीप और उसके साथी अमित के साथ मिलकर अपने ससुर भरत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के पीछे का कारण प्रॉपर्टी विवाद था। मृतक भरत सिंह आरोपित महिला गीता के पति विनोद का सौतेला बाप था। भरत सिंह का बेटा सूरज पिछले साल ट्रेन दुर्घटना में जान कहां बैठा था उसके पश्चात उनकी पुत्रवधू सूरज की पत्नी अपने मायके चली गई इधर विनोद की पत्नी गीता ससुर पर सारी प्रॉपर्टी अपने नाम करने के लिए दबाव डाल रही थी।

सारी जायदाद महिला के ससुर भरत सिंह के नाम है। गीता अपने ससुर भरत सिंह पर प्रॉपर्टी अपने नाम करवाने पर दबाव बना रही थी, परंतु मृतक भरत सिहं द्वारा बार-बार इंकार करने पर पुत्रवधू ने अपने ससुर हो जान से मारने की योजना बनाई। योजना के तहत वारदात की रात गीता ने दलीप को अपने घर बुलाया। दिलीप अपने साथी अमित के साथ गीता के घर पहुंचा। आरोपी दिलीप घर के अंदर चला गया वहीं आरोपी अमित घर के बाहर खड़ा होकर निगरानी करने लगा। गीता ने अपने प्रेमी दिलीप के साथ मिलकर गोली मारकर अपने ससुर की हत्या कर दी थी। वे प्रॉपर्टी के कागजात फरार हो गए थे।

गड्ढों से होने वाले हादसे रोकने के लिए सौंपा ज्ञापन

बाटा चौक पर विरोध प्रकट करते स्व पवित्र के पिता और अन्य।

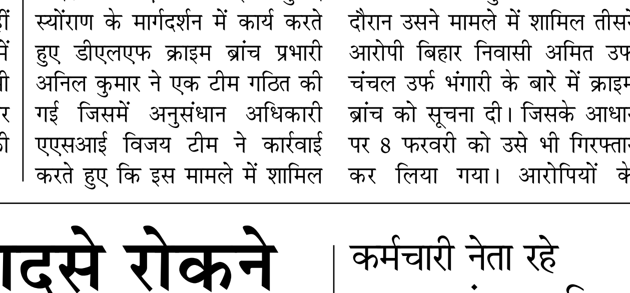
एडीशनल कमिश्नर को ज्ञापन देते स्व पवित्र के पिता और समाज सेवी।

सड़कों पर जगह-जगह हैं जानलेवा गड्ढे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम, एनएचएआई और अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर आठ साल पहले दस फरवरी को तीन वर्षीय पवित्र की मौत एक गड्ढे में गिरने के कारण हो गई थी। तब से लेकर हर वर्ष उसके पिता शहर के लोगों के संग मिलकर नेशनल हाईवे पर मौजूद गड्ढ़ों को भरने का काम करते है। लेकिन हर साल सड़कों पर उन्हें गड्ढे ही मिलते है।

जिसे देखते हुए उन्होंने बृहस्पतिवार को निगमायुक्त को एक पत्र सौंपा है। लेकिन निगमायुक्त के न होने पर उन्होंने निगम के एडीशनल कमिश्नर को यह पत्र दिया है। शहर की सड़कों पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढ़ों को भरने की मांग की है। इससे पहले उन्होंने घटनास्थल पर जागरूकता के साथ सड़क के गडढे भरे। इस मौके पर उनके साथ समाजसेवी सतेन्द्र दुग्गल, रोड सेफ्टी से एसके शर्मा के अलावा रेनू व अन्य लोग मौजूद रहे।

निगम के एडीशनल कमिश्नर को पत्र सौंपते हुए सेक्टर-16 निवासी मनोज वाधवा ने बताया कि वह अपनी पत्नी टीना और तीन साल के बेटे पवित्र के साथ 10 फरवरी 2014 की रात को बल्लभगढ़ से घर लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाटा मोड़ पर बने गड्डों की वजह से उनके स्कूटर का संतुलन बिगड़ गया और तीनों वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग की रोड पर बने गड्डों में गिर गए। मनोज ने पवित्र को उठाया तो वह कुछ बोल नहीं रहा था। पीछे आ रहा वाहन टीना के दोनों पैरों को रौंदता हुआ चला गया। पवित्र के चेहरे पर खून था, पवित्र को इस अवस्था में देख कर मनोज के होश उड़ गए। पीछे से आते राहगीरों ने विश्वास दिलाया कि वे पवित्र को जल्द हॉस्पिटल पहुंचा देंगे। मनोज ने कुछ राहगीरों की मदद से पवित्र और टीना को भी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां पवित्र को मृत घोषित कर दिया गया। पवित्र की मौत सड़क के नुकीले पत्थर से हुई थी। 23 जटिल ऑपरेशन के बाद टीना की जान बचाई जा सकी। पुलिस का ढुलमुल रवैया देख मनोज अदालत की शरण में चले गए। मनोज चाहते हैं, जो उनके साथ हुआ है, वह किसी और के साथ न हो। जिसे देखते हुए उन्होंने निगमायुक्त के नाम यह पत्र लिखा है, ताकि सड़कों की रिपेयरिंग समय-समय पर होती रहे।

कर्मचारी नेता रहे लक्ष्मण टांक का निधन

फरीदाबाद। नगर निगम कर्मचारियों के तीन दशक से अधिक समय तक नेता रहे लक्ष्मण टांक का कल देर सायं हृदय गति रूकने से निधन हो गया, वे 68 वर्ष के थे। उनके परिवार में एक पुत्री और दो पुत्र हैं। 18 अक्टूबर 1954 को हथीन में जन्मे श्रीटांक तत्कालीन फरीदाबाद कम्पलैक्स प्रशासन में 1 फरवरी 1975 को सफाई कर्मचारी के पद पर भर्ती हुए थे, इसके बाद 29 अप्रैल 1988 को सफाई दरोगा बने और फिर इन्हें पदोन्नति देकर 20 जनवरी, 2006 को सहायक सफाई निरीक्षक बना दिया गया।

स्थानीय संजय गांधी मेमोरियल नगर स्थित शमशान घाट पर निगम के हजारों कर्मचारियों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों के इलावा अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रांतीय प्रधान सुभाष लाम्बा, नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के प्रांतीय प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर, नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरचरण खांडिया, नगर निगम माली यूनियन के प्रधान शाहाबीर खान, नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के पूर्व महासचिव रतन लाल रोहिल्ला, पूर्व वरिष्ठ उपप्रधान चौधरी जिले सिंह, उपप्रधान यू.एम.खान, संघ के पूर्व नेता रामकिशन गुप्ता श्रद्धांजलि दी।

स्नैक्स के दीवानों के लिए बीआरबी लाये पॉपकॉर्न चिप्स

चिप्स के कुरकुरेपन के साथ मिलेगा पॉपकॉर्न का मजा

कंपनी की मार्केटिंग प्रोडक्शन एवं डिस्ट्रीब्यूशन में दो मिलियन यूएस डॉलर निवेश की योजना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के अग्रणी स्नैकिंग ब्रांड बीआरबी चिप्स ने नया बीआरबी पॉपकॉर्न चिप्स लॉन्च किया। इसमें चिप्स के कुरकुरेपन के साथ पॉपकॉर्न के फायदे मिलेंगे। भारत में अपनी तरह के इस पहले प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के साथ कंपनी का उद्देश्य पॉपकॉर्न के दीवानों को एक नया अनुभव देना है। पॉपकॉर्न को लोग सैकड़ों साल से खा रहे हैं, लेकिन इन्हें खाते समय दांतों में छोटे-छोटे छिलके फंसने की समस्या का समाधान कोई नहीं खोज पाया।

बीआरबी ने इसका समाधान दिया है। बीआरबी पॉपकॉर्न चिप्स को चार फ्लेवर गोल्डन बटर, साल्टेड कैरेमल, सालसा और चीज एंड ऑलिव में लॉन्च किया गया है। इन्हें कंपनी की वेबसाइट बीआरबीचिप्स डॉटकॉम और अमेजन से खरीदा जा सकता है। साथ ही देश में तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन रिटेल प्लेटफॉर्म द न्यू शॉप से भी इन्हें खरीदा जा सकता है। इस मौके पर बीआरबी चिप्स के सह-संस्थापक एवं सीईओ अनुज कृष्णन ने कहा, 'अपनी शुरुआत के मात्र दो साल में ही हमें अपने ग्राहकों का भरपूर प्यार मिला है। अब हमने अपने हर उम्र के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए यह खास सेहतमंद स्नैक लॉन्च किया है। यह हमारे सभी ग्राहकों को पसंद आएगा।'

स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच लोगों में सेहतमंद स्नैक्स की चाहत बढ़ी है। ऐसे में पॉपकॉर्न जैसे स्नैक्स की मांग भी बढ़ी है। बीआरबी पॉपकॉर्न चिप्स भी ऐसा ही सेहतमंद विकल्प हैं। इन्हें नवीनतम यूरोपीय पॉपिंग टेक्नोलॉजी से तैयार किया जाता है। इन्हें फ्राई या बेक नहीं किया जाता है। सामान्य फ्राई किए हुए चिप्स की तुलना में पॉपकॉर्न चिप्स ग्लूटेन फ्री और कोलेस्ट्रॉल व ट्रांस फैट फ्री हैं। साथ ही इनमें कोई प्रिजर्वेटिव व आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं मिलाया जाता है। ये पॉपकॉर्न चिप्स मुंह में पूरी तरह घुलकर अनूठा स्वाद देते हैं। अनुज कृष्णन ने आगे कहा, '2021 में हमने बीआरबी के पॉप्ड पोटैटो चिप्स के पांच लाख से ज्यादा पैक बेचे। हमने 30 टन से ज्यादा चिप्स बनाए। इसे इस तरह भी कह सकते हैं कि हमने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट के दम पर ग्राहकों को 6 टन अस्वास्थ्यकर तेल खाने से बचाया। पॉपकॉर्न चिप्स हमारे सफर को और आगे बढ़ाएगा।'

कंपनी अगले एक साल में मार्केटिंग, प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क तैयार करने के लिए करीब 2 मिलियन यूएस डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी का पिछला प्रोडक्ट बीआरबी पॉप्ड पोटैटो चिप्स भी खासा लोकप्रिय रहा है। नई इनोवेटिव पॉपिंग टेक्नोलॉजी की मदद से बीआरबी चिप्स में पारंपरिक फ्राई किए हुए चिप्स की तुलना में 60 प्रतिशत कम फैट होता है और इनकी एक सर्विंग में मात्र 110 कैलोरी होती है।

नोट लिखकर निकली तीन बहनों को पुलिस ने तलाशा

फरीदाबाद। माता पिता अपने बच्चों की हर छोटी बड़ी खुशी का ध्यान रखते हैं परंतु कई बार जाने अनजाने में मां-बाप की छोटी मोटी डांट से नाराज होकर बच्चे अपना घर छोड़कर अपने माता-पिता से दूर चले जाते हैं। फरीदाबाद में एक ऐसा ही वाकया हुआ जिसमें तीन बहने परिजनों से नाराज होकर घर से चली गई और एक सुसाइड नोट लिखकर छोड़ गई जिसे पढ़कर उनके माता-पिता के होश उड़ गए। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों द्वारा छोड़े गए नोट में लिखा था कि पापा हमारी वजह से आपको बहुत टेंशन होती है और देखो आज हम आपकी टेंशन दूर करके जा रहे हैं। हम यह दुनिया छोड़कर जा रहे हैं। आप यह मत समझना कि हम आपकी डांट की वजह से घर छोड़कर जा रहे हैं बल्कि इसलिए जा रहे है कि आपकी टेंशन दूर हो जाए। पुलिस थाना सेक्टर 58 में दी अपनी शिकायत में लड़कियों के पिता ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ फैक्ट्री में नौकरी करता है। उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है। उनकी बेटियों की उम्र क्रमश: 15, 14 तथा 10 वर्ष है। कुछ दिन पहले उन्होंने किसी बात को लेकर अपनी बेटियों को डांट दिया था। इसी बात को लड़कियां दिल से लगा गई और तीनो बहने घर छोड़ कर चली गई।

हिजाब विवाद

जटिल मामला

कर्नाटक में हिजाब विवाद एक जटिल मामला है क्योंकि इसमें अनेक विरोधी अधिकार शामिल हैं। कर्नाटक हिजाब विवाद मामले के विधिक समाधान में समय लगेगा। कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सुनवाई के बाद इसे बड़ी पीठ को सौंप दिया है क्योंकि इसमें अनेक संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को मामला लंबित रहने के दौरान कोई अंतरिम राहत भी नहीं प्रदान की है। इस मामले में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहन कर कक्षा में न आने को कहा गया था। यह मामला काफी जटिल है। इसी कारण पूरे घटनाक्रम को ठीक से देखना जरूरी है। मूलत: इसका संबंध अपनी पसंद का धर्म चुनने तथा उसके व्यवहार करने की वैधानिकता है। अनेक फैसलों में इनको उचित ठहराया गया है। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं का निजता अधिकार है जो कक्षा में उनके हिजाब पहनने के निर्णय की रक्षा करता है। केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि हिजाब इस्लाम धर्म के आवश्यक व्यवहार का अंग है। इसके साथ ही यह सवाल भी उठता है कि क्या राज्य आवश्यक धार्मिक व्यवहारों के मामले में हस्तक्षेप कर सकता है। यहां चार तर्क हैं। पहला, क्या स्कूल या कालेज प्रबंधन को धार्मिक व्यवहार के अनुरूप कोई अतिरिक्त आवश्यक कपड़ा या अन्य वस्तु की अनुमति दिए सभी छात्रों के लिए एक यूनीफार्म निर्धारित करने का अधिकार है। दूसरा, चूंकि उच्च न्यायालय पहले के एक फैसले में कह चुका है कि हिजाब इस्लाम के धार्मिक व्यवहार का आवश्यक अंग है, ऐसे

में क्या इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसका संबंध खासकर यूनीफार्म या बिना यूनीफार्म के अन्य धर्मों में कपड़ों के ऊपर पहनी जाने वाली अन्य वस्तुओं के प्रयोग से भी है। इसका एक उदाहरण सिख पटका है।

तीसरे, कर्नाटक सरकार ने कहा था कि कालेज अधिकारियों द्वारा हिजाब पर प्रतिबंध के आदेश को उसका समर्थन है और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। ऐसे में यह निर्णय करना होगा कि हिजाब पहनने से सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा कैसे पैदा होता है, जबकि यह एक निजी मामला है। इसके बजाय सार्वजनिक व्यवस्था उस समय ध्वस्त हुई जब छात्रों के एक समूह ने भगवा शाल पहन कर कालेज में प्रवेश किया जो कुछ लड़कियों द्वारा हिजाब पहनने का विरोध कर रहे थे। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किसने और कैसे सार्वजनिक व्यवस्था को भंग किया। इस प्रकार सरकारी आदेश की भी विधिक समीक्षा होनी चाहिए। चौथा, इस मामले से यह सवाल भी उठता है कि ऐसी स्थितियों से कैसे निपटा जाए जहां दो मूलाधिकारों का टकराव होता है। इसका संबंध कालेज प्रबंधन द्वारा यूनीफार्म तय करने के अधिकार तथा याचिकाकर्ताओं के ऐसे अतिरिक्त कपड़े पहनने के अधिकार से है जो उनके धार्मिक व्यवहार का आवश्यक अंग है। एक अन्य मामले में उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि व्यक्तिगत हितों को व्यापक हितों के लिए स्थान देना चाहिए। यहां याचिकाकर्ता के व्यक्तिगत हित तथा प्रबंधन के व्यापक हित का मामला है। अदालत को तय करना होगा कि शिक्षण संस्थान के भीतर शिक्षा देने तथा सर्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में व्यापक हित क्या है। बड़ी पीठ की तात्कालिक प्राथमिकता अब इस मामले की सुनवाई में याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देने की होनी चाहिए ताकि उनकी पढ़ाई का और नुकसान न होने पाए।

पाकिस्तान की निरर्थक सुरक्षा नीति

यह 'राष्ट्रीय सुरक्षा राज्य' के रूप में पाकिस्तान की वैश्विक छवि बदलने का हिस्सा है। पाकिस्तान भारत के साथ समानता स्थापित करने के भ्रम में जीवित है।

पी के वासुदेव
(लेखक विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन के पूर्व प्रोफेसर हैं)

पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति–एनएसपी दस्तावेज का सार्वजनिक संस्करण जारी किया। इसे मोईद डब्लू, यूसुफ ने तैयार किया था जो पहले राष्ट्रीय सुरक्षा व रणनीतिक नीति निर्माण पर प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सहायक थे और बाद में उनको राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार–एनएसए बना दिया गया। अमेरिका में एशिया सेंटर आफ पीस के उपाध्यक्ष के रूप में प्राप्त अनुभव के आधार पर खान ने दस्तावेज को आक्रामक भाषा का चालाकी से प्रयोग करते हुए विद्वतापूर्ण आकर्षण प्रदान किया है जिससे नौसिखिये विदेशी प्रभावित हो सकते हैं। पाकिस्तानी रणनीतिक दृष्टिकोण से यह दस्तावेज 'मिलिटैब्लिशमेंट' या सैनिक अवस्थापना के वर्तमान प्रयासों को सही ठहराने का प्रयास करता है। यह नए विमर्श में 'चेंज एजेंट' बनने तथा राष्ट्रीय प्राथमिकता में पुरानी शुद्ध भू–राजनीतिक पैराडाइम के स्थान पर भू–अर्थनीति को प्राथमिकता देता है। पाकिस्तान के सामने आई खतरनाक आर्थिक स्थिति तथा अफगानिस्तान में तालिबान की विजय के बाद अंतरराष्ट्रीय इज्जत में गिरावट के कारण मिलिटैब्लिशमेंट समझ गया है कि पहले की तरह काम नहीं चल सकता है।

इसलिए एनएसपी को पाकिस्तान की 'राष्ट्रीय सुरक्षा राज्य' के रूप में अंतरराष्ट्रीय छवि बदलने के हिस्से की तरह देखा जाना चाहिए। पाकिस्तान भारत के साथ बराबरी के भ्रम में जीवित है और वह किसी भी कीमत पर सभी क्षेत्रों में सेना का वर्चस्व बनाए रखना चाहता है। इस दस्तावेज में पश्चिमी लोगों को आकर्षित करने वाले शब्द प्रयोग किए गए हैं। इनमें 'सुरक्षा, संरक्षा, गरिमा व जनता की समृद्धि', 'टिकाऊ व समावेशी आर्थिक वृद्धि', 'विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण', 'राज्य–नागरिक अनुबंध मजबूत कर सुशासन मजबूत करने', 'पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने', 'समग्र राष्ट्रीय में मानव सुरक्षा स्तंभ मजबूत करने', 'परस्पर सह–अस्तित्व के आधार पर पड़ोसियों से शांतिपूर्ण संबंधों की स्थापना', आदि शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय बिजनेस क्षेत्रों पर असर डालने के लिए व्यापार बढ़ाने, निवेश व संचार पर बार–बार जोर दिया गया है। भारत के दृष्टिकोण से यह प्रकाशन अगंभीरता के संवेदनशील प्रयोग के सिवा और कुछ नहीं है। भारत के सभी परोक्ष व प्रत्यक्ष संदर्भ नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया है कि 'देश विदेश में शांति की पाकिस्तानी नीति के अंतर्गत वह भारत से संबंध सुधारना चाहता है।' इसमें किसी द्विपक्षीय संवाद के लिए भारत द्वारा संविधान का अनुच्छेद 370 बहाल करने की पूर्व शर्त नहीं रखी गई है। दस्तावेज में घरेलू सुरक्षा मुद्दों का संदर्भ दिया गया है, पर गंभीर समस्याओं को स्वीकार तक नहीं किया गया है। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा उनसे गंभीरतापूर्वक निपटने का सवाल ही नहीं उठता है, जबकि सारे प्रमाण इस सोच के खिलाफ हैं।

'आतंकवाद' पर चर्चा के दौरान यह गलत दावा किया गया है कि 'पाकिस्तान की नीति ऐसे किसी समूह के प्रति जीरो टालरेंस की है जो उसकी धरती से आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो' तथा 'राष्ट्रीय प्रतिबद्धता व दृढ़ता के साथ पाकिस्तान ने पिछले दो दशकों में आतंकवाद के खिलाफ एक सर्वाधिक सफल युद्ध किया है।' 'नारकोटिक्स व संगठित अपराध' के अंतर्गत दावा किया गया है कि 'पाकिस्तान को 2001 से अफीम मुक्त देश घोषित किया गया है।' तथ्य यह है कि अफगानिस्तान में पैदा अधिकांश अफीम, हेरोइन व मेथाम्फेटामीन पाकिस्तान होकर बाहर जाती है जिसे राज्य की एजेंसियों, खासकर इंटर सर्विसेज़ इंटेलीजेंस का समर्थन प्राप्त है। दस्तावेज में अफगानिस्तान में गंभीर मानवाधिकार स्थिति का उल्लेख तक नहीं है।

राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण मामलों में चीन पर बढ़ती निर्भरता का उल्लेख भी नहीं किया गया है। पाकिस्तान में आलोचकों ने इस दस्तावेज की भारी आलोचना की है और इसे सारहीन बताया है। 'भू–अर्थव्यवस्था' तथा 'भू रणनीति' की बातों के बावजूद दस्तावेज में पाकिस्तान के भारी रक्षा बजट को तार्किक बनाने या उसे घटाने की कोई प्रतिबद्धता नहीं दिखती है। दस्तावेज में लफ्फाजी भरी भाषा के बावजूद इस बात की कोई चर्चा नहीं है कि लक्ष्य 'कैसे' प्राप्त किए जाएंगे।

यह दस्तावेज की सबसे बड़ी कमी है कि भले ही नीतिगत लक्ष्यों के मुख्य आयामों की चर्चा की गई हो, पर इस चर्चा में व्याप्त कमियां समय के साथ और बढ़ती जाएंगी। लेखकों ने इस दस्तावेज को चार साल का समय दिया है। स्वयं को भ्रमित रखने वाले इस दस्तावेज का उद्देश्य दुनिया का ध्यान उन असली समस्याओं से हटाना है जो पाकिस्तान में व्याप्त अराजकता का कारण हैं। बहुत आशावादी दृष्टिकोण से देखा जाए तो भी दस्तावेज अपने लक्षित समय के आधे में ही निरर्थक हो जाएगा। भारत के लिए यह एक और प्रमाण है कि पाकिस्तान का मिलिटैब्लिशमेंट गंभीर नहीं है और वह हर तरकीब का प्रयोग टैक्टिकल शांति का लाभ उठाने के लिए करना चाहता है। वह पाकिस्तान की किस्मत का अंतिम निर्णायक बनने का रणनीतिक लक्ष्य हासिल करना चाहता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का वर्तमान पैराडाइम पाकिस्तान में न राज्य को सुरक्षा प्रदान कर सकता है और न मनुष्यों को। आश्चर्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई अवधारणा बिना अतीत की विनाशकारी सैनिक दु:साहसी गतिविधियों पर आलोचनात्मक नतीजे निकाले कैसे बन सकती है। ऐसे में लगातार सुरक्षा पैराडाइम की कमियां छिपाने से सवाल उठता है कि 'पहले' राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज में आखिरकार नया क्या है जिसकी पाकिस्तान द्वारा स्वयं भूरि–भूरि प्रशंसा की जा रही है?

आखिरकार यह स्वीकार किया गया है कि आर्थिक सुरक्षा के बिना 'परंपरागत सुरक्षा' या रक्षा संभव नहीं है। तथ्य यह है कि परंपरागत सुरक्षा के बोझ से जर्जर अर्थव्यवस्था ढह गई है। इसके परिणामस्वरूप परंपरागत सैनिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ रहा है। प्रकाशित एनएसपी दस्तावेज केवल अमूर्त विश्लेषण व विखंडित ढांचा पेश करता है, हालांकि उसने परंपरागत सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच अनजाने ही एक रेखा खींच दी है। सरल और स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो मानव सुरक्षा व राज्य सुरक्षा में विरोधाभास को देखते हुए जनता की सुरक्षा उसके मूलाधिकारों की सुरक्षा पर आधारित होनी चाहिए।

लेकिन इस आयाम को सतही तरीके से दस्तावेज के अंतिम अध्याय में रखा गया है। पांच अध्यायों का संबंध केवल परंपरागत सुरक्षा व अन्य मामलों से है, एक अध्याय विदेश नीति पर तथा एक और अध्याय आर्थिक सुरक्षा पर है। इसमें असंदिग्ध रूप से रक्षा पर जोर दिया गया है। दस्तावेज में भारत के साथ परंपरागत हथियारों के मामले में असमानता पर गौर किया गया है। इसका समाधान अर्थव्यवस्था को मजबूत करना बताया गया है। यदि निर्भर व भंगुर अर्थव्यवस्था के विरोधाभास और मांगें बहुत तीखी हैं तो पहले उनको ठीक करना होगा। इसके साथ ही तार्किक रूप से परंपरागत सुरक्षा के सभी आयाम आर्थिक आयामों से जुड़े हैं जिनके लिए शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, परस्पर लाभदायक आर्थिक सहयोग तथा लंबी व धैर्यपूर्ण वार्ताओं के माध्यम से 'प्रमुख मुद्दों' को परिभाषित कर उनका समाधान जरूरी है। अत: अधिकांश 'प्रमुख' मुद्दों के प्रति अतिवादी दृष्टिकोण अपनाने के बजाय सभी पड़ोसियों के साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रास्ता बनाना होगा। परस्पर लाभदायक व्यापार व निवेश तथा परस्पर आर्थिक निर्भरता के ए मजबूत आर्थिक सिनर्जी तैयार करना भी इनमें शामिल है। इस प्रकार संपूर्णता में देखा जाए तो पाकिस्तान का एनएसपी एक निरर्थक कार्रवाई है।

महामारी पश्चात भारतीय रेलवे की स्थिति

सुशील के लूथरा
(लेखक रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हैं)

हाल के वर्षों में भारतीय रेलवे के कामकाज और वित्त के बारे में जानकारी दुर्लभ हो गई है। 2017 के बाद से एक अलग रेल बजट के बंद होने ने रेलवे से लाइमलाइट छीन ली है। अब इसे केंद्रीय बजट में एक पैराग्राफ के रूप में पेश किया गया है। नतीजतन, अब नई परियोजनाओं, नई ट्रेनों, या विभिन्न राज्यों या राजनेताओं द्वारा नई लाइनों या परियोजनाओं की मांगों के बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम चर्चा की जाती है। हाई–स्पीड कॉरिडोर, ट्रेन –18 परियोजना, या निजी ट्रेन संचालन योजना जैसे हाई–प्रोफाइल या विवादास्पद विषयों का प्रेस में कभी–कभी उल्लेख मिलता है, लेकिन भारतीय रेलवे के वास्तविक स्वास्थ्य, दिशा या विकास का एक समग्र दृष्टिकोण है। देश में सबसे बड़ा नियोक्ता, और यकीनन दुनिया के सबसे बड़े उद्यमों में से एक – अब बड़े पैमाने पर देश के लिए उपलब्ध नहीं है। 2017 के बाद से मंत्रालय में एक पूर्णकालिक रेल मंत्री भी नहीं है. पीयूष गोयल (सितंबर 2017 में सुरेश प्रभु से पदभार ग्रहण करने पर) और वर्तमान अश्विनी वैष्णव दोनों को रेलवे के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालयों का प्रभार दिया गया है, जिससे मामले और भी बढ़ गए हैं। नतीजतन, भारतीय रेल पर कोविड के विशिष्ट प्रभाव का सार्वजनिक क्षेत्र में पर्याप्त रूप से मूल्यांकन नहीं किया गया है। रिबाउंड के बारे में एक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के अभाव में – यदि कोई हो – रेलवे क्षेत्र द्वारा, और आगामी बजट प्रस्तुति के क्रम में, भारतीय रेल की वेबसाइट पर उपलब्ध अनंतिम डेटा को संकलित करने और तुलना करने का प्रयास किया गया था।

महीने की अवधि अप्रैल–दिसंबर 2021 दो साल पहले अप्रैल–दिसंबर 2019 के साथ। 22 जनवरी को कोविड की वापसी को देखते हुए इसे सबसे उचित संभव तुलना माना जाता है, जिससे तुलनाओं के फिर से खराब होने की संभावना है। हैरानी की बात है कि यह संख्या इसके माल ढुलाई कारोबार में एक मजबूत उछाल को दर्शाती है। इस अवधि में माल ढुलाई 891 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 1030 मिलियन मीट्रिक टन हो गई,

15.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और माल ढुलाई राजस्व 86.706 करोड़ रुपये से बहुत ही स्वस्थ 20.9 प्रतिशत हो गया। 2 वर्षों में 104,789 करोड़ रुपये – 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि। यात्री खंड, हालांकि, एक बहुत अलग कहानी है। जबकि यात्रियों की कुल संख्या 6278 मिलियन से घटकर 2300 मिलियन (– 63 प्रतिशत) हो गई है, यात्रियों से राजस्व 39,528 करोड़ रुपये से गिर गया है। 9 महीने की तुलना अवधि के लिए 27.092 करोड़ रुपये (–31.5त्न)। सबसे बड़ी कमी उपनगरीय यात्री संख्या में है, जो बताती है कि संख्या में गिरावट के संबंध में राजस्व में हानि अनुपातिक रूप से कम क्यों है। पीआरएस खंड – जिसके भीतर स्लीपर क्लास, एसी –3 टियर, एसी चेयर कार और एसी –2 टियर कुल संख्या का लगभग 90 प्रतिशत और खंड राजस्व का लगभग 75 प्रतिशत है – 21 दिसंबर से लगभग पूरी तरह से ठीक हो गया है। 19 दिसंबर का स्तर, जबकि गैर–पीआरएस/उपनगरीय क्षेत्र दिसंबर 2019 के 50 प्रतिशत से कम पर काम करना जारी रखते हैं। माल ढुलाई, यात्री और विविध आय को मिलाकर यह दर्शाता है कि कमाई पूरी तरह से ठीक हो गई है : इस साल दिसंबर तक की कमाई 1,37,393 करोड़ रुपये है। 1,32,931 करोड़ रुपये के मुकाबले। 2019–20 में, दो साल की महामारी की अवधि में मामूली 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बेहतर माल ढुलाई प्रदर्शन आंशिक रूप से कम यात्री संचालन के कारण हो सकता है, अधिक पथ, अधिक लोकोमोटिव / चालक दल उपलब्ध है, और आसान गतिशीलता संभव है। ट्रकिंग व्यवसाय पर महामारी के प्रतिकूल प्रभाव और ईंधन की ऊंची कीमतों ने भी रेल भाड़े का पक्ष लिया हो सकता है। ये ऐसे फायदे हैं जिन्हें भुनाने और आगे बढ़ाने के लिए ढ्रक्र अच्छा करेगा। दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के क्रमिक, आंशिक रूप से खुलने से भी क्षमता बढ़ रही है (वे हाल तक लगभग 6 बिलियन एनटीकेएम चले गए – एक महत्वपूर्ण, हालांकि अभी भी आईआर के यातायात का एक छोटा हिस्सा है)। पिछले दो वर्षों में हासिल की गई सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की तुलना में उच्च स्तर पर माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि, रेल के लिए प्रमुख, गैर–कोयला वस्तुओं के बहुत आवश्यक मॉडल हिस्से को वापस जीतने में मदद करेगी। महामारी और अर्थव्यवस्था की चरणबद्ध रिकवरी ने भारतीय रेलवे के लिए एक अनूठा व्यावसायिक अवसर प्रस्तुत किया है, जिसमें वे अपने दो सबसे अधिक लाभदायक व्यावसायिक क्षेत्रों – माल ढुलाई और लंबी दूरी, आरक्षित यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हैं – उपनगरीय उपनगरीय क्षेत्र में भारी सब्सिडी और क्षमता को ध्यान में रखते हुए। और कम/मध्यम दूरी की साधारण यात्री सेवाएं न्यूनतम तक। यात्री सेवाओं पर कई रियायतों के अस्थायी निलंबन से राजस्व में वृद्धि और पूर्ण किराया भुगतान करने वाले यात्रियों की उपलब्धता में सुधार करने में भी मदद मिलती। यह सब रेल मंत्रालय को अपने राजस्व, लाभप्रदता में सुधार, और इसके महत्व और प्रासंगिकता को फिर से जीतने के उद्देश्य से दीर्घकालिक उपायों में स्पष्ट सुराग प्रदान करता है। यह आशा की जाती है कि यह अप्रत्याशित – जो आंशिक रूप से परिस्थितिजन्य हो सकता है, और आईआर प्रबंधन का सकारात्मक कार्य नहीं है – को व्यर्थ जाने नहीं दिया जाएगा।

आप की बात

जनगणना का महत्व

गृहमंत्री ने कोविड–19 के चलते जनगणना में देरी की बात कही है। उन्होंने सदन को बताया है कि 28 मार्च, 2019 को ही भारत के राजपत्र में इसे अधिसूचित कर दिया गया था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इस काम को अगले आदेश तक टाल दिया गया है। हालांकि, देश और समाज के लिहाज से जनगणना के महत्व को देखते हुए इसे लंबे समय तक रोके रखना उचित नहीं है। वैसे भी, जब अन्य सारे दैनिक कामकाज सामान्य रूप से हो रहे हैं, तब इस कार्य को स्थगित रखने का कोई अर्थ नहीं था। देश की अर्थव्यवस्था के सही समायोजन देश की सामाजिक आर्थिक प्रगति और खुशहाली का आकलन लोगों की शिक्षा इनकम व कई तरह के विश्लेषण के लिए जनगणना ही एकमात्र राष्ट्रव्यापी साधन है! अब जबकि देशभर में लॉकडाउन हटा लिया गया है तो जनगणना के कार्य को भी यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाना चाहिए ।ताकि के नागरिकों के सामने सही आंकड़े आ सके और सरकारी एजेंसियों को भी अपनी योजना के क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त आंकड़े प्राप्त हो सके। साथ ही कृषि , कृषि मजदूरों ,श्रमिकों ,व्यापारियों ,सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में नौकरियों की स्थिति स्पष्ट हो सके।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

धन्य हैं हमारे टीवी चैनल

हमारे देश में आज काफी अधिक टीवी चैनल है जिन्होंने 5 बजे से लेकर रात 9बजे तक का समय किसी भी विषय पर बहस के लिए तय कर रखा है एवं लगभग हर दिन इन पर कोई ना कोई विषय पर गरमागरम बहस चलती रहती है। कभी–कभी इन बहसों में माहौल इतना अधिक गर्म हो जाता है कि मरने मारने तक की नौबत आ जाती है। तब क्या करें क्या इन बहसों से देश को क्या कुछ हासिल होता है। हमें लगता है कि इससे कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। क्योंकि जब तक किसी भी विषय पर स्वयं सरकार या न्यायालय डिसीजन ना ले तब तक ये बहस तो बेमानी ही मानी जाती हैं । यह बहस फिर भी यहां पर बड़ी शान से हर दिन शुरू की जाती है एवं देर रात तक चलती रहती है कई कई दिन तक भी लगातार चलती है। क्या आज कोई ऐसा कानून बनाया जा सकता है जिससे इन बहसों को बंद कराया जा सके कारण इन बहसों का अक्सर ही कोई नतीजा नहीं निकलता है बल्कि इसमें आने वाले पार्टियों के प्रवक्ता ,सामाजिक कार्यकर्ता या अन्य कोई भी यहां बहस करते करते इस तरह से लड़ पडते हैं मानो उन पर कोई खतरा उत्पन्न हो गया हो या उनकी कोई व्यक्तिगत क्षति होने वाली हो।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

ये कैसी आचार संहिता?

वैश्विक महामारी को देखते हुए, पहली बार डिजिटल माध्यम से चुनाव प्रचार हुआ। यूपी समेत पांच राज्यों के चुनाव परिणाम, आगामी लोकसभा चुनाव पर असर डालेंगे।ऐसे में हर पार्टी अपना पूरा प्रयास कर रहीं, चूंकि यहां का सेमी फाइनल, 2024 के फाइनल की नीव रखेगा।लेकिन यूपी के पहले फेज के 11 जिलों के 58 सीटों पर चल रहे मतदान के दौरान जिस तरह से अचार संहिता और चुनाव आयोग के नियमों को तार तार किया जा रहा, यह दु:खद और गंभीर है।टीवी चैनलो में खुद को आगे रहने की होड़ में, ऐसे सवाल मतदाताओं से पूछे जा रहे और दिखाए जा रहे, जिससे कि किसी पार्टी विशेष का फायदा हो। इतना ही नहीं, इवीएम मशीन में भी कई जगह तकनीकी खामियां देखने को मिली। जिससे आम जनता में संशय का माहौल बनता है।ऐसे में चुनाव आयोग को इसे गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। आखिर कैसे, लोकतंत्र के त्यौहार में खामियां हो रहीं? टीवी चैनल चुनाव में लोगों के किसी पार्टी विशेष के समर्थन को लेकर खुल के दिखा रहे हैं।

– **अमन जायसवाल,** दिल्ली विवि

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई–मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

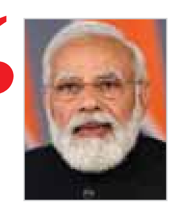

हम मानते हैं कि आलोचना लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है...लेकिन हर चीज का अंधा विरोध नहीं।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

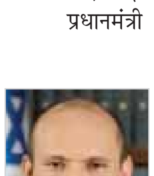

पेगासस के बारे में आने वाली रिपोर्टें, यदि वे सच हैं, तो बहुत गंभीर प्रकृति की हैं।

– **नफ्ताली बेने**
इजराइल के प्रधानमंत्री

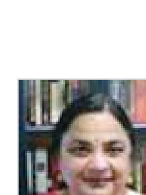

हम एनईपी 2020 को लागू करने का प्रयास करेंगे, विशेष रूप से अध्ययन के अंत:विषय और बहु–विषयक क्षेत्रों में।

– **संतीश्री धुलीपदी पंडित**
जेएनयू की प्रथम महिला कुलपति

क्या पहले चरण में बीजेपी 2017 का इतिहास दोहरा पाएगी?

- बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में महिला सम्मान, किसान, नौजवान, युवाओं के साथ विकास का नारा किया है बुलंद
- सपा-कांग्रेस भी अपने घोषणा पत्र के जरिए महिला वोट और युवाओं पर डाल रहे डोरें

अभिषेक रंजन। लखनऊ

बसंत के खुशगवार मौसम में यूपी के चुनावी महासंग्राम की शुरुआत गुरुवार को पश्चिम यूपी से हुई है। मौसम की चटक धूप के बीच मतदाताओं ने अपने मताधिकार का खुलकर प्रयोग किया है। अब एक सवाल हर किसी के मन में उठ रहा है कि क्या सत्तारूढ़ दल बीजेपी पश्चिम में पहले चरण की इन 58 सीटों पर 2017 का विधान सभा चुनाव परिणाम दोहरा पाएगी? पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान से लेकर कानून-व्यवस्था को और पुख्ता करने की बात तो कही है साथ ही विकास के एजेंडे को भी ऊपर रखा है। गन्ना किसान, युवाओं, महिलाओं सभी की बात पार्टी के संकल्प पत्र में की गई है। अब इन लुभावने वायदों के बीच बीजेपी को अपना पिछला इतिहास भी दोहराने की चुनौती से गुजरना पड़ रहा है। पीएम मोदी ने भी सहारनपुर में जनसभा के जरिए डबल इंजन सरकार के फायदे और परिवारवाद के नुकसान बताए है।

पहले चरण में जिन 58 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ हैं वहां 2017 में बीजेपी की लहर थी। बीजेपी ने 53 विधानसभा सीटें जीतकर सपा, बसपा और राष्ट्रीय लोकदल को मुकाबले से पूरी तरह बाहर कर दिया था लेकिन इस बार क्या होगा? यहां सपा-रालोद का गठबंधन है तो वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी अपने लुभावने वायदों के साथ जनता के बीच में है। 2017 विधानसभा चुनाव में भाजपा 53 सीटों पर जीत के साथ नंबर एक पार्टी बनी थी। सिर्फ चार ऐसी सीटें थीं। जहां बीजेपी दूसरे नंबर पर रही। 2017 के चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। इन दोनों पार्टियों के खाते में सिर्फ तीन सीटें आई थीं जबकि बसपा को दो सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। बीजेपी ने पिछले 2017 के चुनाव में जाट-जाटव सबको साथ लेकर चुनावी मुकाबला एकतरफा बना दिया था। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद यहां वोटों का ध्रुवीकरण तेजी से हुआ। इस बार बीजेपी ने इस चरण की सीटों पर कई नए चेहरों को मौका दिया है जबकि मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है। बीजेपी ने 2017 के 19 विजयी और चार हारे हुए उम्मीदवारों पर भरोसा न करते हुए नए चेहरों को मैदान में उतारा है। पार्टी ने तीन ऐसे उम्मीदवारों को भी टिकट दिया है जिन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर लड़ा था। इनमें खैरागढ़ से भगवान सिंह कुशवाहा, बरौली से ठाकुर जयवीर सिंह और एत्मादपुर से डॉक्टर धर्मपाल सिंह शामिल हैं। सपा-रालोद गठबंधन पहले चरण की 58 में से 29 सीटों पर रालोद, 28 पर सपा और एक सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ रही हैं। सपा-रालोद ने 58 में से 43 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार बदले हैं। इन 43 उम्मीदवारों ने 2017 का विधानसभा चुनाव न तो सपा के टिकट पर लड़ा था और न ही राष्ट्रीय लोकदल के टिकट पर, अनूपशहर विधानसभा सीट एनसीपी को दी गई है। जहां से केके शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं।

बसपा ने 2017 विधानसभा चुनाव जीतने वाले दो उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी की 56 सीटों पर उम्मीदवारों को बदल दिया है। इन दो उम्मीदवारों में मांट विधानसभा से श्याम सुंदर शर्मा और गोवर्धन सीट से राजकुमार रावत शामिल हैं। 30 सीटें ऐसी हैं जहां बसपा के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर थे लेकिन इनमें से सिर्फ एक उम्मीदवार को इस बार टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। 2017 में पहले चरण की 58 सीटों में से सिर्फ 23 सीटों पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। गठबंधन के बावजूद कई ऐसी सीटें थीं जहां एक साथ सपा और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने सामने थे। इस चुनाव में कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने सभी 58 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इन इन 58 उम्मीदवारों में से पांच उम्मीदवार ऐसे हैं जो पिछली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन हार गए थे। इनमें पुरकाजी विधानसभा सीट से दीपक कुमार, कोइल से विवेक बंसल, मथुरा से प्रदीप माथुर, बलदेव से विनेश कुमार और आगरा ग्रामीण विधानसभा सीट से उपेंद्र सिंह शामिल हैं। अब अगर बीजेपी ने टिकट बदले हैं उनकी बात की जाए तो जो पार्टी के सर्वे ने रिपोर्ट दी उसी आधार पर पार्टी ने नए चेहरों को मौका दिया है। सत्ता विरोधी लहर को देखते हुए कई सीटों पर लोग भले ही बीजेपी से नाराज न हो लेकिन स्थानीय मुददों को लेकर बीजेपी के क्षेत्रीय विधायक से नाराज दिखाई पड़े जिस वजह से पार्टी ने टिकट बदल दिए। यह फार्मूला बीजेपी गुजरात के चुनाव मे प्रयोग के बाद यूपी में लागू किया है। इससे अलग पहले चरण में सपा-रालोद गठबंधन और बसपा ने जो उम्मीदवार बदले हैं उसके पीछे इन पार्टियों की अलग रणनीति है। कांग्रेस महिला मसलों को और उनके अधिकारों को लेकर तेजी से चुनाव प्रचार कर रही है। यही कारण है कि 2017 के मुकाबले इस बार महिला उम्मीदवारों की संख्या बढ़ी है सबसे ज़्यादा कांग्रेस ने महिलाओं को टिकट दिया है। 2017 में कांग्रेस 58 सीटों में 23 पर चुनाव लड़ी थी जिसमें सिर्फ एक महिला उम्मीदवार थीं। जाहिर है कि इस बार कांग्रेस ने महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर बड़ा दांव खेला है। वहीं सपा-रालोद गठबंधन ने सिर्फ चार और बीजेपी ने सात महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

पश्चिम यूपी में पहले फेज की सीटों की स्थिति

पहले चरण में शामिल वेस्ट यूपी के 11 जिलों की 58 विधानसभा सीट पर 623 उम्मीदवार चुनावी रण में एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। मेरठ जिले में सात सीटें हैं। 2017 छह बीजेपी के पास एक शहर सीट एसपी के पास थी। यहां हस्तिनापुर सुरक्षित सीट पर सबकी नजर हैं। मंत्री दिनेश खटीक बीजेपी और सपा के योगेश वर्मा में मुकाबला है। सिवालखास सीट पर सबकी नजर हैं। आरएलडी की सीट और सपा प्रत्याशी गुलाम मोहम्मद हैं। बीजेपी और गठबंधन में कड़ा मुकाबला लग रही है। सरधना सीट पर संगीत सोम और एसपी के अतुल प्रधान में सीधा मुकाबला दिख रहा हैं। किठौर में पूर्व मंत्री एसपी के शाहिद मंजूर और बीजेपी के सत्यवीर त्यागी, मेरठ शहर में एसपी के रफीक अंसारी और बीजेपी के कमल दत्त शर्मा, मेरठ दक्षिण में बीजेपी के सोमेंद्र तोमर और एसपी के आदिल चौधरी में टक्कर हैं लेकिन बीएसपी के दिलशाद भी त्रिकोणीय चुनाव बनाने की कोशिश में हैं। मेरठ कैंट में बीजेपी की राह एकदम आसान लग रही हैं।

बागपत जिला कभी आरएलडी का गढ़ रहा हैं। 2017 में एक ही सीट छपरौली आरएलडी जीत सकी थी। बागपत सीट पर पूर्व मंत्री स्वर्गीय कोकब हमीद के बेटे अहमद हमीद और बीजेपी के विधायक योगेश धामा का भाग्य मतपेटी में बंद हो गया है। बड़ौत में बीजेपी के केपी मलिक आरएलडी से जयवीर सिंह तोमर में मुकाबला हैं। गठबंधन को जाट, मुस्लिम, यादव और किसानों से आस हैं। बीजेपी की अति पिछड़ें, वैश्य, जाट से उम्मीद हैं। गुर्जरों पर सबकी नजर है। हापुड़ जिले की धौलाना सीट पर एसपी के अमसलम अली पिछली बार बसपा से जीते थे और बीजेपी के धर्मेश तोमर को मैदान में मुकाबला है। बसपा बड़ी सेंधमारी कर सकती हैं। हापुड़ में बीजेपी बीएसपी, आरएलडी और गढ़ मुक्तेश्वर में बीजेपीए गठबंधन और बीएसपी में टक्कर हैं। गाजियाबाद सदर में मंत्री अतुल गर्ग को घेरने की एसपी बीएसपी की पूरी तैयारी है। लोनी में गठबंधन के मदन भैया मैदान, बीजेपी के नंद किशोर गुर्जर और बीएसपी ने अय्यूब खान में सियासी जंग होती दिख रही हैं। मोदीनगर में बीजेपी के विधायक अजित पाल त्यागी और आरएलडी के पूर्व विधायक सुदेश शर्मा लड़ते दिख रहे हैं। बुलंदशहर की सदर सीट पर बीजेपी के प्रदीप कुमार आरएलडी के हाजी यूनुस, स्याना सीट पर आरएलडी के पूर्व विधायक दिलनवाज खां और बीजेपी के देवेंद्र लोधी के भाग्य का फैसला जनता ने कर दिया है। शामली जिले कैराना सीट पलायन को लेकर हॉट हैं। यहां जेल जाने वाले सपा के नाहिद हसन और बीजेपी से हुकुम सिंह की बेटी मृगांका सिंह में मुकाबला दिख रहा हैं। कांग्रेस ने के अखलाक बीएसपी के राजेंद्र उपाध्याय सेंधमारी करते दिख रहे हैं। दूसरी सीट थानाभवन गन्ना मंत्री सुरेश राणा की हैं। गन्ना मूल्य बकाया रहना राणा को परेशान कर रहा हैं। शामली में मुकाबला बीजेपी बनाम आरएलडी हैं।

मुजफ्फनगर जिले में सारे मसले गरम हैं। सदर सीट पर बीजेपी के मंत्री कपिल देव अग्रवाल की सपा के सौरभ स्वरूप समेत सभी दलों ने घेराबंदी कर रखी हैं। बुढ़ाना, चरथावल, पुरकाजी भी बीजेपी और गठबंधन में मुकाबला कड़ा हैं। यहां हर कोई दंगे के दाग धोने की कोशिश कर रहा हैं। मीरापुर सीट पर भी बीजेपी के प्रशांत गुर्जर, आरेलडी और बीएसपी में टक्कर हैं। गौतमबुद्ध नगर की नोएडा सीट पर बीजेपी के पंकज सिंह और गठबंधन के सुनील चौधरी पर मुकाबला है। जेवर सीट पर भाजपा ने धीरेंद्र सिंह, गठबंधन के अवतार सिंह भड़ाना और बीएसपी के नरेंद्र भाटी चुनाव को दिलचस्प बने हुए हैं। मथुरा जिले की मांट सीट पर आठ बार के विधायक रहे श्याम सुंदर शर्मा बीएसपी से गठबंधन और बीजेपी का मुकाबला है। इसी तरह से बलदेव, गोवर्धन और मथुरा में भी मुकाबला रोचक है। मथुरा में मंत्री श्रीकांत शर्मा का मुकाबला यहां कांग्रेस के प्रदीप माथुर से होता दिख रहा है। आगरा की एत्मादपुर, आगरा कैंट, आगरा दक्षिण, आगरा ग्रामीण, फतेहपुर सीकरी, खेरागढ़, फतेहाबाद बाह में भी बीजेपी और गठबंधन में मुकाबला दिख रहा हैं। अलीगढ़ में बीजेपी गठबंधन और बीएसपी अलग अलग सीट पर मुकाबले में दिख रहे हैं।

सियासत के दंगल में धरती पुत्रों का जलवा

कमल दुबे। लखनऊ

यूपी की सियासत के दंगल में धरती पुत्र यानी कि खेती किसानी से जुड़े लोगों का हमेशा से बोलवाला रहा है। करीब 2.41 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले देश के इस सबसे बडे सूबे में आज भी बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है और इसकी झलक विधानसभा में भी देखने को मिल रही है। चुनाव में किसान जहां एक बड़ा मुद्दा होता है वहीं चुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों में भी सर्वाधिक का कारोबार कृषि ही होता है।

पांच साल पहले 17 वीं विधानसभा में चुने गये 403 जनप्रतिनिधियों में 40 प्रतिशत से अधिक का कृषि ही मुख्य व्यवसाय रहा है। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों की सूबे की सबसे बडी पंचायत में पहुंचने की संख्या तो बढ़ी लेकिन वह 15 फीसदी से ज्यादा नहीं पहुंच सकी है। वकालत के पेशे से जुड़े लोग भी जनता की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं लेकिन उनमें से विधानसभा की दहलीज लांघने वाले अभी पांच प्रतिशत से अधिक नहीं है। अफसर, इंजीनियर, डाक्टर आदि का भी राजनीति में क्रेज बढ़ रहा है लेकिन विधानसभा की जो तस्वीर सामने हैं उनमें इनकी संख्या अभी नाम मात्र की ही है।

दरअसल राज्य का ऐसा कोई भी मतदाता विधायक या विधानसभा का सदस्य बनने के लिए चुनाव लड़ सकता है जिसकी उम्र 25 वर्ष से कम न हो। चुनाव लड़ने के लिए किसी तरह के व्यवसाय के होने या न होने की कोई बाध्यता नहीं है। यही वजह है कि जनता अपने बीच के लोकप्रिय किसी भी व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति को अपना जनप्रतिनिधि चुनकर विधानसभा में भेजती है। खास बात यह है कि अब अलग अलग व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति तो विधानसभा में पहुंच रहे हैं लेकिन उनमें से आज भी सर्वाधिक कृषि से ही जुड़े होते हैं। पांच वर्ष पहले के चुनाव में 161 विधायक ऐसे बने थे जिनका कारोबार खेती किसानी ही था।

राज्य का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आज भी ऐसा है जहां शहरी चकाचौंध नहीं दिखाई देती है। अपने कृषि प्रधान देश के आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्र की लगभग ढाई सौ विधानसभा सीटें हैं। इन सीटों से चुने जाने वाले विधायकों में से ज्यादातर कृषि से जुड़े रहते हैं। हालांकि इनमें से ऐसे कई हैं जिनका कृषि के साथ ही दूसरा कारोबार भी रहा है। मौजूदा 17वीं विधानसभा में पहुंचने वाले 404 विधायकों में 116 विधायक रहे हैं जिनका एक से अधिक कारोबार है। पिछले दो चुनाव में ऐसे विधायकों की संख्या 100 से कम ही रही है। गौरतलब है कि खेती से होने वाली कमाई पर आयकर नहीं देना होता है।

हाल के वर्षों में अफसरों द्वारा सेवानिवृति लेकर चुनाव लड़ने की प्रवृति तो बढ़ती दिखी है लेकिन राजनीतिक दांव पेंच के माहिर खिलाड़ी न होने के कारण ही शायद विधायक बनकर जनसेवा करने की इच्छा कम अफसरों की ही पूरी हो पा रही है। अभी मात्र एक विधायक हैं जो सेवानिवृत अधिकारी रहे हैं। इसी तरह तीन इंजीनियरिंग कर और नौ डाक्टर से विधायक बने हैं। वकालत के पेशे से 17 और अध्यापन से 19 विधायक बनने में कामयाब रहे हैं। पाच वर्ष पहले 52 ऐसे विधायक भी चुने गए थे जिनका व्यापार और उद्योग रहा है। वर्ष 2012 में व्यापार.उद्योग से जुड़े 58ए 2007 के चुनाव में 40 और उससे पहले 2002 के चुनाव में 26 ही व्यापारी और उद्यमी विधायक बने थे। पत्रकारिता और अन्य क्षेत्र से जुड़े रहने वालों में से भी दो विधायक चुने गए थे। हालांकि जिस तरह से अब ज्यादातर प्रमुख राजनीतिक दलों का पढ़े.लिखे नवजवानों को टिकट देने का रुख दिख रहा है उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि 18वीं विधानसभा की तस्वीर पहले से बदली बदली दिखाई देगी। सत्ताधारी भाजपा ने वीआरएस लेने वाले आइपीएस अफसर से लेकर वरिष्ठ डाक्टरों तक को अब तक टिकट दिए हैं। दूसरे दलों की सूची में भी ऐसे नाम दिखाई दे रहे हैं।

अपनी-अपनी पार्टियों का प्रचार करने में जुटे किन्नर

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रमुख पार्टियों से भले ही कोई किन्नर चुनाव मैदान में न हो लेकिन भाजपा की सोनम किन्नर और सपा की पायल किन्नर चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के लिए जोरदार प्रचार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के नवगठित किन्नर कल्याण बोर्ड की पिछले साल उपाध्यक्ष नियुक्त की गई सोनम किन्नर को राज्यमंत्री का दर्जा हासिल है। पायल किन्नर को सपा की किन्नर महासभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। दोनों ही अपनी-अपनी पार्टियों के प्रति समर्थन जुटाने के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर रही हैं। सोनम ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, मैं पहले ही नोएडा, बहराइच और श्रावस्ती समेत उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में जा चुकी हूं, जैसा कि मेरी पार्टी ने मुझे आदेश दिया था।

उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अगर एक बार फिर भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनती है और योगी आदित्यनाथ दोबारा मुख्यमंत्री बनाए जाते हैं तो किन्नर समाज भी खुशहाल होगा और उसकी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। सपा किन्नर महासभा की प्रदेश अध्यक्ष पायल ने कहा, वह वाराणसी, कानपुर, गोंडा, गाजियाबाद, सीतापुर तथा लखीमपुर समेत 40 जिलों का दौरा कर चुकी हैं। इस दौरान उन्हें यह महसूस हुआ कि लोगों के बर्ताव में बदलाव आया है और लोग उन्हें सुनने के लिए आते हैं।

पायल वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालजी टंडन के खिलाफ लखनऊ पश्चिम विधानसभा सीट से मैदान में उतरी थीं। इस चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। उनका दावा है कि उस वक्त भी लोगों का उनके प्रति रवैया बहुत अच्छा था। हालांकि उनका मानना है कि किन्नर समाज के प्रति समाज को और संवेदनशील बनाने के लिए अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा "एक किन्नर को अब भी समाज में वर्जित माना जाता है और उन्हें सम्मान नहीं दिया जाता। मेरा मानना है कि हमारे समाज के लिए लोगों की इस गलत धारणा को खत्म करना मेरी जिम्मेदारी भी है और इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए यह एक मौका है। भाजपा का जोर शोर से प्रचार कर रही सोनम ने कहा कि अगर उनकी पार्टी उन्हें टिकट देती है तो वह जरूर चुनाव लड़ेगी, हालांकि उन्होंने टिकट नहीं मांगा है। दूसरी ओर पायल ने कहा कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनसे चुनाव लड़ने के बारे में पूछा था, मगर उन्होंने मना कर दिया था।

सोनम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किन्नर समाज के लिए सर्वेक्षण का कार्य अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने इस सिलसिले में समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को एक पत्र लिखा था लेकिन अभी चुनाव की घोषणा हो गई और आचार संहिता लागू हो जाने की वजह से सर्वे शुरू नहीं हो सका। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इस वक्त किन्नर मतदाताओं की संख्या 8853 है।

पायल और सोनम दोनों का ही मानना है कि प्रदेश में किन्नर मतदाताओं की संख्या काफी कम है और वे चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं कर सकते, मगर वे महसूस करते हैं कि वे भी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं लिहाजा चुनाव प्रक्रिया में उन्हें भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। पायल ने कहा, किन्नर समाज को कोई भी महत्व नहीं देता। बहुत कम किन्नर ऐसे होंगे जिनके पास मतदाता पहचान पत्र हैं। कोई भी किन्नरों की वित्तीय मदद नहीं करता। यहां तक कि घर खरीदने के लिए उन्हें कर्ज भी नहीं मिलता।

राजनीतिक दलों की निगाह दूसरे चरण पर

- सहारनपुर नगर सीट से बसपा अपना खाता कभी नहीं खोल पाई

सतीश सिंह। लखनऊ

पहले चरण के विधानसभा चुनाव में गुरुवार को 11 जिलों के 58 सीटों पर किस्मत आजमाने वाले 623 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। इसके साथ ही अब राजनीतिक दलों की निगाहें 14 फरवरी को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव पर टिक गई हैं। नौ जिलों की 55 सीटों पर 14 फरवरी को मतदान होना है।

इन नौ जिलों में एक सीट ऐसी भी है जहां का तिलिस्म अभी तक बसपा नही तोड़ पाई है। इन्ही में से एक जिला सहारनपुर है। सहारनपुर जिले से चुनाव जीतकर मायावती छह माह बाद मुख्यमंत्री बनी थीं। वैसे तो इस जिले में सात विधानसभा सीटे हैं लेकिन इनमें सहारनपुर नगर ऐसी सीट है जहां से बसपा अपना खाता कभी नहीं खोल पाई। इस सीट पर अब तक 17 बार हुए चुनाव में कांग्रेस भाजपा और सपा ने बारी बारी से जीत दर्ज की मगर बसपा को यह सीट कभी मुनासिब न हो सकी। जबकि निर्दलीय प्रत्याशी भी शहर सीट से जीते हैं।

शिल्पकला के लिए मशहूर सहारनपुर जिले की नगर सीट पर हिन्दू व मुस्लिम दोनों जीते हैं। इस सीट को हासिल करने के लिए बसपा यहां जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी उतार चुकी है। इसके बाद भी यह सीट उसकी पहुंच से दूर रही है। यहां पर मुस्लिम, वैश्य और पंजाबी समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। बहरहाल यहां चुनाव दिलचस्प होने के आसार हैं।

इस बार के चुनाव में यहां से बसपा ने व्यवसायी मनीष अरोड़ा को मैदान में उतारा है। जबकि सपा-रालोद गठबंधन से सपा विधायक संजय गर्ग फिर से मैदान में हैं। भाजपा ने पूर्व विधायक राजीव गुंबर को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने पूर्व पार्षद सुखविंदर कौर पर भरोसा जताया है। वहींए आम आदमी पार्टी ने उस्मान मलिक को चुनाव मैदान में उतारा है।

हरौड़ा से जीत कर मुख्यमंत्री बनी थीं मायावती

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के एक ग्रामीण क्षेत्र की किस्मत तकरीबन 26 साल पहले तब चमक गई, जब मायावती यहां से जीतकर विधायक बनीं। अक्तूबर 1996 में हरौड़ा विधानसभा सीट जीत मायावती ने इस सीट पर पहली बार बहुजन समाज पार्टी की मोहर लगाई। छह महीने बाद मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। हरौड़ा विधानसभा क्षेत्र जो साल 2008 के परिसीमन के बाद सहारनपुर देहात बन गया। मायावती के बाद यहां से बसपा के जगपाल सिंह चार बार विधान सभा चुनाव जीत चुके हैं। 2017 का चुनाव हारने के बाद बसपा ने इस सीट पर इस बार अजब सिंह को मौका दिया है।

अब तक इन दलों से यह बने प्रत्याशी

वर्ष	दल	विधायक
1957	कांग्रेस	मजरुबलनबी
1962	निर्दलीय	ब्रह्मदत्त
1967	कांग्रेस	अब्दुल खालिक
1969	भारतीय जन संघ	जग्गनाथ खन्ना
1974	कांग्रेस	सरदार कुलतार सिंह
1977	जनता पार्टी	सुमेर चंद
1980	कांग्रेस	सुरेंद्र कपिल
1985	कांग्रेस	सुरेंद्र कपिल
1989	जनता दल	विरेंद्र ठाकुर
1991	भाजपा	लाज कृष्ण गांधी
1993	भाजपा	लाज कृष्ण गांधी
1996	सपा	संजय गर्ग
2002	इंडियन एकता पार्टी	संजय गर्ग
2007	भाजपा	राघव लखनपाल शर्मा
2012	भाजपा	राघव लखनपाल शर्मा
2014 (उपचुनाव)	भाजपा	राजीव गुंबर
2017	सपा	संजय गर्ग

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 11 फरवरी, 2022

वोट के लिए जनरल रावत के कट आउट का इस्तेमाल कर रही कांग्रेसः मोदी

●पीएम ने कहा कि यह वही कांग्रेस है, जिसने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे

भाषा। श्रीनगर (उत्तराखंड)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब जनरल रावत जीवित थे तो उसने उन्हें अपशब्द कहे और अब वह उनके कट आउटों का इस्तेमााल वोट के लिए कर रही है। उत्तराखंड में 14 फरवरी को होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में तो इनके नेताओं ने बाकायदा टीवी पर जाकर सेना से सबूत मांगे थे।

प्रधानमंत्री ने लोगों को याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने तो देश के पूर्व रक्षा प्रमुख जनरल रावत को सडक का गुंडा भी कहा था। उन्होंने कहा कि देश के शहीदों के लिए यह कांग्रेस की नफरत ही दिखाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वन रैंक, वन पेंशन के मुददे पर लगातार झूठ बोलती रही लेकिन अब वह जनरल रावत के कटआउट और फोटो लगाकर वोट मांग रही है। उन्होंने कहा, कुर्सी के लिए कोई इस सीमा तक जा सकता है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अगर वोट के लिए ए लोग (कांग्रेस) जनरल रावत का सियासी इस्तेमाल करना चाह रहे हैं तो उन्हें जवाब देने की जिम्मेदारी उत्तराखंड के लोगों की है। जनरल बिपिन रावत का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी याद उन्हें भावुक कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने दिखाया कि उत्तराखंड के लोगों के पास न केवल पहाड जैसा साहस होता है बल्कि हिमालय जैसी उंची सोच भी होती है। कांग्रेस की सोच को केवल सत्ता के सुख तक सीमित बताते हुए उन्होंने कहा कि वह बलिदान और देशसेवा का मूल्य कभी नहीं समझ सकती।

लोगों से कांग्रेस को चुनाव में करारा जवाब देने का आग्रह करते हुए मोदी ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने विकास गतिविधियों को पीछे की तरफ धकेला और लोगों को पहाडों से बडी संख्या में पलायन करने को मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि बुधवार को जारी भाजपा का दृष्टिपत्र:2022 इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में मदद करेगा जिसमें प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों सहित सभी वर्गों के विकास के लिए संकल्प लिए गए हैं। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन सरकार लागू करने के साथ ही प्रदेश का पांचवां धाम-सैन्य धाम बना रही है। हालांकि, उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उत्तराखंड का यह गौरव उनकी समझ में नहीं आएगा जो देश की सेना और शहीदों का मजाक उडाते हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के निर्माण से लेकर उसके संवारने तक के सपने भाजपा ने लोगों के साथ मिलकर देखे लेकिन दुर्भाग्य से कुछ सालों तक उसकी कमान ऐसे लोगों के पास चली गई जो इसका जन्म ही नहीं चाहते थे।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगहें कांग्रेस की सरकारें होने के बावजूद उसने ब्रेक लगाकर राज्य को पीछे धकेल दिया।

नेताजी से संबंधित फाइल प्राप्त करने के प्रयास जारी : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि ब्रिटेन, अमेरिका, रूस, जापान एवं चीन से नेताजी सुभाषचंद्र बोस से संबंधित फाइलें और रिकार्ड प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने सूचित किया कि बोस के बारे में 62 फाइलें राष्ट्रीय अभिलेखागार और ब्रिटिश पुस्तकालय की वेबसाइट पर पहले से ही उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, अमेरिका, रूस, जापान एवं चीन से नेताजी सुभाषचंद्र बोस से संबंधित फाइलों एवं रिकार्ड को प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूसी सरकार ने सूचित किया है कि वे रूसी अभिलेखागार में नेताजी से संबंधित कोई दस्तावेज प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं जबकि भारतीय पक्ष के अनुरोध पर अतिरिक्त जांच की गई। मुरलीधरन ने कहा कि चीनी सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली उन्होंने कहा, जापान सरकार ने नेताजी पर दो फाइलों को सार्वजनिक किया है। फाइलें उनके अभिलेखागार का हिस्सा थीं और अब सार्वजनिक स्तर पर उपलब्ध हैं। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के अनुरोध पर जापान सरकार ने इन फाइलों को हस्तांतरित कर दिया है और इन्हें भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार में रखा गया। मुरलीधरन ने कहा कि जापान सरकार ने यह भी सूचित किया है कि यदि संबंधित कोई अन्य दस्तावेज भी होगा तो उसे उनकी नीतियों के तहत सार्वजनिक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार ने कहा कि 30 साल से अधिक समय का उनके पास कोई ऐतिहासिक रिकार्ड नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रीय अभिलेखागार एवं रिकार्ड प्रशासन ने सूचित किया है कि उस अवधि के उनके अभिलेखागार रिकार्ड का डिजिटलीकरण नहीं किया गया है। मंत्री ने कहा, लिहाजा इन दस्तावेजों का पता लगाने के लिए विभिन्न अमेरिकी एजेंसियों के रिकार्ड की व्यापक खोज की आवश्यकता पड़ेगी और वे ऐसा करने में समर्थ नहीं है। दो जांच आयोग ने यह निष्कर्ष दिया था कि नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को ताईपे में एक विमान दुर्घटना में हो गई थी वहीं न्यायमूर्ति एम के मुखर्जी की अध्यक्षता वाले तीसरे आयोग ने इस निष्कर्ष के विपरीत बात कही थी और सुझाव दिया था कि नेताजी उसके बाद भी जीवित थे। मुरलीधरन ने कहा कि सरकार ने 1999 में न्यायमूर्ति मुखर्जी जांच आयोग को गठित किया ताकि 1945 में नेताजी के गायब होने की परिस्थितियों और उसके बाद के घटनाक्रमों की जांच की जा सके।

तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल को सीबीआई ने किया तलब

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के बीरभूम जिला अध्यक्ष अनुब्रत मंडल को भारत-बांग्लादेश सीमा पर चल रहे करोड़ों रुपए के पशु तस्करी रैकेट की जांच के सिलसिले में तलब किया है। एजेंसी के एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मंडल को 14 फरवरी को निजाम पैलेस में सीबीआई अधिकारियों के समक्ष बयान देने को कहा गया है। इसी जांच के सिलसिले में केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को टीएमसी सांसद और देव के नाम से मशहूर अभिनेता दीपक अधिकारी को तलब किया था। उन्हें 15 फरवरी को पेश होने को कहा गया है।

सीबीआई ने पहले भी पशु तस्करी रैकेट में कथित रूप से शामिल एक व्यापारी बिनय मिश्रा के भाई विकास मिश्रा सहित कई लोगों से पूछताछ की थी। एजेंसी ने मामले के मुख्य आरोपी इनामुल हक से भी पूछताछ की थी।

विकास मिश्रा और हक दोनों को सीबीआई हिरासत में ले लिया गया था।

अधीर रंजन ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को कहा महाराज

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बृहस्पतिवार को सदन में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को महाराज कहकर संबोधित किया जिस पर मंत्री ने कहा कि वह कांग्रेस नेता को सूचित करना चाहते हैं कि उनका नाम ज्योतिरादित्य सिंधिया है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान दोनों नेताओं के बीच हल्की-फुल्की नोकझोंक देखने को मिली। नागर विमानन मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान चौधरी ने कहा एक महाराज यहां हैं और दूसरे महाराज एयर इंडिया का निजीकरण किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल में कुछ हवाई अड्डों को लेकर सवाल किया। पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए सिंधिया ने कहा, मैं कांग्रेस के नेता को सूचित करना चाहता हूं कि मेरा नाम ज्योतिरादित्य सिंधिया है।

हिजाब विवाद के पीछे है कांग्रेस की मानसिकताः कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि हिजाब पर विवाद के पीछे की मानसिकता कांग्रेस द्वारा पैदा की गई है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के टूलकिट का एक हिस्सा है कि और दुनिया में भारत की छवि खराब कर पेश करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार पर भी निशाना साधा और उन पर झूठ फैलाने तथा लोगों को भड़काने का आरोप लगाया। कतील ने एक वीडियो संदेश में कहा, कांग्रेस के टूलकिट के जरिए दुनिया में भारत की छवि खराब कर पेश करने को कोशिश की जा रही है।

यह सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की एक साजिश है। उन्होंने कहा कि हिजाब पर उपजे विवाद के पीछे कांग्रेस की मानसिकता है और यह खतरनाक है। शिवकुमार पर राज्य के लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए कतील ने कहा, यह उनके टूलकिट का एक हिस्सा है और उनका यह बयान कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हटाकर भगवा झंडा लहराया गया, सच्चाई से कोसों दूर है। उन्होंने कहा कि भगवा झंडा एक खाली खंबे पर लगाया गया था न कि राष्ट्रीय ध्वज को हटाकर। दक्षिण कन्नड़ जिले से सांसद कतील, शिवकुमार के उस दावे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मंगलवार को शिवमोगा में हिजाब विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक सरकारी कॉलेज में छात्रों ने तिरंगा हटाकर भगवा ध्वज लगा दिया था।

शिवमोगा के कॉलेज के अधिकारियों और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है कि राष्ट्रीय ध्वज को हटाकर भगवा झंडा नहीं लगाया गया था।

क्या सर्वोपरि है-राष्ट्र या धर्म : मद्रास उच्च न्यायालय

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने देश में कुछ ताकतों द्वारा धार्मिक असौहार्द्र पैदा करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर बृहस्पतिवार को गंभीर चिंता प्रकट की और हैरानगी जताते हुए कहा कि क्या सर्वोपरि है- राष्ट्र या धर्म। कर्नाटक में हिजाब से जुड़े विवाद को लेकर छिड़ी बहस पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एम एन भंडारी और न्यायमूर्ति डी भरत चक्रवर्ती की प्रथम पीठ ने कहा कि कुछ ताकतों ने ड्रेस कोड को लेकर विवाद उत्पन्न किया है और यह पूरे भारत में फैल रहा है। पीठ ने कहा कि यह सचमुच में स्तब्ध करने वाला है, कोई व्यक्ति हिजाब के पक्ष में है, कुछ अन्य टोपी के पक्ष में हैं और कुछ अन्य दूसरी चीजों के पक्ष में हैं। यह एक देश है या यह धर्म या इस तरह की कुछ चीज के आधार पर बंटा हुआ है। यह आश्चर्य की बात है। न्यायमूर्ति भंडारी ने भारत के पंथनिरपेक्ष देश होने का जिक्र करते हुए कहा, मौजूदा विवाद से कुछ नहीं मिलने जा रहा है लेकिन धर्म के नाम पर देश को बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कुछ जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणियां कीं।

राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा पंजाब चुनाव के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं राजीव शुक्ला और दीपेंद्र सिंह हुड्डा को पंजाब विधानसभा चुनाव में चुनाव अभियान प्रबंधन और समन्वय के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से जारी बयान के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दोनों नेताओं की नियुक्ति की। दोनों नेता कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे।

बीएसएफ ने कच्छ के पास क्रीक क्षेत्र में नौ पाकिस्तानी नौकाओं को जब्त किया

भाषा। अहमदाबाद

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बृहस्पतिवार सुबह गुजरात के कच्छ जिले के पास भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा से लगे हरामी नाला क्रीक इलाके में मछली पकड़ने वाली नौ पाकिस्तानी नौकाओं को जब्त किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जब्ती के बाद बीएसएफ ने यह पता लगाने के लिए खाड़ी क्षेत्र में तलाश अभियान शुरू किया है कि क्या पड़ोसी देश से ऐसी और कोई नौका भारतीय जलक्षेत्र में दाखिल हुई है। बीएसएफ के गुजरात फ्रंटियर के महानिरीक्षक जी एस मलिक ने पीटीआई-भाषा को बताया, नियमित गश्त के दौरान बीएसएफ कर्मियों ने क्षेत्र का पूरा दृश्य प्राप्त करने के लिए आकाश में कैमरा से लैस यूएवी (मानव रहित यान या ड्रोन) को भेजा था। यूएवी के जरिए हमें हरामी नाला क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली नौ नौकाएं दिखीं। बीएसएफ की गश्ती नौकाएं तुरंत मौके पर पहुंच गईं और पाकिस्तान के मछुआरों की उन नौकाओं को जब्त कर लिया। उन्होंने कहा कि अब तक किसी पाकिस्तानी मछुआरे को नहीं पकड़ा गया है क्योंकि इन नौकाओं पर सवार लोग बीएसएफ की मौजूदगी के बारे में जानने के बाद पाकिस्तान की ओर भाग गए होंगे। मलिक ने कहा कि हमने नौ नावों की बरामदगी के बाद क्रीक क्षेत्र में तलाश अभियान शुरू किया है, क्योंकि हमें लगता है कि कुछ और नौकाएं भी हो सकती हैं। यह संभव है कि हमें पाकिस्तानी मछुआरे मिल जाएं, जिन्होंने हमारे जलक्षेत्र में घुसपैठ किया।

संघवाद एक मौलिक विचार हैः मुख्यमंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने विधानसभा के सभापति को संबोधित अपने भाषण में कहा है कि जब जनता द्वारा प्रतिनिधि चुनने के लिए भारत में चुनाव प्रणाली की स्थापना हुई तब मद्रास प्रांत में पहली बार चुनाव हुए थे। जब देश ब्रिटिश शासन के अधीन था तब द्रविड़ आंदोलन के अग्रदूत जस्टिस पार्टी ने 1920 के पहले आम चुनाव में सरकार बनाई थी। मद्रास प्रांतीय सभा का कामकाज देखने के लिए इंग्लैंड से भारत आने वाले सभी लोगों द्वारा टिप्पणी की गई कि मद्रास भारत का एकमात्र प्रांत है जो कानून के शासन और प्रशासनिक प्रोटोकॉल द्वारा शासित है।

यह इस सदन के इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसने ऐसे लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की। हमसब यहाँ लोकतंत्र की रक्षा हेतु, लोकतंत्र की गरिमा औरसंघवाद के आदर्शों को अक्षुण्ण रखनेके लिए और शिक्षा के अधिकार को सुरक्षित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हम यहाँ केवल नीट परीक्षा के बारे में बात करने के लिए एकत्रित नहीं हुए हैं। हम तमिलनाडु विधानमंडल की संप्रभुता और अधिकारों की रक्षा हेतु एकत्रित हुए हैं। संघवाद एक मौलिक विचार है जो वास्तव में भारतीय उपमहाद्वीप की जातीय, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करता है! हम यह सुनिश्चित करने के लिए एकत्रित हुए हैं कि महान संघीय दर्शन अक्षुण्ण रहे।

सोलह वर्ष की आयु में मैंने राजनीतिक जीवन में प्रवेश किया। यह वह दिन है जो मेरे सार्वजनिक जीवन के अविस्मरणीय दिन के रूप मेंयादों में बसा रहेगा। मैं इस सभा में उसी भावना के साथ उपस्थित हूँ!

इस विधायिका ने एक सदी पहले सामाजिक न्याय की आधारशिला रखी थी। इस विधानसभा द्वारा हमारे भारतीय संविधान में पहला संशोधन किया गया था। इस विधानसभा ने पिछड़ों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण, धार्मिक अल्पसंख्यक के आंतरिक आरक्षण और अरुंधतियार समुदाय के आंतरिक आरक्षण के माध्यम से सामाजिक न्याय स्थापित किया। इस विधानसभा ने संघ को मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के लिए मजबूर किया जो अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग के लिए केंद्र सरकार की नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। इस विधानसभा ने सरकारी स्कूल के छात्रों को चिकित्सा शिक्षा में 7.5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है।

इस विधानसभा ने इंजीनियरिंग सहित व्यावसायिक शिक्षा में सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत सीटें अलग रखीं। न केवल तमिलनाडु बल्कि समस्त भारतीय उपमहाद्वीप के लिए मेडिकल सीटों के अखिल भारतीय कोटे में पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। इस विधानसभा ने देश में पहली बार तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण नीति लागू कर मील का पत्थर स्थापित किया है।

पुलिस मुठभेड़ में नियमों का पालन किया याचिकाकर्ताओं से जवाब मांगा गया

●सरकार ने आदलत में दिया हलफनामा

भाषा। गुवाहाटी

गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम में पुलिस मुठभेड़ों के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को राज्य सरकार के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में कहा है कि मुठभेड़ों में कानूनी प्रक्रिया और राष्ट्रीय मानवाधिकार के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति सौमित्र सैकिया की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई अब 21 फरवरी को होगी। अदालत ने मई, 2021 में भाजपा के राज्य की सत्ता में आने के बाद से असम में हुई पुलिस मुठभेड़ों पर 11 जनवरी को सरकार को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

सरकार ने अपना जवाबी हलफनामा सात फरवरी को दाखिल किया। असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया ने पीटीआईभाषा को बताया, विपक्षी दल ने हमारे हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। अदालत ने उनके अनुरोध पर समय दिया है और सुनवाई की अगली तारीख 21 फरवरी तय की है।

सरकार ने हलफनामे में कहा है कि पुलिस मुठभेड़ के सभी मामलों में कानूनी प्रक्रिया और एनएचआरसी द्वारा तय दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है। सरकार ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के 10 मई, 2021 को मुख्यमंत्री बनने के बाद से 28 जनवरी, 2022 तक पुलिस मुठभेड़ों में 28 लोगों की मौत हुई है जबकि 73 लोग घायल हुए हैं। हलफनामे के अनुसार राज्य के 27 जिलों में पुलिस मुठभेड़ की घटनाएं हुई हैं और सबसे ज्यादा 10 लोगों की मौत कार्बी आंगलोंग जिले में हुई है। वहीं गुवाहाटी शहर में सबसे ज्यादा नौ लोग घायल हुए हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि प्रकरण की सुनवाई 22 फरवरी से

ठाणे (भाषा)। ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय कार्यकर्ता द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कराए गए मानहानि के मामले में सुनवाई 22 फरवरी से प्रारंभ होगी। इससे पहले मामले में सुनवाई दस फरवरी अर्थात आज से शुरू होनी थी।

भाजपा जिसका दावा करती है, खनन घोटाले पर पीएसी की ऐसी कोई रिपोर्ट है ही नहींः कामत

पणजी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि लोक लेखा समिति (पीएसी) की ऐसी कोई रिपोर्ट मौजूद ही नहीं है, जिसने कथित तौर पर राज्य में 35,000 करोड़ रुपए के खनन घोटाले की ओर इशारा किया है। भाजपा ने कामत पर राज्य के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए कथित घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है। तत्कालीन विपक्ष के नेता मनोहर पर्रिकर ने पीएसी रिपोर्ट का हवाला दिया था, जिसमें कथित तौर पर कामत को घोटाले में आरोपी के रूप में नामित किया गया था। विपक्ष के नेता कामत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य के खान और भूविज्ञान विभाग से उन्हें पीएसी रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराने के लिए कहा था, लेकिन अवर सचिव (विधानमंडल) ने लिखित में उन्हें दिया है कि पीएसी की ऐसी कोई रिपोर्ट मौजूद नहीं है। यहां तक कि इस मुददे पर एक मसौदा रिपोर्ट भी राज्य विधानसभा ने स्वीकार नहीं की थी। वर्ष 2007 और 2012 के बीच गोवा के मुख्यमंत्री रहे कामत 14 फरवरी को दक्षिण गोवा जिले के मडगांव के अपने पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में राज्य विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। कामत ने कहा कि भाजपा ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए 2012 में एक ऐसी रिपोर्ट का हवाला दिया था, जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था। उन्होंने दावा किया, भाजपा अक्सर पीएसी की रिपोर्ट का हवाला देती रही है, जो मौजूद ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा ने मुझ पर घोटाले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। कांग्रेस से बदला लेने के लिए भाजपा ने पूरे खनन उद्योग को बंद कर दिया और लोगों को नुकसान उठाना पड़ा।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/ गारंटर का नाम एवं पता (ऋण खाता संख्या)	प्रवर्तित की जाने वाली प्रत्याभूत आस्ति का वर्णन	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	राजीव जैन/ LADEL00039411261	70 जी एलआईजी पाकेट ए 2, मयूर विहार 3, वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली-110096	27-दिस-21 रू. 3,94,554.00/-	06-07-2021
2.	सुरिन्दर कौर/ SPDEL00037356628	बीजी-5/4-ए डीडीए फ्लैट्स, ब्लॉक बीजी-5, पश्चिम विहार, दिल्ली-110063	27-दिस-21 रू. 2,93,848.00/-	16-04-2021
3.	सिमरनजीत सिंह/ PDEL00037802944	बी-250, एमआईजी फ्लैट्स फेज-4, अशोक विहार, दिल्ली-110052	27-दिस-21 रू. 4,03,434.00/-	11-12-2020
4.	शाहरूख खान/ LADEL00038461741	शाहरूख खान सी 21 गली नंबर 1, गामड़ी एक्सटेंशन, दिल्ली-110053	27-दिस-21 रू. 3,77,229.00/-	31-01-2021
5.	गुरप्रीत सिंह/ LUDEL00037575557	सी-78, तृतीय तल, महिन्द्रू एन्क्लेव, गली नंबर 03, माडल टाउन, आजादपुर, दिल्ली-110033	27-दिस-21 रू. 2,89,746.00/-	11-05-2021
6.	जी कृष्णमूर्ति/ SPDEL00041337363	50, सुधार कैम्प, भू तल, कालकाजी, सुधार कैम्प, नई दिल्ली, कालकाजी पोस्ट ऑफिस, दिल्ली-110019	27-दिस-21 रू. 3,40,746.00/-	31-01-2021
7.	वीरेन्द्र कुमार/ LUDEL00037275284	आरजैड-3, निकट वाल्मीकि चौपाल, मंगोलपुर खुर्द, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 2,72,880.00/-	31-01-2021
8.	प्रशांत भूषण ठाकुर/ SPDEL00040677036	आरजैडएच-801, फ्लैट नंबर -103, यूजीएफ, गली नंबर 13, केनेडी पब्लिक स्कूल, राजनगर-2, पालम कालोनी, बागडोला,, दिल्ली-110077	27-दिस-21 रू. 4,02,043.00/-	03-05-2021
9.	रवि कुमार/ SPDEL00040703479	प्लॉट नंबर 82, द्वितीय तल, गली नंबर 15, जैनरोड भगवती गार्डन एक्सटेंशन, दिल्ली-110059	27-दिस-21 रू. 3,70,347.00/-	11-03-2021
10.	विक्रम साहनी/ SPDEL00040746141	मकान नंबर एस 1 95, ओल्ड महावीर नगर, तिलक नगर, दिल्ली-110018	27-दिस-21 रू. 4,45,904.00/-	30-09-2020
11.	मोहम्मद यासीन बक्टू/ LADEL00039217752	एच नंबर - 2/57, द्वितीय तल, डबल स्टोरी, जंगपुरा, दिल्ली-110014	27-दिस-21 रू. 4,29,259.00/-	12-01-2021
12.	सुमन खंडेलवाल/ SPDEL00038660452	15/13, कल्याण पुरी विल्ला, दिल्ली-110091	27-दिस-21 रू. 2,76,373.00/-	11-06-2021
13.	सुरेन्द्र कुमार राठी/ LADEL00036479962	डी 14/173, द्वितीय तल, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 3,25,149.00/-	31-01-2021
14.	गुलवेज/ LADEL00038275272	ए-92, ओल्ड सीलमपुरी, दिल्ली-110095	27-दिस-21 रू. 3,05,571.00/-	31-01-2021
15.	जय प्रकाश/ LADEL00036768037	मकान नंबर 41-ए, 41-ए, ग्राम तैमूर नगर, नई दिल्ली, दिल्ली-110025	27-दिस-21 रू. 3,78,404.00/-	31-01-2021
16.	गौरव/ LADEL00038580482	पी 106, पिल्लान्जी ग्राम सरोजिनी नगर, दिल्ली-110023	27-दिस-21 रू. 3,18,286.00/-	31-10-2020
17.	गौरव सोलंकी/ LADEL00038284229	बी 918, निकट अमर सिंह मार्किट, संगम विहार, दिल्ली-110062	27-दिस-21 रू. 3,35,247.00/-	31-08-2020
18.	आलोक कुमार झा/ LADEL00038923786	प्लॉट नंबर 49 एफ/एफ, बैक साइड, गली नंबर 2, ब्लॉक ए, दीपक विहार, विकास नगर, दिल्ली-110059	27-दिस-21 रू. 3,11,183.00/-	17-05-2021
19.	संदीप सिंह/ SPDEL00041794298	34, हरि नगर आश्रम, हरि नगर, दिल्ली-110014	27-दिस-21 रू. 3,03,976.00/-	11-02-2021
20.	वर्धमान कार्पोरेट सर्विस प्रोवाइडर्स/ LADEL00037961005	जी/एफ 7/149, रमेश नगर, दिल्ली-110015	27-दिस-21 रू. 3,00,474.00/-	17-05-2021
21.	मोहित गर्ग/ PDEL00038679996	डी-11 ए, तृतीय तल, सिंगल स्टोरी, विजय नगर, दिल्ली-110009	27-दिस-21 रू. 3,39,465.00/-	14-09-2021
22.	भाव विमोर श्रीवास्तव/ LADEL00037156267	मकान नंबर 163, पाकेट -23, सेक्टर-24, रोहिणी यूनिटी अपार्टमेंट, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 3,14,272.00/-	11-07-2021
23.	ईश्वर सिंह/ LAFDB00041989470	निकट शिव मंदिर, कंगनहेड़ी, रोड, सीएचएचए, दिल्ली-110071	27-दिस-21 रू. 5,13,512.00/-	21-08-2021
24.	सीता राम/ LADEL00037683703	मकान नंबर आई-415, जेजे कालोनी, शकूरपुर, दिल्ली-110034	27-दिस-21 रू. 2,77,870.00/-	04-09-2021
25.	विपिन कुमार/ LADEL00039985040	बी-90, हरि नगर, दिल्ली-110064	27-दिस-21 रू. 3,48,042.00/-	14-10-2021
26.	गोपाल जी शर्मा/ LADEL00037306745	ई-01, प्लॉट नंबर 113, सागर सीजीएचएस इंद्रप्रस्थ एक्सटेंशन, दिल्ली-110092	27-दिस-21 रू. 2,72,625.00/-	14-06-2021
27.	विजय/ LUDEL00042409116	चतुर्थ तल, प्लॉट नंबर 54, ब्लॉक सी, सेक्टर-8, द्वारका, दिल्ली-110077	27-दिस-21 रू. 11,75,352.00/-	11-10-2021
28.	गिरीश कुमार/ SPDEL00041641355	ई-20/289, भू तल, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 5,43,645.00/-	31-08-2021
29.	अजय कुमार/ PDEL00037080955	आरजैड-55 ए एस-ब्लॉक, न्यू रोशन पुरा, नजफगढ़, दिल्ली-110043	27-दिस-21 रू. 2,50,203.00/-	09-09-2021
30.	गुलफान अली/ SPDEL00041840884	सी 12 160, यमुना विहार, दिल्ली-110053	27-दिस-21 रू. 3,81,505.00/-	31-08-2021
31.	मुकेश कुमार / LUDEL00037198694	ए 83/243, रोड-4, गली नंबर 6, महीपालपुर, दिल्ली-110037	27-दिस-21 रू. 2,42,043.00/-	31-05-2021
32.	प्रदीप राणा / LUDEL00043049420	61 प्रधान वाली गली, निकट शिव मंदिर, शाहबाद दौलतपुर टेहरी नॉर्थ वेस्ट, दिल्ली-110042	27-दिस-21 रू. 3,76,101.00/-	31-08-2021
33.	मुन्ना शंकर ओझा/ SPDEL00040606950	बी-99/1, बी ब्लॉक, गली नंबर 7, सरूप नगर, बुराड़ी रोड, दिल्ली-110044	27-दिस-21 रू. 2,84,448.00/-	18-08-2021
34.	हर्ष छाबड़ा/ PDEL00042055637	2895/4, गली नंबर 4, चूना मंडी, पहाड़गंज, दिल्ली-110055	27-दिस-21 रू. 5,33,953.00/-	26-04-2021
35.	अर्जुन सिंह/ LADEL00042042396	ए-68, पांडव नगर, दिल्ली गुरूद्वारा, दिल्ली-110092	27-दिस-21 रू. 6,61,557.00/-	27-09-2021
36.	प्रमोद राघव/ PDEL00041268807	बी-117, सुभाष पार्क एक्सटेंशन, उत्तम नगर, निकट काली माता मंदिर दिल्ली-110059	27-दिस-21 रू. 4,11,857.00/-	14-08-2021
37.	रजनी देवी/ LADEL00037421973	420-बी, न्यू डिफेंस कालोनी, गाजियाबाद -201001	27-दिस-21 रू. 2,99,811.00/-	31-05-2021
38.	पुनीत / LADEL00038563159	एच 39, ओल्ड कैम्पस जी बी पंत पोलीटेक्नीक ओखला फेज-3, दिल्ली-110020	27-दिस-21 रू. 2,57,415.00/-	14-10-2021
39.	फिरोज हुसैन संकर/ LADEL00038908013	ए-19, तृतीय तल, ब्लॉक-ए, लाजपत नगर-3, दिल्ली-110024	27-दिस-21 रू. 2,55,815.00/-	14-10-2021
40.	प्रणय शर्मा/ LADEL00038932081	एफ-129, साध नगर, पार्थ गली नंबर 39, पालम सिटी साउथ वेस्ट दिल्ली-110045	27-दिस-21 रू. 3,64,862.00/-	31-10-2020
41.	विजय गुप्ता / LUDEL00043289378	एफ-18/3, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 4,32,225.00/-	09-09-2021
42.	अजय गुप्ता / LADEL00043456433	एफ-18/3, प्रथम तल, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-110085	27-दिस-21 रू. 8,52,930.00/-	31-08-2021
43.	सोनू / LADEL00042115470	एल-2ए/139, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली-110059	27-दिस-21 रू. 4,80,105.00/-	09-08-2021
44.	राहुल राज / LUDEL00042181000	सीए-53-II, टैगोर गार्डन, दिल्ली-110027	27-दिस-21 रू. 4,81,469.00/	06-07-2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 11 फरवरी, 2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

मौद्रिक नीति में उदार रुख से रिवर्स रेपो दर नहीं बढ़ाई : दास

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि रिवर्स रेपो दर में वृद्धि नहीं किए जाने का प्रमुख कारण मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का नीतिगत मामले में उदार रुख बनाए रखना है। दास ने यह भी कहा कि रिवर्स रेपो दर के लिए भारांश औसत दर चार फरवरी को 3.87 प्रतिशत तक रही। जबकि अगस्त, 2021 में यह 3.37 प्रतिशत थी। उन्होंने इसके जरिए संकेत दिया कि रिजर्व बैंक के नकदी संबंधी उपायों से रेपो दर और रिवर्स रेपो दर में अंतर कम हो रहा है।

मौद्रिक नीति से पहले कई विश्लेषक रिवर्स रेपो दर में वृद्धि की उम्मीद कर रहे थे। अगर ऐसा होता, तो इससे स्थिति सामान्य होने का पता चलता। बजट में व्यय में वृद्धि, कच्चे तेल के दाम में तेजी से मुद्रास्फीति के निकट भविष्य में बढ़ने को लेकर चिंता तथा दुनिया के अन्य प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंकों के नीतिगत दर में वृद्धि को इसका कारण बताया जा रहा था। मौद्रिक नीति बयान के बाद दास ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दरें मौद्रक नीति को लेकर रुख को बताती हैं और एमपीसी ने उदार रुख बरकरार रखने का निर्णय किया। उन्होंने कहा, जब रुख वही बना हुआ है, तब हमें दरों में बदलाव का कोई कारण नहीं दिखता। दुनिया के अन्य देशों के केंद्रीय बैंकों के कदम के बारे में दास ने कहा कि सभी मौद्रिक प्राधिकरणों के रुख अलग-अलग होते हैं। यह रुख घरेलू स्थिति पर निर्भर करता है। केंद्रीय बैंक ने भी घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखकर कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति भी महत्वपूर्ण है। यह अलग-अलग देशों में भिन्न है। डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने कहा कि अमेरिका में मुद्रास्फीति दबाव का कारण पुरानी यानी सेकंड हैंड कारों और यूरोप में माल ढुलाई के दाम में बढ़ना है। इससे भारत पर कोई असर नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अन्य देशों के विपरीत भारत में मजदूरी या किराए के स्तर पर कोई महंगाई दर नहीं है। इसका मुख्य मुद्रास्फीति (कोर इनफ्लेशन) में योगदान है। मुद्रास्फीति अनुमान के बारे में पूछे जाने पर दास ने कहा कि 2022-23 में इसके 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। विभिन्न स्थितियों का आकलन कर यह अनुमान लगाया गया है।

हालांकि, उन्होंने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया कि इस आकलन में वैश्विक कच्चे तेल के दाम के बारे में क्या अनुमान रखा गया है। वृद्धि के बारे में दास ने कहा कि प्रक्रिया सकारात्मक है और वास्तव में तेजी आ रही है। लेकिन जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि आंकड़ों पर तुलनात्मक आधार का प्रभाव पड़ता है। इससे आंकड़ा कम या ज्यादा हो सकता है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा है। यह 2021-22 में 9.2 प्रतिशत के पूर्वानुमान से कम है।

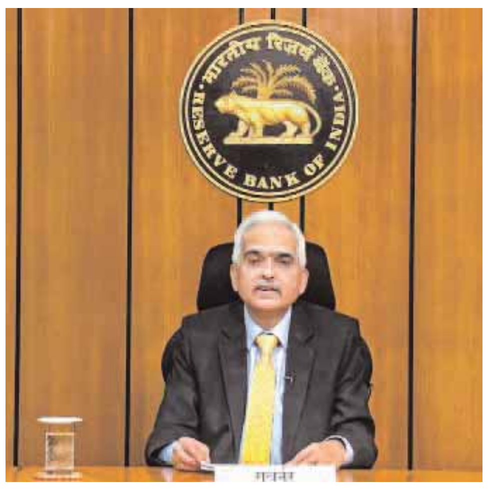

बैंकों से पूंजी बढ़ाने की प्रक्रिया जारी रखने का आह्वान किया

मुंबई (भाषा)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को बैंकों और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) से भविष्य की अनिश्चितताओं का मुकाबला करने के लिए पूंजी बढ़ाने और उपयुक्त बफर बनाने की प्रक्रिया जारी रखने को कहा। उन्होंने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा जारी करते हुए कहा कि आरबीआई बैंक और एनबीएफसी क्षेत्रों पर महामारी के प्रकोप पर नजर रखे हुए हैं, जबकि नियामक के राहत और समाधान के उपाए पूरी तरह काम कर रहे हैं। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने नकदी की कमी को दूर करने, बाजार में भरोसा बहाल करने और वित्तीय बाजार के अन्य क्षेत्रों में संक्रमण रोकने के लिए तेजी से और निर्णायक कदम उठाकर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि महामारी से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है और अब ऋण मांगों को पूरा करने के लिए एक बेहतर स्थिति में है। दास ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के बहीखाते पिछले वर्षों की तुलना में मजबूत है।

क्विक न्यूज

एसीसी ने कन्नूर में चूना पत्थर ब्लॉक की बोली जीती

नई दिल्ली। सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड ने कर्नाटक के कन्नूर में स्थित चूना पत्थर ब्लॉक की बोली जीत ली है। एसीसी ने बृहस्पतिवार को अपनी बोली राशि का खुलासा किए बिना एक बयान में कहा इस खनन ब्लॉक में कंपनी ने 25 करोड़ टन से अधिक चूना पत्थर संसाधनों के होने का अनुमान लगाया है।कंपनी ने बताया कि यह चूना पत्थर ब्लॉक कंपनी के मौजूदा वाडी सीमेंट संयंत्र के काफी करीब है। स्विट्जरलैंड की भवन निर्माण सामग्री कंपनी होल्सिम समूह (पहले लाफार्जहोल्सिम) की अनुषंगी कंपनी एसीसी ने कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में स्थित ब्लॉक की ई-नीलामी में भाग लिया था। एसीसी ने कहा, कर्नाटक सरकार के खान और भूविज्ञान विभाग ने एसीसी को कर्नाटक मे कन्नूर के वाडी क्षेत्र मे स्थित चूना पत्थर ब्लॉक के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया है।

दिसंबर तिमाही में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि 80 प्रतिशत बढ़कर 3.4 गीगावॉट हुई

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता मे बढ़ोतरी दिसंबर, 2021 की तिमाही के दौरान 80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.4 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) रही है।सीईईडब्ल्यू-सीईएफ ने एक बयान में बताया कि सीईईडब्ल्यू सेंटर फॉर एनर्जी फाइनेंस (सीईईडब्ल्यू-सीईएफ) मार्केट हैंडबुक के ताजा संस्करण के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान गैर-पन (हाइड्रो) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर 3.4 गीगावॉट हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि मे 1.9 गीगावॉट थी। यह नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता मे वृद्धि मे करीब 80 प्रतिशत के उछाल को दर्शाता है। बयान मे कहा गया कि दिसंबर से पिछली तिमाही (जुलाई से सितंबर) मे नई गैर-पन नवीकरणीय क्षमता वृद्धि आपूर्ति श्रृंखला संबंधी अवरोधो के कारण 27 फीसदी गिर गई थी। दिसंबर तिमाही मे नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता मे जो कुल वृद्धि हुई है उसमे से 92 प्रतिशत सौर ऊर्जा है। इसमे कहा गया कि क्षमता मे कुल वृद्धि की बात करें, तो इस अवधि मे ऊर्जा क्षेत्र मे 4.5 गीगावॉट की जो क्षमता जोड़ी गई उसमे से 75 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा है।

सेबी की निवेशक संरक्षण एवं शिक्षा कोष समिति का पुनर्गठन, महालिंगम बने प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशक संरक्षण और शिक्षा कोष (आईपीईएफ) पर सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया है। यह समिति निवेशकों को शिक्षित करने और उनके संरक्षण की उन गतिविधियों के बारे में सुझाव देती है, जिसे नियामक खुद या किसी एजेंसी के जरिए कर सकता है। अब इस आठ सदस्ईय समिति के चेयरमैन सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य जी महालिंगम होंगे। सेबी की वेबसाइट पर डाली गई सूचना से यह जानकारी मिली है। इससे पहले इस समिति के प्रमुख भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-अहमदाबाद) के पूर्व प्रोफेसर अब्राहम कोशी थे। इसके अलावा समिति में विजय कुमार वेंकटरमन (एनसीडीईएक्स के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं सीईओ), मृण अग्रवाल (फिनसेफ इंडिया के संस्थापक) को शामिल किया गया है। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ए बालसुब्रमण्यम और ब्रांड-बिल्डिंग.कॉम के संस्थापक एम जी परमेश्वर समिति में सदस्य के तौर पर बने रहेंगे। समिति में सेबी के कार्यकारी निदेशक जी पी गर्ग, मुख्य महाप्रबंधक एन हरिहरन और जयंत जैश भी शामिल है। सेबी ने निवेशक संरक्षण एवं शिक्षा कोष के बेहतर इस्तेमाल के तौर-तरीके सुझाने को 2013 में इस समिति का गठन किया था।

तिरुपुर में निर्यातकों ने नीतिगत दर को यथावत रखने पर आरबीआई की सराहना की

कोयंबटूर । तिरुपुर निर्यातक संघ (टीईए) ने बृहस्पतिवार को नीतिगत दर को यथावत रखने के लिए आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को धन्यवाद दिया। टीईए के अध्यक्ष राजा एम षणमुगम ने एमपीसी को धन्यवाद देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास से एक अक्टूबर 2021 से लागू पिछली तारीख से ब्याज समान्ईकरण योजना को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने यहां एक बयान में कहा तिरुपुर निटवेअर क्लस्टर के मुकाबले में बने रहने के लिए इस योजना की सख्त जरूरत है।

एनएसई की सूचीबद्ध कंपनियों में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर में रिकॉर्ड 7.32 प्रतिशत पर

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध कंपनियो मे खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर मे 7.32 प्रतिशत के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। मूल्य के हिसाब से यह हिस्सेदारी 18.98 लाख करोड़ रुपए रही है। एक रिपोर्ट मे यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बड़े पैमाने पर 38,521 करोड़ रुपए की निकासी के कारण संस्थागत शेयरधारिता मे कुल मिलाकर गिरावट आई। प्राइम डाटाबेस ग्रुप की पहल प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, एनएसई मे सूचीबद्ध कंपनियो मे खुदरा हिस्सेदारी दिसंबर मे 7.32 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो सितंबर मे 7.13 प्रतिशत पर थी। इसके अलावा, रुपए के संदर्भ मे खुदरा शेयरधारकों का मूल्य 18.98 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्चस्तर को छू गया है। यह सितंबर मे 18.16 लाख करोड़ रुपए था। इसमे 4.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार,यह विश्लेषण एनएसई मे सूचीबद्ध कुल।,768 कंपनियो मे से।,714 के शेयरधारिता के तरीके पर आधारित है।

आरबीआई विदेशी निवेशकों के लिए स्वैच्छिक रिटेंशन मार्ग के तहत सीमा एक लाख करोड़ बढ़ाएगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की रुचि को देखते हुए स्वैच्छिक रिटेंशन मार्ग (वीआरआर) की सीमा को एक लाख करोड़ रुपए बढ़ाकर 2.50 लाख करोड़ रुपए किया जाएगा। वीआरआर पहल का मकसद एफपीआई के लिए देश के बांड बाजार में निवेश को सुगम बनाना है। इसके जरिए बांड बाजार में किए गए निवेश एफपीआई के निर्धारित नियमों से मुक्त होते हैं। हालांकि एफपीआई को स्वेच्छा से अपनी रुचि के हिसाब से निवेश का एक जरूरी न्यूनतम प्रतिशत बनाए रखने की जरूरत होती है। दास ने कहा कि सरकारी और कॉरपोरेट ऋण प्रतिभूतियों में एफपीआई निवेश के लिए वीआरआर की वृद्धि एक अप्रैल से लागू होगी। उन्होने कहा कि पहले वीआरआर के तहत निवेश के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपए की निवेश सीमा तय की गई थी।दास ने आगे कहा कि वीआरआर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के चलते यह बढ़ोतरी की जा रह है। गौरतलब है कि यह कदम ऐसे वक्त मे उठाया गया है, जब विकसित बाजारो मे दरें तेज होने से अन्य बाजारो मे निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है।

मौद्रिक नीति में रिजर्व बैंक के नरम रुख से बाजार को मिली रफ्तार

सेंसेक्स 460 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)

नीतिगत ब्याज दरों को यथावत रखने और आर्थिक पुनरुद्धार को गति देने वाला उदार रुख जारी रखने के रिजर्व बैंक के फैसले से उत्साहित शेयर बाजारों के दोनों प्रमुख सूचकांक बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से भी घरेलू शेयर बाजारों को मजबूती मिली। बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 460 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई का निफ्टी एक बार फिर 17,600 अंक के स्तर को पार कर गया।

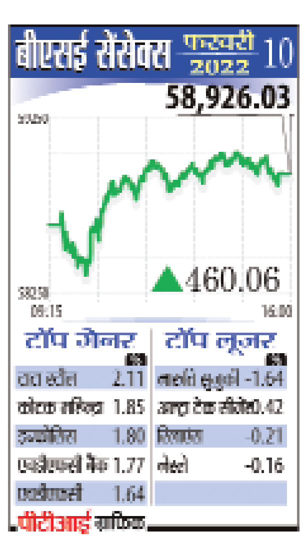

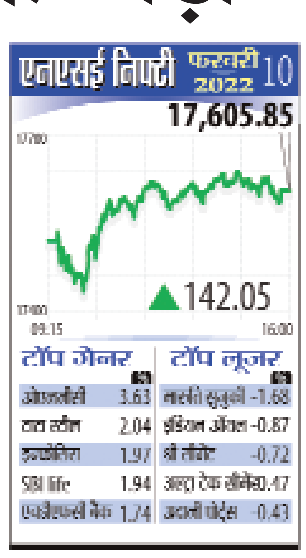

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगातार तीसरे कारोबारी दिन लाभ में रहा। सेंसेक्स 460.06 अंक यानी 0.79 प्रतिशत चढ़कर 58,926 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 142.05 अंक यानी 0.81 प्रतिशत बढ़कर 17,605.85 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील 2.11 प्रतिशत वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में रही। इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और पावरग्रिड के शेयर भी फायदे में रहे। सेंसेक्स में सिर्फ चार कंपनियों में शेयर ही नुकसान में रहे। मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों को 1.64 प्रतिशत तक का नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजारों में भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से रेपो दर को स्थिर बनाए रखने के फैसले का अनुकूल असर देखा गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि महामारी से अर्थव्यवस्था के उबरने में मदद के लिए वह सहयोगी भूमिका निभाना जारी रखेगा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 5.3 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में इसके 4.5 फीसदी रहने की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर के 7.8 प्रतिशत रहने का भी अनुमान जताया है। शेयर बाजारों को मौद्रिक नीति समिति के ए अनुमान पसंद आए। इसके अलावा उन्हें सकारात्मक वैश्विक बाजारों से भी समर्थन मिला। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजारों ने मजबूत वैश्विक संकेतों और सकारात्मक आरबीआई नीति से मिली रफ्तार को कायम रखा। बाजार को नीतिगत दरों में थोड़े बदलाव को अपेक्षा थी लेकिन केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति एवं आर्थिक वृद्धि के प्रति उदार रुख बनाए रखकर अचंभित किया। नायर ने कहा कि वैश्विक बाजारों ने अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होने के पहले तेजी का रुख दिखाया।

जूलियस बेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं वरिष्ठ परामर्शदाता उन्मेश कुलकर्णी ने कहा कि रिजर्व बैंक ने इस नीतिगत समीक्षा के दौरान आश्चर्यजनक रूप से नरम सुर कायम रखा है। उन्होंने कहा, ओमीक्रोन लहर से अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों का जिक्र करने के साथ ही आरबीआई मुद्रास्फीति कम करने के बजाय आर्थिक पुनरुद्धार को तेज करने पर ज्यादा जोर दे रहा है। निकट भविष्य में बाजार की नजर इस पर होगी कि केंद्रीय बैंक अगले वित्त वर्ष में उधारी बढ़ने से किस तरह निपटेगा। पूंजीगत उत्पादों को छोड़कर बीएसई के सभी खंडों के सूचकांक बढ़त पर रहे।

ऊर्जा, धातु, बैंक, वित्त और सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक सकारात्मक रहे। बीएसई का मिडकैप एवं स्मालकैप खंड 0.30 प्रतिशत तक बढ़ा। वैश्विक बाजार अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े आने के पहले बढ़त पर रहे। एशियाई बाजारों में शंघाई, हांगकांग, सियोल और तोक्यो के बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं यूरोप के शेयर बाजार दोपहर के सत्र में सकारात्मक दिशा में नजर आए। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत बढ़कर 91.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतर-बैंकिंग विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसा टूटकर 74.94 प्रति डॉलर रहा। इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाल बने हुए हैं। शेयर बाजार से मिले आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को एफआईआई ने 892.64 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

आरबीआई ने आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नकदी सुविधा की अवधि 30 जून तक बढ़ाई

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 50,000 करोड़ रुपए की नकदी सुविधा तीन महीने यानी 30 जून, 2022 तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया। आरबीआई ने पिछले साल मई में तीन साल की अवधि के लिए रेपो दर पर सदा-सुलभ नकदी व्यवस्था की घोषणा की थी। इसका मकसद कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े बुनियादी ढांचा तथा सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए नकदी उपलब्ध कराना था। इस योजना के तहत बैंकों को तेजी से कर्ज देने को लेकर प्रोत्साहित करने के लिए कर्ज को 31 मार्च, 2022 तक प्राथमिक श्रेणी के अंतर्गत रखा गया था।

क्रिप्टो करेंसी वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा: शक्तिकांत

मुंबई भाषा

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को साफ किया कि निजी क्रिप्टो करेंसी वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा है तथा इन मोर्चों पर चुनौतियों से निपटने की उसकी क्षमता इससे कमजोर होती है। साथ ही गवर्नर ने निवेशकों को आगाह करते कहा कि ऐसी संपत्तियों में कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है, यहां तक कि एक ट्यूलिप के बराबर भी नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पहले भी ऐसी संपत्तियों पर अपनी चिंता जता चुका है। लेकिन इस बार यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि हाल में आम बजट में ऐसी संपत्तियों पर हुए लाभ पर 30 प्रतिशत कर लगाने की बात कही गई है। क्रिप्टो हितधारकों ने इस कदम का स्वागत किया था, क्योंकि इससे उनके व्यापार को वैधता मिलती है। दास ने संवाददाताओं से कहा, निजी क्रिप्टो करेंसी या आप इसे जिस नाम से पुकारते हैं, यह हमारी वृहत आर्थिक स्थिरता और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा है। वे वित्तीय स्थिरता और व्यापक आर्थिक स्थिरता से जुड़े मुद्दों से निपटने की आरबीआई की क्षमता को कमजोर करेंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों को सावधान करना उनका कर्तव्य है, और उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने जोखिम पर निवेश कर रहे हैं। दास ने आगे कहा, उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि क्रिप्टोकरेंसी में कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है, यहां तक कि एक ट्यूलिप के बराबर भी नहीं।

गति सीमा पर अधिसूचना को रद्द करने वाले फैसले के खिलाफ केंद्र ने दायर की अपील

नई दिल्ली (भाषा)

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने राजमार्गों पर वाहनों की गति सीमा को 120 किमी प्रति घंटे तय करने वाली अधिसूचना को रद्द करने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की है। गडकरी ने आगे कहा कि वह एक विधेयक को अंतिम रूप देना चाहते हैं जिसे विभिन्न श्रेणियों की सड़कों के लिए वाहनों की गति सीमा को संशोधित करने के लिए संसद में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले साल मद्रास उच्च न्यायालय ने राजमार्गों पर वाहनों के लिए गति सीमा के 120 किमी प्रति घंटे की केंद्र सरकार की अधिसूचना को रद्द कर दिया था। मंत्री ने कहा, सड़कों की विभिन्न श्रेणियों के लिए वाहनों की गति सीमा क्या होनी चाहिए, इस पर एकमत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न श्रेणियों की सड़कों के लिए वाहनों की गति सीमा में तालमेल बैठाने की जरूरत है। पिछले साल गडकरी ने कहा था कि वह एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा को 140 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा था कि जहां राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार लेन की सड़कों पर गति सीमा कम से कम 100 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए, वहीं दो लेन की सड़कों और शहर की सड़कों के लिए 80 किमी प्रति घंटे और 75 किमी प्रति घंटे होनी चाहिए।

प्रमाणित हरित इमारतों के मामले में भारत तीसरे स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली। यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (यूएसजीबीसी) की सालाना सूची में भारत 2021 में एलईईडी प्रमाणित हरित इमारतों के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इस सूची में पहले स्थान पर चीन और दूसरे पर कनाडा है। अमेरिका को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है लेकिन वह एलईईडी के लिए विश्व का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। एलईईडी प्रमाणन का मतलब ऊर्जा एवं पर्यावरण अनुकूल डिजाइन के मामले में अगुआ रहना है। यह व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली हरित इमारत रेटिंग प्रणाली है। लगभग सभी प्रकार की इमारतों के लिए उपलब्ध एलईईडी स्वास्थ्य अनुकूल, प्रभावी और किफायती हरित इमारतों के लिए रूपरेखा देती है।

पेज एक का शेष

भाजपा शासन...

हो जाते। प्रधानमंत्री ने समाजवादी पार्टी को घोर परिवारवादी, दंगावादी और माफियावादी करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह लोग अब चुनाव में राष्ट्र विरोधियों को अपना प्रस्तावक तक बना रहे हैं। मोदी ने यहां एक चुनावी रैली में मुजफ्फरनगर और सहारनपुर दंगों का जिक्र करते हुए कहा, मुजफ्फरनगर में जो हुआ वह तो कलंक था ही, यहां सहारनपुर में जो कुछ हुआ था वह भी खौफनाक था। तब राजनीतिक संरक्षण में लोगों को कैसे निशाना बनाया जाता है, सहारनपुर का दंगा इसका प्रमाण है। ऐसी ही करतूतों के कारण 2017 में आप लोगों ने दंगावादियों को सबक सिखाया और उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त करने में योगी जी को सफलता मिली, लेकिन आप यह मत समझना कि यह दंगावादी और परिवारवादी सुधर गए हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, सहारनपुर के दंगों के बड़े गुनहगार को अब इन माफियावादियों ने इस चुनाव में अपना साथी बना लिया है। यह सिर्फ सहारनपुर की ही बात नहीं है, पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन लोगों ने चुन-चुन कर अपराधियों को मैदान में उतारा है। हालत तो यह है कि ये लोग अब राष्ट्र विरोधियों को अपना प्रस्तावक तक बना रहे हैं। इनका इरादा आप जरूर समझिए।

अपने पदाधिकारी...

है। मंच के संस्थापक एवं आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने एक वीडियो संदेश में कहा कि हिजाब को लेकर जारी विवाद देश के सौहार्द्र एवं शांति में खलल डालने की कुछ कट्टर लोगों के नापाक मंसूबों का एक बर्बर चेहरा है। उन्होंने हिजाब विवाद से जुड़े पूरे प्रकरण की गहन जांच की भी मांग की। इससे पहले दिन में, मंच के प्रांत संचालक (अवध) अरूण सिंह ने कहा था कि पर्दा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा था, वह हमारे समुदाय की बेटी और बहन है, हम इस संकट के समय में उसके साथ खड़े हैं। मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने एक बयान में कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ना तो मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, ना ही इसके मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार इस तरह की किसी चीज का समर्थन करते हैं।

हिजाब मुद्दा...

जाता है और उनसे सहयोग करने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति दीक्षित ने बुधवार को इस मामले को मुख्य न्यायाधीश अवस्थी के पास इस राय के साथ भेज दिया था कि मुख्य न्यायाधीश मामले पर गौर करने के लिए बड़ी पीठ के गठन का फैसला कर सकते हैं। हिजाब विवाद पिछले दिनों उडुपी में शुरू हुआ था जब कुछ छात्राओं को महाविद्यालयों में हिजाब पहनकर आने से रोक दिया गया। इसके बाद हिंदू छात्र भगवा गमछा लेकर स्कूल-कॉलेज आने लगे। बाद में राज्य के अन्य स्थानों पर भी पक्ष-विपक्ष में प्रदर्शन होने लगे। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को नेताओं समेत सभी से आग्रह किया कि वे कॉलेज में हिजाब पहन कर आने के मुद्दे पर लोगों को भड़काने वाले बयान न दें और शांति कायम रखें।

`उप्र में...

गया थौ। उन्होंने बताया कि गोवर्धन विधानसभा सीट के राधाकुंड क्षेत्र में कुछ विवाद था, लेकिन इसे उपजिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी ने सुलझा लिया।सपा-रालोद कार्यकर्ताओं पर हमले को लेकर माठ तहसील के सामने सपा-रालोद प्रत्याशी संजय लाठर और माठ थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के बीच तीखी नोकझोंक हुई। माठ विधानसभा क्षेत्र से सपा-रालोद उम्मीदवार संजय लाठर ने कहा, हम चुनाव आयोग और मथुरा के पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत दर्ज कराएंगे कि रालोद-सपा के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा है। मथुरा में भी एक दूल्हा अपनी दुल्हन को शादी के बाद अपने घर ले जाने से पहले अपने मताधिकार करने सीधे मतदान केंद्र पर पहुंच गया। सदर बाजार निवासी ईशान पांडेय की शादी बुधवार को एक मैरिज होम में हुई और सुबह दुल्हन को लेकर घर जाने से पहले ज्ञान ज्योति जूनियर हाईस्कूल बूथ पर जाकर मताधिकार का इस्तेमाल किया।

लखीमपुर खीरी...

है। एकल पीठ ने अपने आदेश में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट व पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों के बयान का भी जिक्र किया है। पीठ ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि यदि अभियोजन की पूरी कहानी को स्वीकार किया जाए तो स्पष्ट है कि घटनास्थल पर हजारों प्रदर्शनकारी मौजूद थे। ऐसे में यह भी संभव है कि ड्राइवर ने बचने के लिए गाड़ी भगाई हो और यह घटना घटित हो गई हो। इस घटना में पांच लोगों की मौत जबकि 13 लोग घायल हुए हैं। पीठ ने कहा है कि थार गाड़ी में बैठे तीन लोगों की हत्या को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। केस डायरी के साथ मौजूद फोटोग्राफ्स से पता चलता है कि ड्राइवर हरिओम मिश्र, शुभम मिश्र और श्याम सुंदर की हत्या प्रदर्शकारियों ने कितनी निर्दयता से की है। पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से भी यह तर्क दिया गया था कि प्रदर्शनकारियों में कई लोग तलवार और लाठियां लेकर जमा थे। यह भी दलील थी कि एसआईटी ने ऐसा कोई भी साक्ष्य संकलित नहीं किया है जिससे यह साबित हो सके कि आशीष मिश्र ने गाड़ी चढ़ाने के लिए उकसाया हो।

देश में...

ने आरोप लगाया था कि सरकार भले ही अमृत काल की बात कर रही है, लेकिन असल में इस सरकार के तहत यह अंधकाल है। वित्त मंत्री ने थरूर की इस टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में अंधकाल निश्चित तौर पर था, लेकिन वह सिर्फ कांग्रेस की वजह से था। वर्ष 1991 में हमारा विदेशी मुद्रा भंडार दो सप्ताह तक का ही बचा था, जो अंधकाल था। इससे पहले आपातकाल के समय भी अंधकाल था। सीतारमण ने कहा कि संप्रग सरकार, खासकर इसके दूसरे कार्यकाल में महंगाई दहाई अंकों में थी, वह भी निश्चित तौर पर अंधकाल था। कोयला घोटाला था, 2जी घोटाला था, अंतरिक्ष-देवास घोटाला था। रोजाना सुबह के अखबार में भ्रष्टाचार की खबरें आती थीं। नीतिगत पंगुता थी।

डिजिटल मुद्रा...

सभी केंद्रीय बैंक इस दिशा में बेहद सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। इस मौके पर रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर ने कहा कि सीबीडीसी लाने के लिए जरूरी कानूनी संशोधन होने के साथ ही आरबीआई पायलट एवं साक्ष्य के स्तर पर आगे बढ़ सकता है।

विदेश से...

अड्डे से उन्हें बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पहले से अनिवार्य सात-दिनों तक घर पर पृथक-वास में रहने के बजाय सभी यात्री अपने आगमन के बाद 14 दिनों तक अपने स्वास्थ्य की स्वयं निगरानी करेंगे। मंत्री के अनुसार, नेगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट (यात्रा से 72 घंटे पहले ली गई) को संबद्ध एयर सुविधा पोर्टल पर अपलोड करने के अलावा, पारस्परिक आधार पर देशों से प्रदान किए गए पूर्ण प्राथमिक कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के पूरा होने के प्रमाण पत्र अपलोड करने का विकल्प भी होगा। मंत्रालय ने ऐसे 82 देशों की सूची जारी की है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग, सिंगापुर, सऊदी अरब, इजराइल, बांग्लादेश, ईरान, नेपाल, मेक्सिको और नीदरलैंड शामिल हैं। खतरे वाले देशों और अन्य देशों के संबंध में निर्धारण (डिमार्केशन) को हटा दिया गया है। इसके साथ ही खतरे वाले देशों से आगमन पर नमूने देने और जांच रिपोर्ट आने तक इंतजार करने जैसे नियम को समाप्त कर दिया गया है। मांडविया ने ट्वीट किया कि आठवें दिन आरटी-पीसीआर जांच कराने और उसे एअर सुविधा पोर्टल पर अपलोड करने की जरूरत को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिशा निर्देश 14 फरवरी से प्रभावी हो जाएंगे। इनका पालन करें, सुरक्षित रहें और कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत का हाथ मजबूत करें। आगमन के बाद जांच के दौरान संक्रमण के लक्षण पाए जाने वाले यात्रियों को तुरंत पृथक किया जाएगा और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुसार अस्पताल ले जाया जाएगा। यदि जांच में संक्रमण की पुष्टि होती है, तो उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जाएगी। दिशानिर्देश में कहा गया है कि यदि ऐसे यात्रियों में संक्रमण की पुष्टि होती है, तो उनके नमूनों को आगे चलकर कोरोना वायरस के स्वरूपों के जीनोम अनुक्रमण और वायरस भिन्नता का अध्ययन एवं निगरानी करने वाली संस्था इनसाकॉग प्रयोगशाला नेटवर्क में जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जाएगा और मानक प्रोटोकॉल के अनुसार इलाजापृथक किया जाएगा।

केरल, मिजोरम

अब भी बढ़ हैं और इसलिए सतर्कता बरतने की जरूरत है। पॉल ने कहा कि केंद्र ने कहा कि केरल में दैनिक संक्रमण दर 29.57 प्रतिशत है, जो अत्यधिक है। वहीं मिजोरम में 26.5 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 11.79 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 12 प्रतिशत और सिक्किम में 17 प्रतिशत संक्रमण दर भी चिंता का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, वर्तमान में, 141 जिलों में संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक और 160 जिलों में संक्रमण दर पांच से 10 प्रतिशत के बीच है। देश में गुरुवार को एक दिन में कोविड-19 के 67,084 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,24,78,060 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 7,90,789 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से 1,241 और लोगों की मौत के बाद, संक्रमण से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5,06,520 हो गई।

कोविड से...

अभियान चलाया था। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि पत्र सूचना कार्यालय को प्राप्त आवेदनों के आधार पर और पत्रकार कल्याण स्कीम के तहत मानदंड पूरा करने वाले 123 पत्रकारों के परिवारों को 2020-21 और 2021-22 के दौरान प्रति परिवार पांच लाख रुपए की दर से 6.15 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता अनुमोदित की गई है।

ब्रिटेन व रूस के विदेश मंत्री ने की चर्चा

● यूक्रेन संकट

भाषा। मॉस्को

यूक्रेन संकट में कमी लाने और कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर जोर डालने के मद्देनजर चर्चा के लिए रूस पहुंची ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक की।

रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों की तैनाती के साथ ही इस क्षेत्र में सैन्य युद्धाभ्यास शुरू किया है। हालांकि, रूस का कहना है कि उसकी अपने पड़ोसी पर हमले की कोई योजना नहीं है। लिज ने एक बार फिर रूस को चेताया कि पड़ोसी यूक्रेन पर हमला करने के गंभीर परिणाम होंगे और इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने रूस से अनुरोध किया कि वह यूक्रेन की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का सम्मान करने के अपने अंतरराष्ट्रीय समझौते की प्रतिबद्धता का पालन करे। बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाने वाले लावरोव ने भी दो टूक कहा कि पश्चिमी देश मॉस्को को उपदेश नहीं दें। लावरोव ने कहा, वैचारिक दृष्टिकोण और अंतिम चेतावनी के रास्ते आगे नहीं बढ़ा जा सकता। बैठक के बाद ब्रिटिश विदेश मंत्री ने एक बार फिर आह्वान किया कि रूस अपने सैनिकों को वापस सैन्य अड्डों को भेजे।

हालांकि, लावरोव ने इस मांग को अनुचित करार देते हुए खारिज कर दिया और पूर्वी यूरोप में जमे ब्रिटिश और नाटो सैनिकों की ओर उंगली उठाई। लावरोव ने कहा, रूसी क्षेत्र से रूस के सैनिकों को हटाने की मांग खेदजनक है। हम किसी को धमकाना नहीं चाहते बल्कि हम खुद खतरे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी नेताओं पर अपने देश में राजनीतिक लाभ लेने के लिए यूक्रेन के मामले पर हो-हल्ला खड़ा करने का आरोप लगाया।

जॉनसन ने संकट को एक खतरनाक क्षण में प्रवेश करने का जिक्र किया

मास्को। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन संकट पिछले कुछ दशकों में यूरोप के सर्वाधिक खतरनाक क्षण में प्रवेश कर गया है। ब्रिटेन की शीर्ष राजनयिक ने अपने रूसी समकक्ष के साथ वार्ता की है, जिन्होंने कहा कि क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) पश्चिमी देशों के लेक्चर नहीं सुनेगा। इसबीच,यूक्रेन के उत्तर में स्थित बेलारूस में रूसी सैनिकों की सैन्य गतिविधियां देखने को मिली। वहीं, यूक्रेन की सीमा के पास रूस के एक लाख से अधिक सैनिकों का जमावड़ा है। इस बीच, बृहस्पतिवार को ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स का एक लड़ाकू विमान 350 सैनिकों को लेकर पोलैंड में उतरा। जॉनसन ने ब्रसेल्स में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) मुख्यालय में कहा, पिछले कुछ दशकों में यूरोप द्वारा सामना किए गए सबसे बड़े सुरक्षा संकट में यह संभवत: सर्वाधिक खतरनाक क्षण है। जॉनसन बाद में पोलैंड के प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। जॉनसन ने कहा कि उनका मानना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अब तक यह निर्णय नहीं लिया है कि यूक्रेन के साथ क्या किया जाएगा। नाटो महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि उन्होंने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को एक पत्र भेज कर यूरोपीय सुरक्षा बढ़ाने पर सिलसिलेवार वार्ता का न्योता दिया है। लावरोव ने ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज ट्रस के साथ मास्को में अपनी वार्ता के दौरान सख्त लहजे का इस्तेमाल किया।

प्रिंस विलियम का यूएई की यात्रा में जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर जोर

भाषा। दुबई

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम ने बृहस्पतिवार को यूएई की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा शुरू की। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों को रेखांकित किया है। प्रिंस विलियम की यात्रा ब्रिटेन और यूएई के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विलियम के दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलने की उम्मीद है, जो दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के बेटे हैं। पिछले एक साल में शेख मोहम्मद के तलाक के मामलों की सुनवाई ब्रिटिश अदालतों में हुई है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने 1979 में पहली बार संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था, जबकि प्रिंस चार्ल्स की अंतिम यात्रा 2016 में हुई थी। यूएई में 1,00,000 से अधिक ब्रिटिश नागरिक रहते हैं।

यूएई के एक पार्क में छात्रों से पर्यावरण पर बातचीत करते ब्रिटेन के प्रिंस विलियम

म्यांमा में फिल्मकार को गिरफ्तार किया गया

बैंकॉक। म्यांमा मे एक पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक को गिरफ्तार कर लिया गया है। करीब एक साल पहले उन्हे वांछितो की सूची मे रखा गया था। निर्देशक के एक सहकर्मी और स्थानीय मीडिया ने बृहस्पतिवार को उनकी गिरफ्तारी की खबर दी। उन पर आरोप है कि उन्होने सैन्य शासन के विरुद्ध प्रदर्शन मे शामिल होने के लिए सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। सहकर्मी ने गिरफ्तारी के डर से नाम उजागर नही करने की शर्त पर बताया कि हतुन जौ विन, जिनका पेशेवर नाम वाइन है, को बुधवार को यांगून स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। वाइन को म्यांमा मोशन पिक्चर संगठन की ओर से सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले के कई पुरस्कार मिल चुके है।

राजकुमार चार्ल्स कोरोना वायरस से संक्रमित

लंदन। ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है, जिसके चलते वह पृथक-वास मे है। उनके कार्यालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शाही घराने के आधिकारिक ट्विटर पेज पर जारी संदेश मे कहा गया कि चार्ल्स बृहस्पतिवार सुबह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है और उन्हें विनचेस्टर का अपना दौरा रद्द करना पड़ा है। इसके अलावा, तत्काल अन्य विवरण साझा नही किया गया है। तिहत्तर वर्षीय चार्ल्स ने बुधवार शाम को ब्रिटिश संग्रहालय मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान कई लोगो से मुलाकात की थी।

हिंद–प्रशांत की घटनाओं से इस शताब्दी का रुख तय होगा: ब्लिंकन

कैनबरा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की चिंताओ के बावजूद अमेरिका का ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र मे अपने दीर्घकालिक हितो पर केंद्रित है। ब्लिंकन इस समय ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न मे है जहां शुक्रवार को उनके ऑस्ट्रेलियाई, भारतीय और जापानी समकक्षो के साथ एक बैठक होनी है। यह चार देश, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशो के गठबंधन क्वाड का हिस्सा है जिसे चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से बनाया गया था। ब्लिंकन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन मे कहा, दुनिया मे अभी कुछ अन्य प्रकार की चीजे चल रही है। रूस द्वारा यूक्रेन पर संभावित आक्रमण हमारे लिए एक चुनौती है। हम उस पर 24 घंटे सात दिन काम कर रहे है। उन्होने कहा, लेकिन हमे पता है कि राष्ट्रपति किसी और से अधिक इस बात को समझते है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र मे जो कुछ भी घटेगा उससे इस शताब्दी का रुख तय होगा। ब्लिंकन ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र विश्व मे सबसे ज्यादा तेजी से विकास करने वाला क्षेत्र है जहां से पिछले पांच साल मे वैश्विक अर्थव्यवस्था मे हुई वृद्धि का दो तिहाई हिस्सा आया।

कोविड–19 : फिलीपीन ने विदेशी यात्रियों पर दो साल से लगे प्रतिबंध हटाए

मनीला (फिलीपीन)। फिलीपीन ने कोविड के मामलो मे गिरावट के मद्देनजर, विदेशी यात्रियो के देश मे प्रवेश पर लगभग दो साल से लगाए गए प्रतिबंध को बृहस्पतिवार को हटा लिया। इससे पर्यटन तथा उससे जुड़े उद्योग को संजीवनी मिल सकती है। फिलीपीन के साथ वीजा-मुक्त व्यवस्था वाले 157 देशो के यात्री, जो टीके की दोनो खुराक ले चुके है, वे फिलीपन आ सकते है और आगमन पर उनके लिए पृथक-वास मे रहने की अनिवार्यता नही होगी। देश की सरकार ने जोखिम के वर्गीकरण की व्यवस्था भी खत्म कर दी है जिसके कारण अधिक संक्रमण वाले देशो से आने वाले यात्रियो पर पाबंदी थी। पर्यटन सचिव बेरना रोमूलो पूयात ने कहा, महामारी के प्रभाव से उबरने मे हम नया अध्याय लिखेगे।

मुंबई हमले और पठानकोट आतंकी हमले के पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने लंबे समय से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का दंश झेला है और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों द्वारा अंजाम दिए गए 2008 के मुंबई आतंकी हमले तथा 2016 के पठानकोट आतंकी हमले के पीडितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। भारत के दूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यह कहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने बुधवार को सुरक्षा परिषद में आतंकवादी कृत्यों के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा विषय पर भारत की इस दृढ़ मान्यता को दोहराया कि दुनिया के एक भी हिस्से में आतंकवाद यदि है तो वह समूची दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश के रूप में जिसे 2008 के मुंबई आतंकी हमले और 2016 के पठानकोट आतंकी हमले सहित सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतना पड़ा है, भारत आतंकवाद की मानवीय कीमत से अवगत है और इन आतंकी हमलों के साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन दोनों नृशंस हमलों के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है।

आईएसआईएस के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट पर भारत ने जताई निराशा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने आईएसआईएस को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की उस रिपोर्ट पर निराशा जताई है, जिसमें पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के बीच करीबी संबंध होने का जिक्र नहीं किया गया है, जबकि नई दिल्ली ने इसे लेकर लगातार चिंता जताई है। अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए आईएसआईएस द्वारा उत्पन्न खतरे और इससे निपटने में सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र के सहयोग पर यूएन महासचिव की 14वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 अगस्त को अफगानिस्तान में सुरक्षा परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया, जब तालिबान ने एक सैन्य अभियान के बाद काबुल सहित पूरे मुल्क पर कब्जा कर लिया। खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस काबुल में खुद को मुख्य प्रतिरोधक बल के तौर पर स्थापित करना चाहता है और पड़ोसी मध्य एवं दक्षिण एशियाई देशों में विस्तार कर रहा है। तालिबान इसे अपने मुख्य सशस्त्र खतरे के तौर पर देखता है। यूएन महासचिव की रिपोर्ट को लेकर बुधवार को आतंकी गतिविधियों से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न खतरों पर सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग में यूएन में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, भारत बार–बार दोहराता आया है कि लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद सहित अन्य प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के बीच गहरे रिश्ते हैं।

जस्टिन टूडो ने कोविड-19 संबंधी पाबंदियों पर अपना रुख स्पष्ट किया

टोरंटो (कनाडा)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने देश में कोविड–19 से निपटने के लिए लगाई गईं पाबंदियों के खिलाफ जारी प्रदर्शन के बीच बुधवार को पाबंदियां के पक्ष में अपना रुख स्पष्ट किया। कोविड–19 संबंधी पाबंदियों और टीकाकरण की अनिवार्यता के खिलाफ ट्रक मालिकों के प्रदर्शन के कारण अमेरिका और कनाडा के बीच सबसे व्यस्त सीमा के आंशिक रूप से बाधित होने की वजह से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

कोविड-19 से 2020 में उबरे एक तिहाई बुजुर्गों में नई जटिलताएं सामने आईं

भाषा। बोस्टन (अमेरिका)

अनुसंधान पत्रिका बीएमजे में प्रकाशित एक अवलोकन अध्ययन में दावा किया गया है कि 2020 में कोविड–19 से उबरे लगभग एक तिहाई बुजुर्गों में कम से कम एक नई जटिलता की स्थिति विकसित हुई, जिसमें प्रारंभिक संक्रमण के बाद के महीनों में चिकित्सा की आवश्यकता होती है। अमेरिका में ऑप्टम लैब्स और हार्वर्ड टी एच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि ऐसी स्थितियों में हृदय, गुर्दे, फेफड़े और यकृत समेत कई प्रमुख अंगों एवं प्रणालियों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य जटिलताएं शामिल हैं।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Mr. Padam Kumar Aggarwal** (hereinafter referred to as the said Mortgagors/Borrowers) is purchasing **Property No. 40, area measuring 275 Sq. yds., Block- B**, Situated in the layout plan of Jhilmil Tahirpur residential scheme, known as Vivek Vihar Phase-I, Illaqa Shahdara, Delhi- 110095 from Mr. Parveen Chawla and Mr. Harish Chawla who became owners of the said floor **vide Relinquishment Deed dated** 20.07.2021, sub-registrar-IVB Vivek Vihar, as Document No. 5575, Volume No. 2700, Book no. 1, Page No. 99-103, on 22.07.2021 **executed by** Mrs. Neelam Abrol and Mrs. Sushma Khungar. Now, **Mr. Padam Kumar Aggarwal** has agreed to create mortgage in respect of the said property in favour of our clients **IDFC FIRST Bank Limited**. Further, if any person, body, individual, institution having any claim, title, interest and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at below mentioned address within 10 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 10 days shall not be binding upon the said property or my Client& in case anyone has any objection, the same may be raised within 10 days of this publication to **Mr. Muneesh Dhawan/Mr. Sudhir Jain (Advocates)**, Law Veritas, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at (M). 9066707172/9818228636

PUBLIC NOTICE

I, Anita Chugh D/o Late Sh. Rochilal Arora R/o 3260, 2nd Floor, Ranjit Nagar, South Patel Nagar, New Delhi, do hereby solemnly affirm and declare. That I, the above executant applying for the registration of WILL dated 17.02.2021 of my sister Late Ms. Chander Prabha Arora after her death. That Ms. Chander Prabha Arora D/o Late Rochilal Arora R/o A-113, Anand Vihar, Delhi-110092, as testator executed Will on dated 17 Feb. 2021. She appointed to me as executor of WILL. Who had expired on 24.04.2021. That I hereby notify for Public at Large that aforesaid WILL DEED dated 17.02.2021 executed by Late Ms. Chander Prabha Arora, is to be registered in the office of Sub-Registrar VIII Geeta Colony, Delhi through me after the death of testator.

It is therefore notified that anybody claiming any rights, share, claim, title, interest of lien over the aforesaid WILL may file such claim or objection to the undersigned within a period of 07 days from the date of Publication of this Notice, Failing which the claim of any person will be considered to have been waived off and /or abandoned and will deed shall be registered and applicable with immediate effect.

Anita Chugh

PUBLIC NOTICE

To be known to all that we, [1] **Sh. Naveen Gupta S/o Late Shri Anand Prakash Gupta & [2] Krishna Gupta W/o Late Shri Anand Prakash Gupta both R/o DDA MIG Flat No. 28-B, Ground Floor, Block R, Dilshad Garden, Delhi-110095** purchaser of DDA MIG Flat No. 28-B,Ground Floor, Block R, Dilshad Garden,Delhi-110095 has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e. Possession Letter, Site Possession Slip & NOC for Electricity and water connection of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch, Delhi, vide SO **No. 430/2014, LR No. 117036/2022 on 10.02.2022.** Any person(s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write / contact with above named person at above address/phone no.9910892216 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest,objections with respect to this property can personally inform or write to:- **Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

सन एन सैण्ड चिट्स प्राइवेट लिमिटेड

बंदी सूचना

पता – 318, दुर्गा चैम्बर्स 1333 डीबी गुप्ता रोड करोल बाग, नई दिल्ली
बंदी की तिथि – 28–12–2021
मोबाइल : 9811011200

स्लोवाकिया ने अमेरिका के साथ रक्षा सैन्य समझौते को मंजूरी दी

भाषा। ब्रातिस्लावा

स्लोवाकिया की संसद और राष्ट्रपति ने बुधवार को अमेरिका के साथ एक रक्षा सैन्य समझौते को मंजूरी दे दी। रक्षा सहयोग समझौता 150 सीटों वाली संसद में चार–दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के सांसदों के बीच 60 के मुकाबले 79 मतों से पारित किया गया। यह समझौता अमेरिकी सेना को मलाकी–कुचियाना और स्लिएक दो स्लोवाक वायु सेना अड्डों का 10 वर्षों के लिए उपयोग करने की अनुमति देता है, जबकि स्लोवाकिया को आधुनिकीकरण के लिए अमेरिका से 10 करोड़ अमेरीकी डॉलर मिलेंगे। अमेरिका की तरह स्लोवाकिया भी नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) का सदस्य है। इस समझौते पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और स्लोवाकिया के रक्षा मंत्री जारोस्लाव नाद ने तीन फरवरी को वाशिंगटन में हस्ताक्षर किए थे। स्लोवाकिया की राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा ने बुधवार को इसे मंजूरी दी। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने की आशंका के बीच स्लोवाकिया की संसद में इसके लिए मतदान हुआ।

रूस ने यूक्रेन की सीमाओं के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, लेकिन लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि उसकी हमला करने की कोई योजना नहीं है। यूरोपीय संघ के देश स्लोवाकिया की सीमा यूक्रेन से सटी हैं। इस समझौते को प्रधानमंत्री एडुआर्ड हेगर की सरकार का समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने कहा कि यह हमारी सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। हालांकि, विपक्ष ने इस समझौते का जमकर विरोध किया, जो दावा करता है कि यह देश की संप्रभुता से समझौता करता है, स्लोवाक क्षेत्र पर अमेरिकी सैनिकों की स्थाई उपस्थिति संभव बनाता है और यहां तक कि स्लोवाकिया में परमाणु हथियारों की संभावित तैनाती को भी संभव बनाता है। स्लोवाकिया और अमेरिकी सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है।

कर्नाटक हिजाब विवाद में पाक ने भारतीय दूतावास प्रभारी को किया तलब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारत के दूतावास प्रभारी (चार्ज डी अफेयर्स) को यहां विदेश मंत्रालय में तलब किया और कर्नाटक में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को लेकर सरकार की गंभीर चिंता से अवगत कराया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारतीय राजनयिक को भारत में मुसलमानों के खिलाफ कथित धार्मिक असहिष्णुता, नकारात्मक रूढ़िवादिता, कलंक और भेदभाव को लेकर पाकिस्तान की गहरी चिंता से अवगत कराया गया। बयान के अनुसार, इस बात पर जोर दिया गया कि भारत सरकार को कर्नाटक में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के दोषियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए और मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए। पाकिस्तान के कई मंत्रियों ने कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद को लेकर चिंता व्यक्त करने के बाद विदेश मंत्रालय की ओर से यह बयान जारी किया गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि मुसलमान लड़कियों को शिक्षा से वंचित करना मौलिक मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद हुसैन ने कहा कि भारत में जो चल रहा है वह भयावह है।

PUBLIC NOTICE

My Client, Mr. Bidhi Chand Sharma, resident of RZ-60A/2, Gali No. 8 & 9, Tuglakabad Extn.,New Delhi-19 hereby disown and sever all of his relations with his son Mr. Pradeep Kumar for his bad behaviour and misconduct. That my client has also debarred and disowned his son from all of his moveable or immovable properties located in Delhi and Himachal Pradesh, and anyone interacting or dealing with Mr. Pradeep Kumar will do so at his/her/their own risk & responsibilities and my client shall not be responsible for any act, deed or dealings done by Mr. Pradeep Kumar.

Achin Sharma (Advocate)
Regd. No. D/5425/2021
Ph. : 9650865007

बिक्री/नीलामी सूचना

कार देखो 59 ब्राण्ड न्यू ह्युंडई कारों की नीलामी 16 फरवरी को आयोजित कर रही है।
सभी कारें बाढ़ प्रभावित हैं, जो बिंदल ह्युंडई, रूदरपुर में खड़ी हैं।

कार माडल	माडल की गिनती
अलकाजार	1
ऑन न्यू आई 20	17
ऑरा	2
क्रेटा	4
ग्रैंड आई 10 निओस	18
सैन्ट्रो	5
वेन्यू	10
वेरना	2
महायोग	59

अधिक जानकारी और कारों के निरीक्षण के लिए, कृपया श्री अमित वर्मा मोबाइल नंबर – 9051077709 पर सम्पर्क करें अथवा लिंक **https://auctions.cardekho.com/#/auction-of-59-flood-affected-hyundai-cars** देखें।

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, शाल टावर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

सार्वजनिक सूचना

बिल्डर निरसन

आपको सूचना दी जाती है कि वीणा रानी/प्रमोद कुमार/मयंक शर्मा (कर्जदार/रों) ने सुविधा अनुबंध संख्या एलबीएनओडी00002866079 तथा पता फ्लैट नंबर –802, 8वां तल, टावर–डी, वैलेनोवा पार्क, प्लॉट नंबर – सीपी जी 05 ए, सेक्टर टेकजोन–4, ग्रेटर नोएडा, नोएडा के माध्यम से आवास ऋण सुविधा प्राप्त की है।
कर्जदार अनुबंध के नियम एवं शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदात्मक राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।
बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 28 जनवरी, 2022 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि हवेलिया बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतएव आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।
कृपया आगे सूचित हों कि उक्त सम्पत्ति का आबंटन निरस्त होने के बाद आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किसी अन्य आबंटन के लिए बाध्य तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान : दिल्ली/एनसीआर — वास्ते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
दिनांकित : 11–02–2022 — हस्ता./–

अमेरिका के राष्ट्रीय अभिलेखागार ने न्याय विभाग से ट्रंप के खिलाफ जांच करने को कहा

● मीडिया रिपोर्ट में दावा

भाषा। वाशिंगटन

वाशिंगटन पोस्ट अखबार में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रीय अभिलेखागार और दस्तावेज प्रशासन ने न्याय विभाग से कहा है कि वह इस बात की जांच करे कि क्या पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दस्तावेजों को रखने और उनकी निगरानी से संबंधित संघीय कानून का उल्लंघन किया है? हालांकि, एसोसिएटेड प्रेस इस खबर की स्वतंत्र पुष्टि नहीं कर सकता है। अभिलेखागार प्रशासन ने जांच की अनुशंसा उन खबरों के सामने आने के बाद की है जिसमें कहा गया था कि

ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए दस्तावेजों को सहेज कर रखने और उनकी निगरानी के लिए बने कानून प्रेसीडेंशियल रिकॉर्ड्स एक्ट का उल्लंघन किया और यहां तक कि कई दस्तावेजों को नष्ट कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के प्रतिनिधि द्वारा फ्लोरिडा के मार–ए–लागो संपत्ति में दस्तावेजों का पता लगाए जाने के बाद उन्हें 15 डिब्बों में रखकर राजधानी लाया गया। इसकी पुष्टि राष्ट्रीय अभिलेखागार ने भी की है। इस बीच, पिछले साल छह जनवरी को कैपिटल (अमेरिकी संसद परिसर) में हुए दंगे की जांच कर रही कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की समिति ने ट्रंप के पूर्व सहयोगी एवं व्हाइट हाउस के पूर्व कारोबार सलाहकार पीटर नवारो को बुधवार को समन किया। पीटर पर वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली के झूठे दावे का प्रसार करने का आरोप है।

प्रीमियम मर्चेण्ट्स लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : ओमेक्स स्क्वायर, प्लॉट नंबर 14, 5वां तल, जासोला डिस्ट्रिक्ट सेंटरजासोला, नई दिल्ली–110025
सीआईएन : एल51909डीएल1985पीएलसी021077, फोन : +91 11–61119658
ई–मेल आईडी : premiummerchants123@gmail.com, वेबसाइट:www.pmltd.in

31 दिसम्बर, 2021 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में)

		तिमाही समाप्त			नौ माह समाप्त		वर्ष समाप्त
		31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	30.09.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2021 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2020 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2021 (लेखापरीक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	5.82	56.44	38.04	80.27	95.07	91.51
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	4.98	54.20	37.54	75.17	90.87	85.28
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	4.98	54.20	37.54	75.17	90.87	85.28
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	3.83	41.02	28.86	58.65	69.08	66.40
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	3.84	41.02	28.85	64.09	73.15	360.07
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रत्येक)	99.80	99.80	99.80	99.80	99.80	99.80
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि लेखावर्ष 2020–21 के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	-	-	-	6,189.05
8	प्रति शेयर अर्जन (रू.) (अंकित मूल्य रू. 10/– प्रत्येक)						
	1. मूल	0.38	4.11	2.89	5.88	6.92	6.65
	2. तनुकृत	0.38	4.11	2.89	5.88	6.92	6.65

नोट :–
1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षा) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। अलेखापरीक्षित परिणामों का पूर्ण प्रारूप कम्पनी की वेबसाइट www.pmltd.in पर तथा स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट www.msei.in पर उपलब्ध है।
2) विस्तृत अलेखापरीक्षित परिणाम तथा यह संक्षिप्त विवरण लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित किए गए थे और निदेशक मंडल द्वारा उनकी दिनांक 10 फरवरी, 2022 को आयोजित बैठक में अनुमोदित किए गए थे।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते प्रीमियम मर्चेण्ट्स लिमिटेड
हस्ता./–
बलबीर सिंह
निदेशक
डीआईएन : 00027438

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 10–02–2022

तनाव से जूझें

यदि तनाव को हमारे अस्तित्व के लिए सहायक माना गया था, तो यह हमारे जीवन के लिए हानिकारक क्यों हो गया? सवाल उठाती हैं पायल आनंद। पेश हैं उनकी पुस्तक के संपादित अंश :

एक बार, एक संस्थानगत आचरण की कक्षा में, मैंने अपने छात्रों से पूछा, ''वह क्या चीज है जो आपको कक्षा में बैठे अन्य लोगों के समान बनाती है?'' उनके इस जवाब ने कि, ''तथ्य यह है कि हम सभी तनावग्रस्त और उदास हैं।'' मुझे झकझोर दिया। हालांकि यह सचमुच अजीब लगा था, मगर असलियत में ऐसा नहीं है।

अपनी एक शोध परियोजना के लिए, मैं विशेष रूप से थोड़ा और गहराई में जाना चाहती थी और समझना चाहती थी कि क्या तनाव का प्रबंधन वास्तव में युवा कामकाजी पेशेवरों के लिए एक व्यापक मुद्दा है। मैंने लगभग 450 कामकाजी पेशेवरों से पूछा, ''काम पर आपको सबसे ज्यादा क्या परेशान करता है?'' तो प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के बाद, क्लाउड विश्लेषण शब्द के परिणामस्वरूप पांच प्रमुख रुझान देखे गए। कार्य-जीवन की सीमाओं का विघटन और इसके परिणामस्वरूप तनाव उन प्रमुख टिप्पणियों में से एक था जो लगातार सामने आया। अगले कुछ रुझान जो सबसे अलग थे, वे थे हताशा और शारीरिक व मनोवैज्ञानिक थकावट पैदा होना। उदासी और अकेलेपन की समग्र भावना अंतिम दो थे जिन्होंने शीर्ष पांच प्रवृत्तियों को पूरा किया। सच कहूं तो ये रुझान मुझे चकित नहीं करते। वे सभी मनोविज्ञान में भारी चर्चा वाले विषय रहे हैं। हालांकि, यदि आप ध्यान दें, तो उपरोक्त सभी मसलों के लिए सामान्य भाजक है तनाव। काम हमारे लिए तनावपूर्ण हो सकता है यदि हम पर्यावरण में ऐसी बहुत अधिक चुनौतियों, दावों और खतरों को देखते हैं जिनसे हम निपटने में सक्षम नहीं हैं।

एक आकस्मिक दिन की कल्पना करें जब आपके बॉस ने आपको बोर्ड के सदस्यों के सामने एक त्वरित प्रस्तुति देने के लिए कहा। या आपने उस ग्राहक से बुरी खबर सुनी जिसके लिए आप तैयार नहीं थे। क्या ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियों में आप अपने शरीर में अचानक से हड़बड़ी महसूस करते हैं? आपकी सांसें भारी हो जाती हैं, चेहरा पीला पड़ जाता है और/ या आपको आंत या पैरों में अचानक कमजोरी महसूस होती है। क्या आप अचानक अधिक चौकस हो जाते हैं और आपकी आंखें फैल जाती हैं? हम सब करते हैं। जब हम किसी जानलेवा स्थिति को देखते हैं तो यह हमारे शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। यह लड़ने या भागने की हमारी शारीरिक प्रतिक्रिया है, जिसे तीव्र तनाव प्रतिक्रिया के रूप में भी जाना जाता है। या तो हम लड़ते हैं, दूसरे शब्दों में, स्थिति का सामना करते हैं, या हम भाग जाते हैं, अर्थात स्थिति से बचते हैं। दोनों परस्पर अलग और अलग-अलग संरचनाएं हैं। लड़ने या भागने को खतरों के साथ प्रत्यक्ष मुकाबला करने वाले तंत्र के रूप में माना जा सकता है, जो किसी ऐसी चीज की प्रतिक्रिया है जो मानसिक या शारीरिक रूप से भयानक है। इस घटना के पीछे एक विकासवादी व्याख्या है। हमारे पूर्वज विभिन्न प्रकार के खतरों से घिरे रहते थे जिनमें विशाल जानवरों के हमले भी शामिल थे। यह जीवन या मृत्यु का मामला था। चूंकि उनका पूरा जीवन खतरनाक प्रजातियों से घिरा हुआ था, इसलिए बेहतर ढंग से जीवित रहने के लिए, उन्होंने लड़ने या भागने का मुकाबला करने का तंत्र विकसित किया। यह बोध हममें अभी भी बहुत अधिक बरकरार है। इस तंत्र के माध्यम से, एक बार जब हमारा मस्तिष्क किसी जानलेवा स्थिति को भांप लेता है, तो वह उससे निपटने के लिए तैयार हो जाता है। इस संबंध में 'तनाव' मस्तिष्क के लिए एक संकेतक का कार्य करता है, जो तब एक तनाव हार्मोन जारी करता है, जिसका उद्देश्य हममें एक चेतावनी पैदा करना है। हमारे पूर्वजों की मेहरबानी है कि, हमारे पास तनाव का सामना करने की स्थिति में खुद को शारीरिक और जैविक रूप से तैयार करने का एक तंत्र है। या तो इसने उनके शरीर को रुकने और खतरे से निपटने के लिए तैयार किया (यानी, लड़ाई) या सुरक्षा के लिए भागने के लिए (यानी, पलायन)।

> हमारे पूर्वजों की मेहरबानी है कि हमारे पास तनाव का सामना करने की स्थिति में खुद को शारीरिक और जैविक रूप से तैयार करने का एक तंत्र है। या तो इसने उनके शरीर को रुकने और खतरे से निपटने के लिए तैयार किया या सुरक्षा के लिए।

तनाव को पारंपरिक रूप से परिभाषित करने का तरीका इसकी आधुनिक परिभाषा के बिल्कुल विपरीत है। पुरानी परिभाषाओं ने स्पष्ट रूप से सकारात्मक अर्थ का संकेत दिया जो उस समय तनाव से जुड़ा था। यह जानना पेचीदा है कि तनाव शारीरिक या मानसिक खतरे के खिलाफ एक जैविक घटना थी जो हमारे खिलाफ काम करने के बजाय हमारे पक्ष में (हमें खतरों से सावधान करने के लिए) काम करने के लिए बनाई गई थी। हालांकि, तनाव की आधुनिक परिभाषा घटना की वर्तमान व्याख्या के बारे में बहुत कुछ कहती है। समकालीन विद्वान इसे 'भावनात्मक तनाव और दबाव की भावना' के रूप में परिभाषित करते हैं। चौंकाने वाला, है ना? आधुनिक जीवन ने उन घटनाओं और प्रक्रियाओं की हमारी समझ को विकृत कर दिया है जिन्हें कभी मानव जाति के लिए एक उपहार माना जाता था। वास्तव में, ''जीवन-खतरा बनने वाली स्थितियों'' की परिभाषा पूरी तरह से बदल गई है। आजकल साथियों से अनबन, बॉस से वाद-विवाद, खो देने का डर, नकारे जाने का डर, बहिष्करण या अज्ञात दबाव आदि कई बातें हमें तनाव देती हैं। वास्तव में, हमने कई ''आधुनिक'' मुद्दों का निर्माण किया है जो हमें तनाव देते हैं।

कई साल पहले, हमने इस नोट पर शुरुआत की थी कि तनाव सकारात्मक है और हमारे अस्तित्व के लिए सहायक है। हालांकि, जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, हमने कभी लोगों को यह कहते नहीं सुना कि तनाव सकारात्मक है। हम आमतौर पर लोगों को यह कहते हुए सुनते हैं, ''तनाव हमारे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद बुरा है,'' ''तनाव जीवन के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हो सकता है,'' और ''खुद को चीजों पर जोर न दें।'' निस्संदेह तनाव वर्तमान समय में मनोदैहिक बीमारियों के सबसे सामान्य कारणों में से एक बन गया है। उच्च तनाव स्तर से हृदय रोग, जीवनशैली संबंधी विकार (जैसे हाइपोथायरायडिज्म), यौन रोग, स्ट्रोक और क्या क्या मसले नहीं होते हैं। यदि तनाव को हमारे अस्तित्व के लिए सहायक माना जाता था, तो यह हमारे जीवन के लिए हानिकारक क्यों हो गया?

ध्यान दें कि पिछले कुछ वर्षों में, हमारा शरीर हर बार खतरे का सामना करने पर एक निश्चित तरीके (लड़ने या भागने) का जवाब देने के लिए विकसित हुआ है। चाहे वह किसी जानवर का हमला हो या नोमोफोबिया, जिसे हम अपने लिए 'खतरनाक' या 'तनावपूण' के रूप में परिभाषित करते हैं, वह पूरी तरह से हम पर निर्भर है। हमारा शरीर उसी के अनुसार प्रतिक्रिया करेगा। यह दुखद है कि, वर्तमान समय में, ''वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी'' का पुरस्कार न मिलना भोजन के लिए शिकार करने और खुद को आदमखोरों से बचाने के बराबर है। तो, किसे दोष देना है? यह एक सहज वास्तविकता है, कि हम अपने जीवन में तीव्र तनाव के महत्व को पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं। दुर्भाग्य से, हमने पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है कि ग्राहकों/ बॉस/सहयोगियों के साथ गरमागरम बहस या दो घंटे अतिरिक्त काम, जो हमने दूसरे दिन मुफ्त में किया था, जीवन का सहज हिस्सा हैं। ये घटनाएं, किसी भी तरह से हमारे लिए तनाव का स्रोत नहीं हैं और नहीं बननी चाहिए। इन घटनाओं को हमारे जीवन को नियंत्रित नहीं करना चाहिए। हम वास्तव में इसे पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं।

-सेज पब्लिकेशंस इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक मास्टरिंग बिहेवियर: मैनेजिंग सेल्फ एंड अदर्स से लेखिका पायल आनंद से अनुमति लेकर प्रकाशित पुस्तकांश

हमारे लिए कोरोना का विदाई संदेश

प्रमोद पाठक

कोई दो साल पहले भगवान ने मुझे आपकी दुनिया का दौरा करने का निर्देश दिया था। आपके तरीकों से नाखुश, भगवान ने मुझे आपको यह समझाने के लिए निर्देशित किया कि दैवीय व्यवधान क्या है। आप प्रकृति के तरीकों में हस्तक्षेप कर रहे थे, और अपने अहंकार को पोषित करने के लिए सभी प्रकार के गड़बड़ियां पैदा कर रहे थे। आपने जीवन के नए तरीके के रूप में गड़बड़ियों की वकालत की, यह घोषणा करते हुए कि यह अगली बड़ी बात थी। आपने सोचा था कि आपके पलायनो से भगवान नाराज नहीं होंगे और आप उस सब से बच सकते हैं। लेकिन भगवान के धैर्य ने रास्ता दिया। इस प्रकार मुझे सेवा में लगाया गया। एक बार फिर आपके कार्यों ने सर्वशक्तिमान के क्रोध को न्यौता किया। पहले भी आपके बेलगाम तरीकों ने ईश्वर को मेरे अन्य भाइयों को भेजने के लिए विवश किया था कि तुम अपने मार्ग को सुधारो। सदियों से ऐसा होता आ रहा है। लेकिन आप चीजों को आसानी से भूल जाते हैं। एक बार फिर आपने भगवान के क्रोध को आमंत्रित किया। शायद तुम 100 साल पहले मेरे एक चचेरे भाई द्वारा की गई तबाही को भूल गए हो। आपने जो विनाश किया है, उसे ईश्वरीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है और मुझे सेवा में लगाया गया। चूंकि आपके कार्य भगवान द्वारा बनाई गई इस अद्भुत व्यवस्था के संतुलन को बिगाड़ते हैं, इसलिए उनके पास कोई विकल्प नहीं था। वह चाहता था कि आप यह महसूस करें कि वे सभी लाभ और नेमतें जो आप मनुष्य के रूप में प्राप्त करते हैं, वह आपका अधिकार नहीं है, बल्कि आपको ईश्वर की कृपा से प्रदान किये गये हैं। चूंकि आपको जो कुछ भी मिला है वो आपको जीवन में ईश्वर से उपहार के रूप में दिया गया है, लेकिन आप ईश्वर की कृपा को स्वीकार करने और अपने कार्यों में कृतज्ञता दिखाने में विफल रहे हैं, इसलिए मुझे परमात्मा के एजेंट के रूप में उतरना पड़ा। मेरा मिशन था कि आप अपने तौर-तरीकों को सुधारें और ऐसा व्यवहार करें जैसे आपको एक इंसान होने के नाते करना चाहिए था। लेकिन आपने प्रकृति की उदारता के साथ छेड़छाड़ की, अपनी कामुक संतुष्टि के लिए उनकी रचनाओं को नष्ट कर दिया, यहां तक कि अपने ही भाइयों के साथ गंदा खेल किया। मेरा हस्तक्षेप ईश्वरीय इच्छा थी कि आपको अपनी गलतियों का एहसास कराएं। मुझे नहीं पता कि मैं अपने कार्य को पूरा करने में कहां तक सफल रहा हूँ, लेकिन जैसा कि आपको समझना चाहिए, मेरा धैर्य भी समाप्त हो रहा है। आपकी दुनिया में बीमारी और तबाही के कारण बीमार और थका होने के कारण, मैं छोड़ कर जाना चाहता हूं।

परमेश्वर जो बुनियादी सबक देना चाहता है उसे सीखने के लिए दो साल का समय लंबा है और अगर आप अभी भी नहीं समझ पाए हैं, तो यह आपका चुनाव है। मेरा अनुभव बताता है कि अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है लेकिन सवाल यह है कि कितना और समय दिया जा सकता है। भगवान सदियों से आपको सही और गलत के बीच भेदभाव करने का एहसास कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी भी सीमाएं हैं। अतीत की उन कई महामारियों का केवल अल्पकालिक प्रभाव था, आप बिना पछतावे के हमेशा की तरह व्यापार का सहारा लेते थे। पाषाण युग से मैंने देखा है कि आप बहुत ज्यादा नहीं बदले हैं। वही पुराना मानव स्वभाव इस बार भी। जब आप अपने गोत्र को नष्ट होते हुए देखते हैं, तब भी आपका लोभ दूर नहीं होता है और आपका अहंकार आपको अविवेक की ओर धकेलता रहता है। इन दो वर्षों में जब मैं आपके साथ रहा, तो मुझे एहसास हुआ कि इतनी तबाही और मौत के बावजूद, कुछ ऐसे भी हैं जो चाहते हैं कि मैं यहां रहूं। उनके लिए मेरी उपस्थिति सूरज न चमकने पर भी घास काटने का अवसर बन गई। कइयों की बैलेंस शीट लाभदायक हो गई। कइयों के खजाने भर गए, कई ने नए व्यवसाय बनाए और कई सम्राट बन गए, जिन्होंने सारी शक्ति को हड़प लिया, और खुद को मसीहा के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन अब समय आ गया है कि मुझे विदा होना चाहिए। मैं आप लोगों से केवल इतना ही कह सकता हूं कि वही बनो जो परमेश्वर चाहता था कि तुम हो। और भगवान से, जब मैं उनसे मिलूंगा तो, अगली बार बेहतर किस्मत के लिए कहूंगा।

फलने फूलने के लिए लचीलापन आवश्यक

अनामिका यदुवंशी का कहना है कि असफलताओं से निराश न हों। बल्कि, कड़ी मेहनत करें और अगला तार्किक कदम उठाते रहें..........

यह कठिन हो सकता है, लेकिन परिवर्तन अपरिहार्य है। इसके प्रभाव से बचने का एकमात्र तरीका लचीला होना है। आपका लचीलापन वापसी करने के अवसरों को बढ़ा सकता है। बदले में, आप महसूस करेंगे कि आप अपने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के मामले में और मजबूत हुए हैं। निम्नलिखित युक्तियों का उपयोग करके अपना लचीलापन बनाएं:

- **परिवार, दोस्तों या संरक्षक की सहायता प्रणाली जुटाएं:** संकट के समय में अपने आस-पास देखभाल करने वाले, मददगार लोगों का होना एक सुरक्षात्मक कारक हो सकता है। ऐसे लोगों का होना जरूरी है जिन पर आप भरोसा कर सकें। किसी मित्र या किसी प्रियजन के साथ किसी स्थिति की चर्चा करने से परेशानी दूर नहीं होगी, यह आपको अपनी भावनाओं को साझा करने, समर्थन प्राप्त करने, सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने और इसके साथ निपटने के समाधान के साथ उभरने का अवसर देता है।
- **अपना खयाल रखें :** जब आप किसी संकट से गुजर रहे हों, तो आप अपनी बुनियादी जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं। ठीक से खाना न खाना, व्यायाम , खुद को सुव्यवस्थितं रखने के लिए व्यायाम, योग या शारीरिक गतिविधि न करना या शायद पर्याप्त नींद न लेना, ये सभी प्रकार संकट की प्राकृतिक प्रतिक्रियाएं हैं। लेकिन ऐसा करने से समाधान नहीं होगा। बल्कि चीजें और खराब हो सकती हैं। जब आप बुरे समय से जूझ रहे हों तब भी अपने आत्म-पोषण कौशल के निर्माण पर ध्यान दें। उन गतिविधियों को करने के लिए समय निकालें जिनमें आपको आनंद आता हो। अपनी स्वयं की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए, आप अपने संपूर्ण स्वास्थ्य और लचीलेपन को बढ़ावा दे सकते हैं और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्णतया तैयार हो सकते हैं। अवकाश लें और अच्छी तरह से भोजन करें, अच्छा मनोरंजन या लंबी ड्राइव आपको प्रेरित कर सकती है और आपको एक नया दृष्टिकोण दे सकती है। प्रतिरोधक तंत्र के रूप में शराब, निकोटीन या कैफीन का प्रयोग न करें। इन तरीकों का दीर्घकालिक उपयोग आपकी समस्याओं को और बढ़ा देगा।
- **लक्ष्य बनाएं :** लचीले लोग संकट को अधिक यथार्थवादी ढंग से देखते हैं और इससे निपटने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने का प्रयास करते हैं। किसी बुरी स्थिति से निपटना भारी पड़ सकता है और व्यक्ति भ्रमित हो जाता है। लक्ष्य बनाना और चीजों से एक-एक करके निपटना किसी संकट से निपटने का एक व्यावहारिक और यथार्थवादी तरीका हो सकता है। लक्ष्य निर्धारित करना और लक्ष्य प्राप्ति के तरीकों के बारे में सोचना संक्रमणकालीन हो सकता है और आपको अज्ञान से नई चीजों की ज्ञान-प्राप्ति की ओर ले जा सकता है।
- **अपने समस्या समाधान कौशल का विकास करें:** अध्ययन से पता चलता है कि जो लोग किसी समस्या के समाधान के साथ उभरने में सक्षम होते हैं, वे अन्य की तुलना में समस्याओं का सामना करने में अधिक सक्षम होते हैं। जब भी आप किसी नई चुनौती का सामना करें, तो उससे निपटने के संभावित तरीकों की एक त्वरित सूची बनाएं। विभिन्न रणनीतियों के साथ प्रयोग करें और सामान्य समस्याओं के माध्यम से चलने के लिए तार्किक तरीके विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करें। यदि आप नियमित रूप से समस्या समाधान कौशल का अभ्यास करते हैं, तो आप गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।
- **कार्रवाई करें :** किसी संकट के स्वयं दूर होने की प्रतीक्षा करने से ही वो संकट अधिक समय तक टिका रह जाता है। अत्यधिक चिंतन और सुरक्षित पक्ष पर योजना बनाने से भी मदद नहीं मिल सकती है। ऊपरोक्त सभी सुझावों को पढ़कर, बस एक कार्य योजना बनाएं और कार्रवाई करें क्योंकि कार्रवाई आपको परिणाम देगी, अति चिंतन नहीं। संकट को हल करने की दिशा में काम करने के लिए छोटे कदम उठाएं और हर बार आपकी छोटी प्रगति आपको अगला कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगी, हालांकि कभी-कभी, कुछ कार्य विफल हो सकते हैं लेकिन वे असफ्ल नहीं होंगे, यह अनुभव और सीख होगी। असफलताओं से निराश न हों, कड़ी मेहनत करें और अगला तार्किक कदम उठाते रहेंगे तो आप अपने लिए सबसे अच्छा लचीला संस्करण होंगे!

लेखक एक जीवन प्रशिक्षक और प्रेरक उपचारक हैं।

सकारात्मकता के लिए जप करें

अजीत कुमार बिश्नोई का कहना है कि राम नाम का जाप प्रभावी रूप से नकारात्मक विचारों को रोकता है, अगर इसे से मन से किया जाए

नाम जपना एक अत्यंत प्राचीन प्रथा है। भगवान कृष्ण ने इसका उल्लेख भगवद गीता के श्लोक 10.25 में किया है। जप दो प्रकार से किया जाता है। एक है ओम नम: शिवाय मंत्र का जाप, और दूसरा है राम जैसा नाम जपना। आश्चर्य की बात यह है कि भगवान शिव, जो स्वयं भगवान के अवतार हैं, केवल राम का जाप करने में लीन रहते हैं। वह, वास्तव में, इस संबंध में मानक के एक महान प्रस्तोता हैं। भगवान कृष्ण कहते हैं, ''एक श्रेष्ठ व्यक्ति जो कुछ भी करता है, दूसरे लोग उसी का पालन करते हैं। एक आम आदमी जो भी मानक स्थापित करता है, उसका अनुकरण करने की कोशिश करता है। (3.21) भगवान हनुमान - भगवान राम के एक महान भक्त, नियमित रूप से राम का जप करने वाले एक और उपासक हैं। बल्कि उनके सभी कार्य 'जय श्रीराम' से शुरू होते हैं।

तुलसीदास द्वारा रचित श्री रामचरितमानस से राम शब्द कितना शक्तिशाली है, आइए, इसका अनुमान लगाते हैं। नारद और भगवान रामचंद्र के बीच प्रसिद्ध संवाद में, नारद ने भगवान से राम नाम को इस तरह सशक्त करने का अनुरोध किया कि इससे जपकर्ता को अत्यधिक लाभ हो सके। भगवान ने सहमति व्यक्त की, और हम देखते हैं कि राम नाम के जाप करने वालों को कई तरह से बहुत लाभ होता है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि 'राम नाम सत्य है' के जाप से व्यक्ति की अंतिम यात्रा में भी राम नाम का महिमामंडन किया जाता है। माता अहिल्या ने लगातार राम का जाप कर भगवान रामचंद्र का ध्यान अपनी ओर खींचा। भगवान ने उसे उस शाप से छुड़ाया, जिसके कारण वह पत्थर हो गई थी।

राम शब्द ओम जैसी एक आदिम ध्वनि है, और हम ओम के जाप के अकल्पनीय लाभों से अवगत हैं। राम नाम का नियमित जप करने से भी लाभ होता है। भगवान का नाम पुकारने से राम का ध्यान तुरंत उनकी ओर जाता है, क्योंकि वे केवल हमारे पास हैं। परमेश्वर कैसे प्रतिक्रिया करता है यह उस पर निर्भर करता है। गीता में, भगवान कृष्ण ने विशेष रूप से उल्लेख किया है, ''भगवान सभी जीवों के बाहर और अंदर हैं। वह दूर स्थित भी है और पास भी है। (13.15) इसी तरह ईश्वर हमारी प्रार्थनाओं को भी सुनते हैं। भगवान के नामों का ऐसा जप बहुत उपयोगी है क्योंकि यह गतिविधि हमें महान बनाती है। (7.18), हमारी जो भी इच्छाएं हों, हम दु:खी, धन के साधक, जिज्ञासु या ज्ञानी हो सकते हैं। (7.16)'' जो लोग नियमित रूप से ध्यान / भक्ति के साथ राम का जप करते हैं, वे इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि व्यक्ति की इच्छाओं का उचित तरीके से जवाब दिया जाता है, क्योंकि भगवान कभी भी हमारी, जो उनका नाम जपते हैं, शरण लेने पर उपेक्षा नहीं करते हैं। जपकर्ता पर शांति उतरनी शुरू हो जाती है, व्यक्ति यह महसूस कर सकता है कि वह उस हद तक उत्तेजित /चिंतित नहीं हो रहा है जिस हद तक वह पहले ग्रसित था। यदि ध्यान से किया जाए तो राम नाम का जाप नकारात्मक विचारों को प्रभावी रूप से रोकता है। हां, इसमें समय लगेगा, क्योंकि नकारात्मक विचारों से छुटकारा पाना आसान नहीं है, लेकिन ऐसा होगा क्योंकि राम नाम के जाप से जपकर्ता का अस्तित्व शुद्ध होने लगता है। इसके अतिरिक्त, व्यक्ति आश्वस्त महसूस करने लगेगा। ईश्वर की उपस्थिति, जो सर्वव्यापी है, चेतना को चमत्कृत करती है क्योंकि व्यक्ति उसके नाम का जाप करता रहता है। व्यक्ति अपने आप में आश्वस्त महसूस करने लगता है।

सृष्टिगत विधान में, हम आत्माओं के लिए केवल दो कर्तव्य/ जिम्मेदारियां हैं। वे हैं अपने भौतिक और आध्यात्मिक कर्तव्यों का पालन करना। और आध्यात्मिक कर्तव्यों को करने का सबसे आसान और सबसे प्रभावी उपाय है राम का जाप करना। बाहर जाएं/ अपने भौतिक कर्तव्यों का पालन करें और राम का जप करने के लिए वापस आएं। जल्द ही आपको इसकी आदत हो जाएगी और हो सकता है कि एक दिन यह आपकी सांसों के साथ लयबद्ध हो जाए।

- बिश्नोई एक आध्यात्मिक लेखक हैं

धवन खेलेंगे, भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर

● वेस्टइंडीज के साथ तीसरा वनडे मैच आज

भाषा । अहमदाबाद

वेस्टइंडीज के खिलाफ औपचारिकता के तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर होंगी जबकि शिखर धवन की वापसी को बल्लेबाजी को और मजबूती मिली है। पहले दो मैचों में भारत ने आसान जीत दर्ज की।

सलामी बल्लेबाज धवन समेत चार खिलाड़ी वनडे श्रृंखला शुरू होने से पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। अब धवन के लौटने के बाद विजई टीम संयोजन में बदलाव किया जा सकता है।उनकी गैर मौजूदगी में पहले मैच में ईशान किशन ने और दूसरे में ऋषभ पंत ने पारी का आगाज किया।

दूसरे मैच में 44 रन से मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि धवन आखिरी मैच खेलेंगे।उन्होंने कहा था , शिखर अगला मैच खेलेगा। बात हमेशा नतीजे की नहीं होती। उसे मैदान पर समय बिताने की जरूरत है। इसके मायने है कि उपकप्तान के एल राहुल फिर मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी करेंगे। दूसरे मैच में नौ विकेट पर 237 रन ही बना सकी भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने पर बड़ा स्कोर बनाना होगा।

रोहित पिछले मैच में नहीं चल सके लेकिन वह और धवन लय में होने पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में उतरेंगे। सूर्यकुमार ने पिछले मैच में 64 रन बनाकर अपनी जगह सुरक्षित रखी है।

टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), मयंक अग्रवाल, रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, ऋषभ पतं (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रुक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर।

धवन के लिए हरफनमौला दीपक हुड्डा को जगह बनानी होगी। यह देखना होगा कि चयन के लिए उपलब्ध श्रेयस अय्यर अंतिम एकादश में होते हैं या नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने पहले दोनों मैचों में शानदार प्रदर्शन करके वेस्टइंडीज को 176 और 193 रन पर रोक दिया। अब श्रृंखला जीतने के बाद टीम प्रबंधन कुछ बदलाव करके नए खिलाड़ियों को मौका दे सकता है। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव चोट से उबरने के बाद वापसी को बेताब हैं। उन्हें या लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को उतारा जा सकता है।

ऐसा होने पर युजवेंद्र चहल या वाशिंगटन सुंदर बाहर हो सकते हैं। इंदौर के तेज गेंदबाज आवेश खान भी मौका मिलने के इंतजार में है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चार विकेट लिए और शार्दुल ठाकुर ने भी अच्छी गेंदबाजी की लिहाजा उन्हें बाहर करने की उम्मीद कम है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज प्रतिष्ठा बचाने के लिए खेलेगी। पिछले 17 मैचों में वह 11वीं बार पूरे 50 ओवर नहीं खेल सकी।

कप्तान कीरोन पोलार्ड और हरफनमौला जैसन होल्डर को जिम्मेदारी से खेलना होगा। शाई होप, ब्रेंडन किंग और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

कप्तान से तारीफ सुनकर बहुत अच्छा लगा : प्रसिद्ध कृष्णा

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 44 रन से मिली जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा से तारीफ सुनकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढत बना ली है। प्रसिद्ध ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि वह (रोहित) लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं। उनसे तारीफ सुनकर मैं बहुत खुश हूं।

उन्होंने नौ ओवर में 12 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे रोहित काफी प्रभावित दिखे। रोहित ने बाद में कहा कि मैने लंबे समय से भारत के लिए ऐसा स्पैल नहीं देखा। उसने शानदार गेंदबाजी की।

प्रसिद्ध ने कहा कि वह लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए मेहनत कर रहे थे जिसका फल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निजी तौर पर मैं काफी मेहनत कर रहा था।मुझे खुशी है कि वह मेहनत रंग लाई। मैने एक साल पहले भारत के लिए पदार्पण किया था और मेरा लक्ष्य लगातार अच्छा प्रदर्शन करना था। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक गेंदबाजी ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हमें पता है कि हमारे पास उम्दा गेंदबाज हैं और हम एक दूसरे से सीख रहे हैं। इसमें कुछ खास नहीं है। प्रसिद्ध ने कहा कि मोटेरा की विकेट गेंदबाजों की मददगार है। उन्होंने कहा कि इससे गेंदबाजों को मदद मिल रही है। सही लैंग्थ से गेंदबाजी करने से सफलता मिली। हमारा शुरूआती लक्ष्य किफायती गेंदबाजी करके दबाव बनाना था जिससे विकेट भी मिलते गए। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की भी तारीफ की जिन्होंने 64 रन बनाए।

उन्होंने कहा कि उसकी पारी की टाइमिंग अहम थी क्योंकि हम शुरूआती विकेट गंवा चुके थे। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

ऋषभ पंत ने जीता टेस्ट बैटिंग अवार्ड विलियमसन कैप्टन ऑफ ईयर

ईएसपीएन क्रिकइंफो पुरस्कार

● काइल जैमिसन सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने

भाषा । नई दिल्ली

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले साल ब्रिसबेन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई 89 रन की श्रृंखला विजेता पारी की बदौलत 15वें सालाना ईएसपीएन क्रिकइंफो पुरस्कारों में शीर्ष टेस्ट बैटिंग पुरस्कार हासिल करने में सफल रहे जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को कैप्टन ऑफ इ ईयर चुना गया।

टेस्ट बॉलिंग (सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज) पुरस्कार काइल जैमीसन ने हासिल किया जिसकी मदद से न्यूजीलैंड पहला विश्व टेस्ट चैम्पियन बना था, जिसमें उन्होंने 31 रन देकर पांच विकेट झटके थे। पंत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट के अंतिम क्षणों में भारत को असंभव जीत तक पहुंचाया जिससे टीम श्रृंखला में 2-1 की शानदार जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि भारत इस मैच में जीत दर्ज करेगा क्योंकि टीम के पहली पसंद के कई खिलाड़ी तब चोटों से जूझ रहे थे।

विलियमसन को पुरस्कार के लिए विराट कोहली, बाबर आजम और आरोन फिंच की चुनौती मिली। लेकिन अपनी टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीत और फिर टी20 विश्व कप में उप विजेता बनाने के

लिए उन्हें यह पुरस्कार मिला। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को डेब्यूटेंट ऑफ द ईयर पुरस्कार मिला जिन्होंने आठ टेस्ट में 37 विकेट अपने नाम किए जिससे वह 2021 में टेस्ट में देश के सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले दूसरे गेंदबाज रहे। इंग्लैंड की पुरुष टीम का साल इतना अच्छा नहीं रहा, फिर भी तीन पुरस्कार जीतने में कामयाब रही। भारत के लिए केवल पंत को पुरस्कार मिला। साकिब महमूद को पाकिस्तान पर नौ विकेट की जीत में 42 रन देकर चार विकेट झटकने से शीर्ष वनडे गेंदबाजी पुरस्कार मिला। जोस बटलर ने टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ शारजाह में चुनौतीपूर्ण पिच पर 67 गेंद में नाबाद 101 रन की पारी की बदौलत टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी पुरस्कार जीता।

वनडे बल्लेबाजी और टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी पुरस्कार पाकिस्तान के नाम रहे। फखर जमां ने बल्लेबाजी तो शाहीन अफरीदी ने गेंदबाजी पुरस्कार जीता। पुरस्कारों की ज्यूरी में पूर्व खिलाड़ी डेनियल विटोरी, इयान बिशप, टॉम मूडी, अजीत अगरकर, लिजा स्थालेकर, डेरिल कलिनन, रसेल अर्नोल्ड, डेरेन गंगा, शहरीयार नफीस, बाजिद खान और मार्क निकोलस तथा ईएसपीएन क्रिकइंफो के सीनियर संपादक और लेखक शामिल थे, जिन्होंने पिछले कैलेंडर वर्ष में प्रारुषों के तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारुपों और महिलाओं तथा एसोसिएट क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को चुना।

यूपी टिम्बर ने बीबीडी बी डिवीजन लीग जीता

पायनियर समाचार सेवा । लखनऊ

हसन अख्तर (तीन विकेट) की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से यूपी टिम्बर क्रिकेट क्लब ने फाइनल में यूथ क्रिकेट क्लब को आठ विकेट से दी मात देकर बाबू बनारसी दास बी डिवीजन क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम कर लिया।

जयपुरिया मैदान पर खेले गए मैच में यूथ क्लब ने पहले बल्लेबाजी करके 32.1 ओवर में 130 रन ही बना सकी। यूथ क्लब की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम 22 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गयी थी। इसके बाद कप्तान सत्यम अवस्थी ने 33 गेंदों पर नौ चौके से 43 रन की पारी खेली। सत्यम के बाद शिवम जायसवाल (32 रन, 44 गेंद, तीन चौके) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। यूपी टिम्बर क्लब से हसन अख्तर और जमशेद आलम ने तीन-तीन विकेट चटकाए। यासिर तारिक को दो मिले।

जवाब में यूपी टिम्बर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 132 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज शौर्य सिंह ने 45 गेंदों पर पांच चौके व एक छक्के से नाबाद 40 रन की पारी खेली।

उनका साथ देते हए प्रियांशु श्रीवास्तव ने 44 गेंदों पर 5 चौके व तीन छक्के से 51 रन बनाते हुए अर्धशतक जड़ा। विपराज निगम ने नाबाद 22 रन का योगदान दिया। यूथ क्लब से शक्ति वर्मा व सत्यम अवस्थी को एक-एक विकेट मिले।

फाइनल में पार्थ के सामने होगी विवान की चुनौती

लखनऊ। पार्थ व विवान ने यूपी मेकिंग द ग्रैंड मास्टर ऑनलाइन नॉकआउट शतरंज प्रतियोगिता के नॉकआउट सेमीफाइनल प्रतियोगिता में जीत से फाइनल में खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की।

उत्तर प्रदेश चेस स्पोर्टस एसोसियेशन के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों के तीसरे राउंड में पहले बोर्ड पर गौतमबुद्ध नगर के हर्षित सिंह एवं आगरा के पार्थ भटनागर के बीच हुई बाजी में हर्षित द्वारा 27वी चाल में की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए पार्थ ने प्रतिद्वंद्वी का हाथी पीटते हुए 51 चालों में बाजी जीत ली। चौथे राउंड में पार्थ ने क्वीन पान ओपनिंग से शुरू किया।

इस राउंड में हर्षित ने फिर गलती की। उनके द्वारा 22वी चाल में की गई गलती के बाद पार्थ ने अपने हाथी की कुर्बानी देने के बाद हर्षित के दोनों घोड़े पीट दिए। पार्थ ने 40 चालों में जीत से फाइनल में स्थान पक्का किया। वहीं दूसरे बोर्ड पर तीसरे राउंड में गोरखपुर के विवान शुक्ला और कानपुर की तान्या वर्मा के मध्य सिसिलियन डिफेंस के नाजडार्फ वैरियेशन में मैच हुआ। इसमें विवान ने तान्या का हाथी पीट दिया और 32 चालों में जीत से फाइनल में इंट्री की। टूर्नामेंट का फाइनल 12 और 13 फरवरी को पार्थ और विवान के मध्य खेला जायेगा। इसके साथ तीसरे और चौथे स्थान के लिए तान्या और हर्षित के मध्य बाजी होगी।

महिला कुश्ती के लिए चयन ट्रायल 16 से

लखनऊ। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लखनऊ में महिला कुश्ती में भर्ती के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल 16 व 17 फवरी को साई लखनऊ में होगा। इस ट्रायल में 13 से 17 साल आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकते है जिनकी यह आयु एक मार्च, 2022 को होनी चाहिए। साई लखनऊ के कार्यकारी निदेशक संजय सारस्वत ने बताया कि इच्छुक खिलाड़ियों को 72 घंटे पुरानी कोविड की आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट लानी होगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का आखिरी चयन मेरिट, सीट की उपलब्धता व आयु सत्यापन परीक्षा व अन्य दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा।

सोनी अकादमी की जीत में राजवीर व किशन का कमाल

डी डिवीजन

लखनऊ। राजवीर प्रताप सिंह के चार विकेट और किशन गुप्ता के नाबाद 74 रनों की मदद से सोनी क्रिकेट अकादमी ने 17वीं बाबू बनारसी दास डी डिवीजन क्रिकेट लीग में एसआरके क्रिकेट अकादमी को तीन विकेट से मात दी।

अखिलेश दास स्टेडियम पर एसआरके अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करके 39.4 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 204 रन का स्कोर बनाया।

सलामी बल्लेबाज सूरज महाराज ने 100 गेंदों पर 14 चौके से 91 रन बनाए। सुभाष कुमार ने 37 रन और अर्पित सिंह ने 15 रन का योगदान दिया। सोनी अकादमी से राजवीर प्रताप सिंह ने चार विकेट चटकाए। लकी चौहान और मनोज को दो-दो विकेट मिले।

जवाब में सोनी अकादमी ने 35.3 ओवर में सात विकेट पर जीत के लिए जरुरी 208 रन का लक्ष्य पा लिया। किशन गुप्ता ने 85 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 74 रन बनाए। अविनाश यादव ने 37 गेंदों पर चार चौकों से 36 रन और संदीप पी. वर्मा ने 16 रन का योगदान दिया। एसआरके से सूरज महाराज को तीन विकेट मिले।

आर्य अकादमी की जीत में चमके पवन यादव

सी डिवीजन

लखनऊ। आर्य क्रिकेट अकादमी ने बाबू बनारसी दास सी डिवीजन लीग के एक मुकाबले में लखनऊ क्रिकेट नर्सरी को छह विकेट से हराया। टीम की जीत में मैन ऑफ द मैच पवन यादव हीरो बने, जिन्होंने दो विकेट लेने के बाद नाबाद 15 रन की उपयोगी पारी भी खेली।

एक अन्य मैच में नेशनल यंगस्टर ने एनडीबीजी क्लब को 14 रन से हराया। स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर लखनऊ क्रिकेट नर्सरी की टीम निर्धारित 40 ओवर के मैच में 27.2 ओवर में नौ विकेट पर 105 रन पर ऑलआउट हो गयी। टीम की ओर से मनप्रीत ने 19, सुजीत ने 18 ने और युग विशाल लामा ने 16 रन बनाए।

आर्य क्रिकेट अकादमी से पवन यादव, क्षितिज पाण्डेय व अजय पाल ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में आर्य अकादमी की टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 106 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। अविचल तिवारी ने नाबाद 34 रन और पवन यादव ने नाबाद 15 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

एनडीबीजी क्रिकेट मैदान पर खेले गए सी डिवीजन के एक अन्य लीग मैच में नेशनल यंगस्टर ने मैन ऑफ द मैच आजाद मिश्रा छह विकेट की उम्दा गेंदबाजी से एनडीबीजी क्लब को 14 रन से मात दी।

अनुराग मिश्रा अध्यक्ष, विनीत बिसारिया सचिव बने

● लखनऊ जिला हैंडबाल संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

पायनियर समाचार सेवा । लखनऊ

लखनऊ जिला हैण्डबॉल संघ की नयी कार्यकारिणी का गठन गुरुवार को हुई आपातकालीन बैठक में किया गया। संघ के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से विनीत बिसारिया को सचिवए डा. सुमंत कुमार पाण्डेय को आयोजन सचिव ओर सलमान चौधरी को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने अनुराग मिश्रा को सर्वसम्मति से फिर अध्यक्ष बनाये जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। इसके अलावा अन्य सभी पदों पर भी सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ। नवनिर्वाचित समिति को उत्तर प्रदेश हैण्डबॉल एसोसिएशन के महासचिव डा. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बधाई दी।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी

अध्यक्ष: अनुराग मिश्रा, उपाध्यक्ष: राकेश भट्ट, देवेश श्रीवास्तव,राजन दीक्षित, मो. आसिफ, दीपक चावला, सचिव: विनीत बिसारिया, आयोजन सचिव: डा. सुमंत कुमार पाण्डेय: सह सचिव: अनूप किशोर शर्मा, विजेंदर सिंह, मो. हलीम, शिवानाथ मिश्रा, नंदलाल, कोषाध्यक्ष: सलमान चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य: सोमेश कुमार, नदीम अहमद, महेश नारायण अवस्थी, असद नफीस, आलोक मिश्रा, रीना सिंह, शिवा सिंह।

कार्यवाहक कप्तान रहे रहाणे का छलका दर्द

आस्ट्रेलिया में सीरीज मैने जिताई श्रेय किसी और ने ले लियाः अजिंक्य

भाषा । नई दिल्ली

भारतीय टीम के 2020-21 आस्ट्रेलिया दौरे पर एडिलेड टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करने के बाद श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के नायक रहे कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि उस दौरान उनके लिए गए फैसलों का श्रेय किसी और ने ले लिया।

एडिलेड टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम महज 36 रन पर ऑल आउट हो गई थी। इसके बाद नियमित कप्तान विराट कोहली पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारत लौट आए थे। जिससे रहाणे को ऐसे समय में टीम की बागडोर संभालनी पड़ी जब परिस्थितियां सबसे कठिन थी। टीम ने हालांकि एडिलेड की निराशा को पीछे छोड़ते हुए शानदार जज्बा दिखाया और रहाणे की शतकीय पारी से मेलबर्न में टेस्ट मैच जीतकर वापसी की। रहाणे ने एक कार्यक्रम में कहा कि मुझे पता है कि मैंने वहां क्या हासिल किया है। मुझे किसी को बताने की जरूरत नहीं है। श्रेय लेने के लिए आगे बढ़ना मेरा स्वभाव नहीं है। हां, कुछ ऐसे फैसले थे जो मैंने मैदान या ड्रेसिंग रूम में लिए, लेकिन इसका श्रेय किसी और ने ले लिया।

उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह जरूरी था कि हम श्रृंखला में जीत दर्ज करें। वह ऐतिहासिक श्रृंखला थी और हमारे लिए काफी खास थी। रहाणे ने

हालांकि किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन समझा जा रहा है कि उनकी टिप्पणी तत्कालीन मुख्य कोच रवि शास्त्री के लिए है।

जिनकी उस समय काफी तारीफ हुई थी क्योंकि समय चोटिल खिलाड़ियों से परेशान भारतीय टीम का ड्रेसिंग रूम अस्पताल के किसी वार्ड की तरह लग रहा था। रहाणे ने कहा कि उसके बाद लोगों की ऐसी प्रतिक्रियाएं आई जिसमें उन्होंने मेरे लिए गए फैसलों को भी अपना करार दिया। अपनी तरफ से मैं यह जानता था कि मैंने यह फैसले लिए है। मैंने जो भी फैसले लिए थे वो मेरी अंतरआत्मा की आवाज थी।

उन्होंने कहा कि मैं कभी अपने बारे में ज्यादा बात नहीं करता और न ही खुद की तारीफ करता हूं। लेकिन मैंने वहां क्या किया था, मुझे पता है। रहाणे ने पिछले साल 13 टेस्ट मैचों में 20.82 की औसत से सिर्फ 479 रन बनाए है और उनकी बल्लेबाजी की लय में निरंतरता की भी कमी रही है। दक्षिण अफ्रीका के हालिया दौरे पर भी वह लय हासिल करने में नाकाम रहे।

अपनी आलोचना के बारे में उन्होंने कहा, मैं इन चीजों पर सिर्फ मुस्कुरा देता हूं। जो लोग खेल को समझते है वह कभी ऐसी बातें नहीं करेंगे। मैं विस्तार से बात नहीं करना चाहता हूं।

हर किसी को पता है कि आस्ट्रेलिया में क्या हुआ था। रहाणे को अपनी काबिलियत पर भरोसा है और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही लय हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि हां, मुझे अपनी क्षमता पर भरोसा है, मैं वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं और मुझे अपनी क्षमता पर विश्वास है। मुझे अब भी विश्वास है कि मैं अच्छा क्रिकेट खेल सकता हूं।

प्रजनेश गुणेश्वरन दूसरे दौर में हारकर बेंगलुरू ओपन से बाहर

भाषा । बेंगलुरू

भारत की बेंगलुरु ओपन में एकल चुनौती प्रजनेश गुणेश्वरन के गुरुवार को यहां शीर्ष वरीय जिरी वेस्ले से दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही समाप्त हो गई।

प्रजनेश ने पहला सेट जीत लिया था लेकिन उन्हें वेस्ले से 6-3, 2-6,1-6 से हार का सामना करना पड़ा। चेक गणराज्य के वेस्ले अब क्वार्टरफाइनल में छठे वरीय फ्रांस के एंजो कोआकाड से भिड़ेंगे जिन्होंने मैक्स पुरसेल की चुनौती 6-4, 3-6, 6-2 से समाप्त की।

प्रजनेश ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि मैं दूसरे सेट के अंत में कहीं गलत चला गया क्योंकि मैंने कई सारी गलतियां की जिनसे बचा जा सकता था।

वहीं भारत की तीन जोड़ियां भी युगल स्पर्धा से बाहर हो गई हैं, केवल साकेत मायनेनी और रामकुमार रामनाथन की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी कनाडा के स्टीवन डिएज और ट्यूनीशिया के मालेक जाजिरी की जोड़ी के वॉकओवर देने से सेमीफाइनल में पहुंची है।

अन्य एकल प्रीक्वार्टरफाइनल में तुर्की के सेम इकेल ने रूस के इवजेनी दोनस्कोव को 2-6, 6-3, 7-5 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई जहां उनका सामना फ्रांस के एलेक्सांद्र मुलर से होगा जिन्होंने बुल्गारिया के दिमितार कुजमानोव को तीन घंटे तक चले मैच में 7-6, 6-4 से पराजित किया।

राजस्थान युनाइटेड ने मांजी और छह अन्य खिलाड़ियों के साथ करार किया

नई दिल्ली। राजस्थान यूनाइटेड ने गुरुवार को आई लीग के मौजूदा सत्र के कोलकाता में फिर से शुरू होने से पहले स्पेन के स्ट्राइकर पेड्रो मांजी और छह अन्य खिलाड़ियों के साथ करार किया। मांजी ने 2018-19 में चेन्नई सिटी एफसी के साथ आई-लीग का खिताब जीता है। उन्होंने उस सत्र में 26 गोल किए थे और शीर्ष स्कोरर रहे थे।

टीम ने इसके साथ ही मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी मौरो डॉस सैंटोस, सरदार जाखोनोव, अमन थापा, रिकी शबोंग, बिस्वा दार्जी और फ्लान गोम्स के साथ करार किया है। राजस्थान यूनाइटेड ने पिछले साल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट जीतकर पहली बार आई-लीग में जगह बनाई है। टीम आठ मार्च को आइजोल एफसी से खेलेगी।

आई-लीग के बायो-बबल में कोविड-19 के कई मामले आने के बाद मौजूदा सत्र को बीच में स्थगित कर दिया था।

धोनी या विराट कोहली से भारत की कैप पाने का सपना था : दीपक हुड्डा

भाषा । अहमदाबाद

हरफनमौला दीपक हुड्डा ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के दौरान भारत की कैप विराट कोहली से हासिल करने से उनका बचपन का सपना सच हो गया। हुड्डा का हमेशा से सपना भारत के लिए खेलना और एम एस धोनी या कोहली से पदार्पण कैप पाना था।

उन्होंने वेस्टइंडीज पर दूसरे वनडे में 44 रन से जीत के बाद बीसीसीआई टीवी पर सूर्यकुमार यादव से बात करते हुए कहा कि पहले वनडे में मैने भारत के लिए पदार्पण किया। यह अद्भुत अहसास था। इस टीम का हिस्सा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि पहले भी जब मैं टीम में आया तो विराट भाई नहीं थे। मैने बड़े होते हुए उन्हें एक लीजैंड बनते देखा। माही भाई पहले ही एक लीजैंड

थे। मेरा बचपन का सपना इन दोनों में से किसी से भारत की कैप पाना था। कोहली से कैप लेकर बहुत अच्छा लगा। हुड्डा को 2017 में भारत की टी-20 टीम में चुना गया था लेकिन खेलने का मौका नहीं मिला। यह पूछने पर कि राष्ट्रीय टीम में जगह पाने के लिए उनकी प्रेरणा क्या रही, उन्होंने कहा कि मैने लक्ष्य से भटके बिना प्रक्रिया पर फोकस किया। अच्छी चीजों में समय लगता है लेकिन आपको तैयार रहना होता है। उन्होंने कहा कि वह कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और कोहली से बहुत कुछ सीखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि द्रविड़ , रोहित और कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम में रहने का अहसास ही अलग है। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है। मैं वही कोशिश कर रहा हूं।